twitter.com/divyadelhi facebook.com/divyadelhi infodivyadelhi@gmail.com Editor: Rajesh Chauhan

RNI No. DELHI/2013/54397

दिव्य दिल्ली

divyadelhi.com | सोमवार, 04 अगस्त, 2025 | वर्ष: 12, अंक: 259, पृष्ठ: 08 | ₹ 05/- | दिल्ली से प्रकाशित दैनिक समाचार पत्र

'आदिवासियों के विकास के लिए राज्य सरकार कटिबद्ध'

जयपुर

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने को उत्तर प्रदेश के वाराणसी में आयोजित कार्यक्रम के तहत पीएम-किसान सम्मान निधि की 20वीं किस्त जारी की। इस अवसर पर बांसवाडा में आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में कृषक कल्याण और ग्रामीण विकास की नई कहानी लिखी जा रही है। उन्होंने किसान भाइयों के खातों में पीएम किसान सम्मान निधि की 20वीं किस्त की सौगात दी है। इसी कड़ी में राजस्थान के 76 लाख से अधिक किसानों के खातों में 1 हजार 600 करोड़ रुपये की राशि अंतरित की गई है। शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री ने पीएम-किसान सम्मान निधि योजना शुरू कर लघु एवं सीमांत किसानों की जिंदगी बदलने का काम किया है। उन्होंने लाखों करोड़ रुपये की खाद सब्सिडी देकर किसानों को राहत दी है। 10 हजार से अधिक नए एफपीओ बनाए गए हैं। उन्होंने कहा कि किसानो के लिए ऑनलाइन व्यापार की व्यवस्था ई-नाम शुरू की है। 50 प्रतिशत मुनाफा जोड़कर न्यूनतम समर्थन मूल्य तय किया है। प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना को सरल बनाकर इसका विस्तार किया गया। है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमने किसान सम्मान निधि की राशि को बढ़ाकर 9 हजार रुपये कर दिया है और इसे 12 हजार रुपये तक बढ़ाने का संकल्प है। राज्य के 76 लाख से अधिक किसानों को अब तक मुख्यमंत्री किसान सम्मान निधि की 6 हजार 800 करोड़ रुपये की राशि हस्तांतरित की जा चुकी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने विकास को सर्वांगीण, सर्वव्यापी और सर्व-समावेशी बनाते हुए जनजातीय समाज के उत्थान का बीड़ा उठाया है। इस समुदाय के लोगों के सामाजिक-आर्थिक विकास के लिए धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान शुरू किया गया है। जिससे देश की पांच करोड़ से अधिक जनजातीय आबादी लाभान्वित होगी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने बिरसा मुंडा के जन्मदिवस ह्यजनजातीय गौरव दिवसह्ल पर कमजोर जनजातीय समूहों के समग्र विकास के लिए प्रधानमंत्री जनजाति आदिवासी न्याय महाअभियान (पीएम जनमन) की शुरूआत की।

कृषि कानूनों को लेकर अरुण जेटली ने मुझे धमकाया था: राहुल

राहुल गांधी के बयान को भाजपा ने बताया तथ्यात्मक रूप से गलत

नई दिल्ली

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष एवं लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने दावा किया है कि तीन कृषि कानूनों पर विरोध के दौरान तत्कालीन केंद्रीय मंत्री अरुण जेटली ने उनको धमकाया था। वहीं, अरुण जेटली के पुत्र रोहन जेटली ने राहुल गांधी पर अपने पिता को लेकर गलतबयानी का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि उनके पिता के निधन के एक वर्ष बाद कृषि कानूनों को पेश किया गया था। राहुल गांधी ने यहां के विज्ञान भवन में को आयोजित कांग्रेस के राष्ट्रीय कानूनी सम्मेलन में कहा कि अरुण जेटली ने उनसे कहा था कि अगर वह सरकार का विरोध करते रहे और कृषि कानूनों पर लड़ते रहे तो उनके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। इस पर उनका (राहुल) जवाब था कि कांग्रेस कायरों की पार्टी नहीं है और वह कभी झुकी नहीं, न अंग्रेजों के सामने और न अब झुकेगी। उन्होंने संविधान की प्रति दिखाते हुए उसे केवल एक दस्तावेज नहीं, बल्कि भारत की हजारों वर्षों पुरानी सांस्कृतिक और आध्यात्मिक परंपरा की अभिव्यक्ति बताया। उन्होंने कहा कि यह किताब 3,000 से 5,000 साल पुरानी सोच को दर्शाती है, जिसमें बुद्ध और अन्य महान संतों की वाणी है।

उन्होंने संविधान पर हो रहे कथित हमलों की निंदा करते हुए कहा कि यह केवल एक कानूनी किताब नहीं, बल्कि भारत की

जीवनशैली और पहचान है, जिस पर हमला करने की किसी को हिम्मत नहीं होनी चाहिए। नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने कहा कि उनकी बहन प्रियंका गांधी ने हाल ही में उन्हें चेताया था कि वे आग से खेल रहे हैं, जिस पर उन्होंने जवाब दिया कि उन्हें आग से खेलने से डर नहीं लगता क्योंकि उनका परिवार उन्हें यही सिखाता आया है। उन्होंने कहा कि कायरों से डरना सबसे बड़ी कायरता है और कांग्रेस ने कभी डर को स्वीकार नहीं किया। वहीं, पूर्व केंद्रीय मंत्री अरुण जेटली के पुत्र और दिल्ली एवं जिला क्रिकेट संघ के अध्यक्ष रोहन जेटली ने एक्स पोस्ट में कहा, "मैं राहुल गांधी को याद दिला दूं कि मेरे पिता का देहांत 2019 में हुआ था और कृषि कानून 2020 में पेश किए गए थे। इससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि मेरे पिता का स्वभाव किसी को भी विरोधी विचार के लिए धमकाना नहीं था। वह एक कट्टर लोकतांत्रिक व्यक्ति थे और हमेशा आम सहमति बनाने में विश्वास रखते थे।" रोहन जेटली ने कहा कि अगर कभी ऐसी स्थिति आती भी, जैसा कि राजनीति में अक्सर होता है, तो वह सभी के लिए एक पारस्परिक रूप से स्वीकार्य समाधान पर पहुंचने के लिए स्वतंत्र और खुली चर्चा का आह्वान करते थे। वह बस ऐसे ही थे और आज भी उनकी यही विरासत है। मैं राहुल गांधी को उन लोगों के बारे में बोलते समय सचेत रहना चाहिए, जो अब हमारे साथ नहीं हैं। उन्होंने मनोहर परिकर जी के साथ भी कुछ ऐसा ही करने की कोशिश की, उनके अंतिम दिनों का राजनीतिकरण किया, जो उतना ही घटिया था।

जेटली पर राहुल का झूठ उनकी अपरिपक्वता का प्रतीक

पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं लोकसभा के सदस्य अनुराग सिंह ठाकुर ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी के भाजपा के दिवंगत नेता अरुण जेटली पर टिप्पणी को उनकी अपरिपक्व राजनीति का प्रतीक बताया है। ठाकुर ने उनसे जेटली परिवार और देश से माफी मांगने की मांग की है। अनुराग ठाकुर ने को एक बयान में कहा कि कांग्रेस में बस एक यही सच है कि उनकी हर बात झूठ है। दिन, सप्ताह, महीने, साल बीतते गये बस राहुल गांधी में एक ही चीज है जो उनके अंदर बनी हुई है। कोई परिवर्तन नहीं, ना होने की कोई उम्मीद। हर दिन एक नया झूठ, एक नया प्रोपेगंडा। कांग्रेस को गंभीरता से विचार करना होगा कि आखिर राहुल गांधी झूठ-फरेब मक्कारी की राजनीति से आखिर क्या हासिल करना चाहते हैं? उन्होंने कहा कि स्वर्गीय अरुण जेटली भाजपा के अनेक कार्यकताओं के लिए अभिभावक समान थे। सभी दलों के नेताओं में उनके प्रति सम्मान का भाव था। लोग दलगत राजनीति से ऊपर उठकर उनका सम्मान करते थे। उनके अनुभव का लाभ लेते थे। जिन्होंने देश को इतना कुछ दिया उनके बारे में राहुल गांधी इतना बड़ा झूठ आखिर कैसे बोल सकते हैं। राहुल कहते हैं कि जब वे कृषि कानूनों से लड़ रहे थे तब जेटली ने उनको धमकाया था? राहुल गांधी सफेद झूठ झूठ बोल रहे हैं क्योंकि 24 अगस्त 2019 को अरूण जेटली का निधन हुआ जबकि 3 जून 2020 को मोदी कैबिनेट में कृषि कानून आया था।

भाजपा ने अरुण जेटली द्वारा धमकाने के दावे को सिरे से खारिज कर दिया

नई दिल्ली

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी के कृषि कानूनों को लेकर तत्कालीन केंद्रीय मंत्री अरुण जेटली द्वारा धमकाने के दावे को सिरे से खारिज कर दिया है। भाजपा ने राहुल के इस बयान को तथ्यात्मक रूप से गलत और भ्रामक बताया है। भाजपा के आईटी प्रकोष्ठ के प्रभारी अमित मालवीय ने को एक्स पोस्ट में कहा कि राहुल गांधी का दावा है कि अरुण जेटली ने 2020 के कृषि कानूनों के प्रति उनके विरोध को कमजोर करने के लिए उनसे संपर्क किया था। अरुण जेटली का 24 अगस्त 2019 को निधन हो गया। कृषि विधेयकों का मसौदा 03 जून 2020 को केंद्रीय मंत्रिमंडल के समक्ष प्रस्तुत किया गया। ये कानून सितंबर 2020 में लागू किए गए। समर्थन या विरोध में, कोई भी चर्चा इन घटनाक्रमों के बाद शुरू हुई। यह कहना कि अरुण जेटली ने उनसे किसी भी चीज के लिए संपर्क किया था, तथ्यात्मक रूप से गलत और भ्रामक है। वहीं, पूर्व केंद्रीय मंत्री अरुण जेटली के बेटे रोहन जेटली ने एक्स पोस्ट में कहा, "मैं राहुल गांधी को याद दिला दूं कि मेरे पिता का देहांत

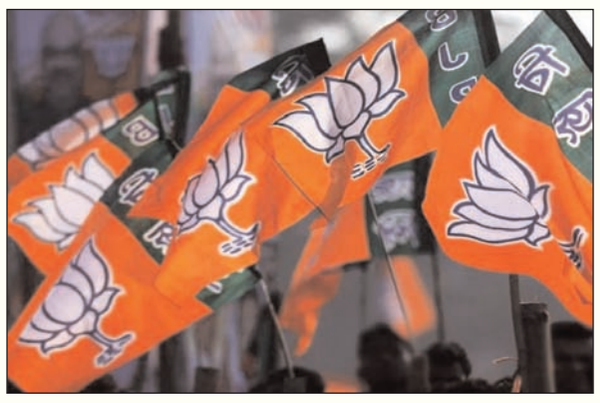

2019 में हुआ था और कृषि कानून 2020 में पेश किए गए थे। इससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि मेरे पिता का स्वभाव किसी को भी विरोधी विचार के लिए धमकाना नहीं था। वह एक कट्टर लोकतांत्रिक व्यक्ति थे और हमेशा आम सहमति बनाने में विश्वास रखते थे।" रोहन ने कहा कि अगर कभी ऐसी स्थिति आती भी, जैसा कि राजनीति में अक्सर होता है, तो वह सभी के लिए एक पारस्परिक रूप से स्वीकार्य समाधान पर पहुंचने के लिए स्वतंत्र और खुली चर्चा का आह्वान करते थे। वह बस ऐसे ही थे और आज भी उनकी यही विरासत है। मैं राहुल गांधी को उन लोगों के बारे में बोलते समय सचेत रहना चाहिए, जो अब हमारे साथ नहीं हैं। उन्होंने मनोहर परिकर जी के साथ भी कुछ ऐसा ही करने की कोशिश की, उनके अंतिम दिनों का राजनीतिकरण किया, जो उतना ही घटिया था। उल्लेखनीय है कि राहुल गांधी ने विज्ञान भवन में आयोजित कांग्रेस के राष्ट्रीय कानूनी सम्मेलन में कहा था कि जब वे कृषि कानूनों के खिलाफ लड़ रहे थे, तो अरुण जेटली को मुझे धमकाने के लिए भेजा गया था। उन्होंने मुझसे कहा था, "अगर आप सरकार का विरोध करते रहे और कृषि कानूनों के खिलाफ लड़ते रहे तो हमें आपके खिलाफ कार्रवाई करनी पड़ेगी।"

पीएम किसान योजना किसानों के लिए वरदान: राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी

नई दिल्ली

केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि (पीएम-किसान) योजना को देश के किसानों के लिए वरदान बताया है। उन्होंने कहा कि इस योजना के तहत किसानों को लगातार आर्थिक सहायता दी जा रही है, जिससे उनकी आजीविका में सुधार हुआ है। गडकरी ने को अपने एक्स पोस्ट में लिखा कि पीएम किसान योजना किसान कल्याण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है और इससे किसानों की आर्थिक स्थिति मजबूत हुई है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आज वाराणसी में

आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान पीएम-किसान योजना की 20वीं किस्त जारी की। इस दौरान देश भर के 9.7 करोड़ से अधिक किसानों के बैंक खातों में सीधे 20,500 करोड़ रुपये से अधिक की राशि हस्तांतरित की गई। इस धनराशि के साथ ही अब तक इस योजना के अंतर्गत कुल 3.90 लाख करोड़ रुपये से अधिक की राशि किसानों को दी जा चुकी है। गडकरी ने कहा कि इस कल्याणकारी योजना से किसानों की आर्थिक सक्षमता के साथ उनकी जिंदगी बदल रही है। यह किसान कल्याण और कृषि समृद्धि के लिए सरकार की प्रतिबद्धता को दशार्ता है। उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के तहत भारत सरकार पात्र किसानों को प्रति वर्ष छह हजार रुपये की वित्तीय मदद देती है। यह सम्मान राशि तीन समान किस्तों में प्रत्येक बार दो-दो हजार रुपये सीधे किसानों के बैंक खातों में भेजी जाती है। इस प्रक्रिया से किसानों को बिचौलियों से मुक्त, पारदर्शी और समय पर सहायता मिलती है।

अंगदान को जनआंदोलन बनाने की आवश्यकता: स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा

नई दिल्ली

केन्द्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जेपी नड्डा ने कहा कि अंगदान जीवन का कीमती उपहार है और यह एक परोपकारी, समतावादी और अनिवार्य रूप से नैतिक कार्य है, लेकिन लोगों में जागरुकता की कमी के कारण आज अंग प्रत्यारोपण के लिए जरुरतमंद लोगों को काफी लंबा इंतजार करना पड़ता है। उन्होंने कहा कि एक आदमी आठ लोगों के जीवन को बचा सकता है। इसलिए इसे जन आंदोलन बनाने की आवश्यकता है। जेपी नड्डा ने अंतरराष्ट्रीय अंबेडकर सेंटर में राष्ट्रीय अंग एवं ऊतक प्रत्यारोपण

संगठन द्वारा आयोजित 15वें भारतीय अंगदान दिवस के अवसर पर 'अंगदान- जीवन संजीवनी अभियान' को संबोधित करते हुए कहा कि आज अंग प्रत्यारोपण की आवश्यकता बढ़ रही है। हर साल हजारों लोगों को अंग प्रत्यारोपण के लिए इंतजार करना पड़ रहा है। अंगदान करने वालों और अंग प्रत्यारोपण कराने वालों की संख्या में भारी अंतर दिखाई देता है। अंगदान करने में आज भी लोग काफी पीछे हैं। इसका कारण लोगों में इसको लेकर जागरुकता का अभाव है। इसके साथ समाज में व्याप्त धारणाएं भी हैं। आज का दिन और यह समारोह हर अंगदान करने वाले व्यक्ति के महान कार्य को सम्मानित करने और लोगों में जागरुकता फैलाने का है।

उन्होंने बताया कि 2023 में आधार कार्ड पर आधारित राष्ट्रीय अंग एवं ऊतक प्रत्यारोपण संगठन की वेबसाइट लॉन्च होने के बाद करीब 3 लाख से अधिक लोगों ने अंग दान करने के लिए शपथ ली है। यह दशार्ता है कि लोगों में जागरुकता बढ़ रही है। भारत में साल 2024 में 18900 प्रत्यारोपण किए गए। यह एक साल में किए गए प्रत्यारोपण की सबसे अधिक संख्या है।

साल 2013 में देश में 5000

तेजस्वी यादव के मतदाता सूची से नाम काटने का आरोप

पटना

बिहार विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने को दावा किया कि विशेष गहन पुनरीक्षण के दौरान उनका नाम मतदाता सूची से हटा दिया गया है। उनके इस दावे का चुनाव आयोग ने खंडन किया है।

तेजस्वी यादव ने कहा कि अब हम चुनाव कैसे लड़ेंगे? तेजस्वी ने यह आरोप भी लगाया कि जब से यह प्रक्रिया शुरू हुई थी, तब से कोई पारदर्शिता नहीं बरती गई। तेजस्वी ने कहा कि राजनीतिक दलों को सूचित किए बिना ही नाम हटाने जैसे फैसले लिए गए और जब विपक्ष ने सवाल उठाए, तो उन्हें नजरअंदाज कर दिया गया। पटना के जिलाधिकारी द्वारा जारी आधिकारिक बयान में स्पष्ट किया गया कि तेजस्वी यादव का नाम मतदाता सूची में न केवल शामिल है, बल्कि उनका नाम मतदान केंद्र संख्या 204, बिहार पशु विज्ञान विश्वविद्यालय, पुस्तकालय भवन, क्रम संख्या 416 पर दर्ज है। पूर्व में उनका नाम मतदान केंद्र संख्या 171, क्रम संख्या 481 पर था। प्रशासन ने इसे भ्रामक बयानबाजी करार दिया। बिहार के उप-मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी भी इस पूरे मामले को लेकर मैदान में उतर आए हैं। उन्होंने अपने एक्स अकाउंट पर पोस्ट करते हुए तेजस्वी यादव पर हमला बोला। सम्राट चौधरी ने लिखा, तेजस्वी जी, आपकी योग्यता पर मुझे ही नहीं, आपके परिवार और पूरे बिहार को भी शंका है।

भाजपा में शामिल होते ही पूर्व अकाली नेता के ठिकानों पर विजिलेंस के छापे

चंडीगढ़

पंजाब में शिरोमणि अकाली दल छोड़कर भाजपा में शामिल हुए चर्चित रियल एस्टेट कारोबारी रणजीत सिंह गिल के चंडीगढ़ स्थित आवास पर को विजिलेंस ब्यूरो ने छापा मारा है। ब्यूरो की इस कार्रवाई को लेकर चौतरफा चर्चा हो रही है। रणजीत सिंह गिल लंबे समय से शिरोमणि अकाली दल में थे। रात वह चंडीगढ़ में हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की

उपस्थिति में अकाली दल को छोड़कर भाजपा में शामिल हुए थे। हरियाणा के मुख्यमंत्री आवास पर हुए कार्यक्रम के दौरान गिल ने भाजपा में नीतियों में विश्वास व्यक्त किया था। गिल देररात चंडीगढ़ से अपने आवास पर लौटे और अल सुबह पंजाब विजिलेंस ब्यूरो ने उनके आवास को घेर लिया। भाजपा में शामिल होने के महज 12 घंटे बाद ही रणजीत सिंह के घर के अलावा मोहाली और खरड़ के ऑफिस में भी विजिलेंस की टीमें पहुंची हैं। विजिलेंस ब्यूरो ने अभी तक कोई अधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है। इसके बावजूद विजिलेंस की टीमों द्वारा कई घंटे तक गिल के ठिकानों पर जांच की गई।

विजिलेंस की टीमों ने उनके

भाजपा प्रदेशभर में 10 अगस्त से निकालेगी तिरंगा यात्रा: राठौड़

जयपुर

भारतीय जनता पार्टी प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने प्रदेश स्तरीय "तिरंगा यात्रा" के आयोजन की घोषणा की। तिरंगा यात्रा 10 अगस्त से 14 अगस्त 2025 तक पूरे राजस्थान में मंडल और जिला स्तर पर निकाली जाएगी। तिरंगा यात्रा का उद्देश्य देशभक्ति की भावना को सशक्त करना और स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के बलिदान को स्मरण करना है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने इस आयोजन के सफल संचालन के लिए प्रदेश स्तरीय टोली का गठन भी किया है। पूर्व प्रदेश उपाध्यक्ष महेंद्र बोहरा तथा प्रदेश मंत्री भूपेंद्र सैनी को सदस्य बनाया गया है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने कहा कि यह तिरंगा यात्रा हर कार्यकर्ता के लिए गर्व और सेवा का अवसर है। यह आयोजन पूरे प्रदेश में एक जन आंदोलन का रूप लेगा और भाजपा की राष्ट्रनिष्ठ भावना को जन-जन तक पहुंचाएगा।

सीएम धामी ने दी विभिन्न विकास योजनाओं की वित्तीय स्वीकृति

देहरादून

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने जनपद चमोली में जोशीमठ के आपदा प्रभावित क्षेत्र के स्लोप स्टेबलाईजेशन कार्ययोजना के लिए 516 करोड़ योजना की वित्तीय स्वीकृति प्रदान करते हुए प्रथम किस्त के रूप में 40 करोड़ की धनराशि अवमुक्त किया है। मुख्यमंत्री ने केन्द्र पोषित जल जीवन मिशन कार्यक्रम के अन्तर्गत गतिमान कार्यो के लिए केन्द्र सरकार से केन्द्रांश के रूप में प्राप्त होने वाली धनराशि की प्रत्याशा में पुनर्विनियोग के माध्यम से 200 करोड़ रुपये की स्वीकृति प्रदान की

है। मुख्यमंत्री ने राज्य की नगर निकायों में 52 स्थलों में देवभूमि रजत जयंती पार्क का निर्माण करने के लिए 40.49 करोड की धनराशि स्वीकृत किया है। उत्तराखंड पेयजल निगम की ओर से सेल्फ ऑफ परोजेक्ट के अन्तर्गत नाबार्ड, राज्य सेक्टर, ई.ए.पी., रिंग फेसिंग इत्यादि कार्यक्रमों के लिए पेयजल निगम को 350 लाख और जल संस्थान को 150 लाख रुपये अवमुक्त किया है। मुख्यमंत्री ने राज्य योजना के अन्तर्गत जनपद टिहरी गढ़वाल के विधानसभा क्षेत्र नरेन्द्र नगर में मुनिकीरेती स्थित रामझूला सेतु के स्ट्रेंथनिंग एवं सुरक्षात्मक कार्य के लिए 11 करोड़ रुपये की योजना स्वीकृत करने का भी अनुमोदन दिया है। मुख्यमंत्री ने पांचवें और छठे वेतमान पाने वाले कर्मचारियों का मंहगाई भत्ता बढाए जाने की स्वीकृति दी है।

मुख्यमंत्री ने राज्य सरकार और राज्य स्वायत्त निकायों/उपक्रमों के उन कर्मचारियों को,जो पांचवें और छठे केन्द्रीय वेतन आयोग की सिफारिशों के अनुसार लागू वेतन बैंड/ग्रेड वेतन में अपने वेतन और भत्ते आहरित कर रहे हैं, को उन्हें स्वीकार्य मंहगाई भत्ते की मौजूदा दर को 01 जनवरी, 2025 से क्रमशः पांचवें वेतनमान को 455 प्रतिशत से बढ़ाकर 466 प्रतिशत व छठे वेतनमान को 246 प्रतिशत से बढ़ाकर 252 प्रतिशत प्रतिमाह करने के लिए अनुमोदन प्रदान किया है।

हिमाचल में भारी वर्षा से जनजीवन अस्त-व्यस्त, ऊना में बाढ़ जैसे हालात, शिक्षण संस्थान बंद

एजेंसी

शिमला। हिमाचल प्रदेश में रात से लगातार हो रही भारी बारिश से जनजीवन पूरी तरह से प्रभावित हो गया है। ऊना जिले में स्वां नदी उफान पर है, जिससे बाढ़ जैसे हालात पैदा हो गए हैं। ऊना शहर में कई जगहों पर दुकानों और घरों में बरसाती पानी घुस गया है और सड़कें जलभराव के कारण बंद हो गई हैं। स्थिति को देखते हुए जिला प्रशासन ने ऊना जिले के सभी सरकारी और निजी स्कूलों, कॉलेजों, आईटीआई, प्रशिक्षण संस्थानों और आंगनवाड़ी केंद्रों में आज 2 अगस्त को अवकाश घोषित किया है। प्रशासन ने लोगों से अपील की है कि वे अनावश्यक रूप से घरों से बाहर न निकलें और सतर्क रहें।

पौंग डैम से भी छोड़ा जा सकता है पानी, अलर्ट पर टीमें

कांगड़ा जिले के पौंग डैम में जलस्तर 1365 फीट तक पहुंच गया है। इससे किसी भी समय पानी छोड़ा जा सकता है। प्रशासन ने इंदौरा और पंजाब के होशियारपुर क्षेत्र के लोगों को सतर्क रहने के लिए कहा है। बचाव और राहत के लिए स्वयंसेवकों की टीम तैयार रखने, स्थानीय युवक मंडलों को सतर्क रहने और मछुआरों तथा गोताखोरों की टीमों को किश्तियों सहित तैनात करने के निर्देश जारी किए गए हैं।

मनाली से केलंग और रोहतांग जाने वाली सड़कें अवरुद्धः कुल्लू जिला की विख्यात

पर्यटन नगरी मनाली के ऊपरी क्षेत्रों में बारिश का दौर जारी है। मनाली-केलंग सड़क अटल टनल के समीप वाहनों की आवाजाही के लिए बाधित है। वहीं मनाली-रोहतांग-केलंग मार्ग भी बंता मोड़ के पास भूस्खलन से बंद है। दोनों मार्गों को बहाल करने के प्रयास किये जा रहे हैं।

कुल्लू में फ्लैश फ्लड, मलाणा पावर प्रोजेक्ट का कॉफर डैम टूटा

कुल्लू जिले की पार्वती घाटी में अचानक आई बाढ़ से शुक्रवार शाम मलाणा-1 जल विद्युत परियोजना द्वारा बनाया गया कॉफर डैम आंशिक रूप से टूट गया। इस घटना में एक हाइड्रा मशीन, एक डंपर, एक रॉक ब्रेकर और एक कैंपर या कार पानी में बह गई। हालांकि राहत की बात यह है कि इस हादसे में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। लगातार बारिश के चलते पार्वती नदी का जलस्तर बढ़ गया है और आसपास के क्षेत्रों में खतरा और भी बढ़ गया है। कुछ अस्थायी पुलों के बह जाने और कई सड़कों के टूटने की खबर भी सामने आई है। प्रशासन ने लोगों से नदी-नालों और भूस्खलन संभावित क्षेत्रों से दूर रहने की अपील की है।

लाहौल-स्पीति में भी फ्लैश फ्लड, सड़कें बंद

लाहौल-स्पीति जिले के जिस्पा के पास ग्रेफ कैंप के नजदीक फ्लैश फ्लड की वजह से केलांग-दारचा-सारचू-लेह मार्ग पर वाहनों की आवाजाही पूरी तरह से बंद हो गई है। सीमा सड़क संगठन (बीआरओ) सड़क बहाली में जुटा हुआ है। इस घटना में भी किसी तरह के जान-माल के नुकसान की सूचना नहीं है, लेकिन इलाके में डर का माहौल है।

देवघर के बाबा बैद्यनाथ धाम में अबतक 44 लाख से अधिक श्रद्धालुओं ने किया जलार्पण

एजेंसी

देवघर। सावन माह में देवघर के विश्व प्रसिद्ध बाबा बैद्यनाथ धाम में लगातार श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ रही है। शनिवार तड़के 04:09 बजे से मंदिर का पट खुलते ही जलार्पण शुरू हो गया। जिला प्रशासन के अनुसार सावन मेला में अब तक कुल 44 लाख एक हजार 85

श्रद्धालुओं ने बाबा बैद्यनाथ पर जलार्पण किया है। देश के हर कोने और विदेश से भी भक्त भोलेनाथ को जलार्पण करने आ रहे हैं। कांवड़िए सुल्तानगंज से जल लेकर 105 किमी की पैदल यात्रा कर देवघर के बाबा बैद्यनाथ धाम पहुंच कर जलार्पण करते हैं।

सुरक्षा के कड़े इंतजाम : एसपी अजीत पीटर डुंगडुंग ने बताया कि देवघर के चप्पे-चप्पे पर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। बाबा बैद्यनाथ धाम स्थित पूरे मेला क्षेत्र में दंडाधिकारी और पुलिस बल की तैनाती की गई है। सुरक्षा में एटीएस, जिला बल, सीआरपीएफ, एनडीआरएफ की टीम मेला क्षेत्र में प्रतिनियुक्त हैं।

दानपात्र से मिले नेपाली और अमेरिकी डॉलरः बाबा मंदिर प्रांगण स्थित 18 दानपात्र को मंदिर प्रशासन की देखरेख में खोला गया। गिनती के बाद दानपात्र से कुल आय 18,92,047 रुपये के अतिरिक्त नेपाली नगदी और अमेरिकन डॉलर दान स्वरूप प्राप्त हुआ।

नेशनल अवॉर्ड मिलने के बाद शाहरुख खान का पहला रिएक्शन, वीडियो जारी कर जताया आभार

मुंबई,। फिल्म जगत में भारत के सबसे बड़े प्रतिष्ठित सम्मान में से एक '71वें नेशनल फिल्म अवॉर्ड-2023' का ऐलान हो गया है। बेस्ट एक्टर का अवॉर्ड शाहरुख खान और विक्रांत मैसी को मिला। शाहरुख खान को फिल्म 'जवान' और विक्रांत मैसी को '12वीं फेल' के लिए यह सम्मान मिला है। इसे लेकर बॉलीवुड एक्टर शाहरुख खान ने भारत सरकार का धन्यवाद किया। बॉलीवुड स्टार शाहरुख खान ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर अपना वीडियो जारी कर सबका आभार

जताया। इस वीडियो में उन्होंने कहा कि मुझे राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित करने के लिए धन्यवाद। जूरी और सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय का धन्यवाद। इस सम्मान के लिए भारत सरकार का शुक्रिया। मुझ पर बरस रहे प्यार से अभिभूत हूं। साथ ही उन्होंने कहा कि 'जवान' फिल्म के डायरेक्टर और पूरी टीम को धन्यवाद, जिन्होंने मुझे इस फिल्म में काम करने का मौका दिया। यह अवॉर्ड मेरे लिए एक रिमाइंडर है। एक्टिंग सिर्फ काम नहीं है, बल्कि जिम्मेदारी है, स्क्रीन पर सच दिखाने की जिम्मेदारी। सबके प्यार के लिए मैं बहुत-बहुत आभारी हूं। इस सम्मान के लिए भारत सरकार का बहुत-बहुत शुक्रिया।

केन्द्र सरकार ने उज्जैन में आकाशवाणी के लिए स्टूडियो सेटअप को दी मंजूरी

भोपाल। केन्द्र सरकार ने मध्य प्रदेश की तीर्थनगरी उज्जैन में आकाशवाणी स्टूडियो सेटअप स्थापित करने की मंजूरी दे दी है। केन्द्रीय सूचना प्रसारण सचिव संजय जाजू ने शाम मुख्यमंत्री निवास कार्यालय समत्व भवन में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से भेंट कर उज्जैन में आकाशवाणी स्टूडियो सेटअप स्थापित करने का स्वीकृति पत्र प्रदान किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इस स्वीकृति के लिए भारत सरकार का आभार मानते हुए कहा कि मालवा क्षेत्र की समृद्ध कला और सांस्कृतिक परम्पराएं हैं। आज के सूचना युग में अन्य जन माध्यमों के साथ प्रसारण माध्यमों का विशेष महत्व है। आकाशवाणी की अपनी प्रामाणिकता है। इस नाते मालवा अंचल में इंदौर के साथ ही उज्जैन एक महत्वपूर्ण केंद्र है जहां आकाशवाणी के स्टूडियो सेटअप की आवश्यकता थी। मुख्यमंत्री ने कहा कि उन्होंने गत आठ जुलाई को केन्द्रीय सूचना प्रसारण राज्यमंत्री डॉ. एल मुरूगन से भेंट की थी। भारत सरकार से उज्जैन में आकाशवाणी केंद्र एवं स्टूडियो सेटअप का आग्रह किया गया था। भारत सरकार द्वारा इसे स्वीकृत किया गया है। इस प्रक्रिया के पूरा होने तक आकाशवाणी इंदौर से सप्ताह में छह दिन अल्पकालिक प्रसारण की व्यवस्था की गई है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सिंहस्थः 2028 के दृष्टिगत जहां अन्य प्रकार की व्यवस्थाएं की जा रही हैं, वहीं ऑफीशियल मीडिया के विस्तार की दिशा में उज्जैन में आकाशवाणी सेटअप स्वीकृत किए जाने की उपलब्धि महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि उज्जैन एवं मालवा क्षेत्र के स्थानीय कलाकारों के प्रोत्साहन की दृष्टि से भी सर्वसुविधायुक्त रेडिया स्टेशन की आवश्यकता थी। कला और संस्कृति को बढ़ावा देने के साथ ही ग्रामीण और जनजातीय क्षेत्रों के लिए यह विशेष आउटरीच सपोर्ट होगा। केंद्र और राज्य सरकार की योजनाओं के प्रचार-प्रसार ओर सामुदायिक रेडियो नेटवर्क का विस्तार उपयोगी सिद्ध होगा। जनहितैषी निर्णयों की सूचनाओं को सुदूर ग्रामीण अंचलों तक पहुंचाने में विशेष सहायता मिलेगी।

मोदी ने वाराणसी को 2,200 करोड़ रुपए की विकास परियोजनाओं की सौगात दी

पीएम-किसान योजना की 20वीं किस्त भी जारी की

एजेंसी

वाराणसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लगभग 2200 करोड़ रुपये की कई विकास परियोजनाओं का शिलान्यास और उद्घाटन किया। पीएम मोदी शनिवार को वाराणसी के बनौली गांव से 'प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि' (पीएम किसान) योजना की 20वीं किस्त जारी कर दी है। इस मौके पर देशभर के 9.7 करोड़ से अधिक किसानों को सीधे उनके बैंक खातों में करीब 20,500 करोड़ रुपए की आर्थिक सहायता ट्रांसफर की गई है। इस रकम को डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर (डीबीटी) के माध्यम से किसानों के आधार से जुड़े बैंक खातों में भेजा गया। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा, 'प्रधानमंत्री दुनिया के सबसे लोकप्रिय राजनेता हैं। पिछले 11 वर्ष में दुनिया के चार दर्जन से अधिक देशों ने अपना सर्वोच्च नागरिक सम्मान प्रधानमंत्री को समर्पित किया है। लोक कल्याण के लिए, विश्व कल्याण के लिए उनकी दूर दर्शिता का लोहा पूरी दुनिया मानती है...यह हमारा सौभाग्य है कि देश की संसद में प्रधानमंत्री इस काशी का प्रतिनिधित्व करते हैं

कनेक्टिविटी को मजबूत करने के प्रयासों के तहत, प्रधानमंत्री मोदी वाराणसी-भदोही रोड और छितौनी-

शूल टंकेश्वर रोड सहित प्रमुख सड़कों के चौड़ीकरण और सुदृढ़ीकरण का उद्घाटन किया । इसके अलावा, वे हरदत्तपुर में एक रेलवे ओवरब्रिज का भी उद्घाटन किया , जिससे मोहन सराय-अदलपुरा मार्ग पर भीड़भाड़ कम होने की उम्मीद है। इसके अलावा, प्रधानमंत्री मोदी दालमंडी, लहरतारा-कोटवा, गंगापुर और बाबतपुर में सड़क सुधार सहित कई नई बुनियादी ढांचा परियोजनाओं की आधारशिला रखी । स्थानीय परिवहन सुविधाओं को और बेहतर करने के लिए लेवल क्रॉसिंग 22सी और खालिसपुर यार्ड में नए रेलवे ओवरब्रिज भी बनाए जाने की योजना है। शहर की बिजली व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए, पीएम मोदी 880 करोड़ रुपए से अधिक की बिजली परियोजनाओं की शुरुआत की गयी। इनमें स्मार्ट डिस्ट्रीब्यूशन प्रोजेक्ट और ओवरहेड विद्युत केबलों को भूमिगत करना शामिल है, जिनका उद्देश्य शहर की बिजली आपूर्ति को आधुनिक और सुरक्षित बनाना है। पर्यटन को बढ़ावा देने और शहर की समृद्ध सांस्कृतिक धरोहर को संरक्षित करने के लिए, प्रधानमंत्री मोदी आठ कच्चे घाटों के पुनर्विकास, शिवपुर में रंगीलदास कुटिया के तालाब और घाट के सौंदर्यीकरण और ऐतिहासिक दुर्गाकुंड के जीर्णोद्धार का उद्घाटन किया । इसके अलावा, कार्डमेश्वर महादेव मंदिर के जीर्णोद्धार, प्रसिद्ध स्वतंत्रता सेनानियों की जन्मस्थली करखियांव के विकास, और लमही में मुंशी प्रेमचंद के पैतृक घर को संग्रहालय में बदलने के लिए आधारशिला रखी गयी ।

2014 से ही मुझे लगता था चुनाव प्रक्रिया में गड़बड़ है,अब हमारे पास सबूत हैं- राहुल गांधी

एजेंसी

नई दिल्ली। राजधानी में आयोजित वार्षिक लीगल कॉन्क्लेव-2025 के मंच से कांग्रेस सांसद और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने चुनावी प्रक्रिया और मतदाता सूची में कथित अनियमितताओं को लेकर गंभीर सवाल उठाए हैं। राहुल गांधी ने कहा कि उन्हें 2014 से ही चुनावों में 'कुछ गड़बड़' होने का संदेह था, और अब उनके पास इसको लेकर ठोस सबूत हैं।

लोकसभा नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने कहा, ÷मैं हाल ही में चुनाव प्रणाली के बारे में बोल रहा था। मुझे हमेशा से संदेह था कि 2014 से ही कुछ गड़बड़ है... मुझे गुजरात विधानसभा चुनावों

में पहले से ही संदेह था। व्यापक जीत हासिल करने की यह क्षमता। कांग्रेस पार्टी को राजस्थान, मध्य प्रदेश, गुजरात में एक भी सीट नहीं मिलती, यह मेरे लिए आश्चर्यजनक था... जब भी हम बोलते थे, लोग कहते थे, सबूत कहां है? फिर, महाराष्ट्र में कुछ हुआ। लोकसभा में, हम चुनाव जीत गए। और फिर 4 महीने बाद, हम न केवल हारे, बल्कि हमारा सफाया हो गया। तीन दल अचानक गायब हो गए। हमने चुनावी कदाचार की गंभीरता से तलाश शुरू की। हमें यह महाराष्ट्र में पता चला, लोकसभा और विधानसभा के बीच 1 करोड़ नए मतदाता सामने आए। इनमें से अधिकांश वोट भाजपा को गए... अब मैं बिना किसी संदेह के कहता हूं कि हमारे पास सबूत हैं।

'योगी आदित्यनाथ का भी नाम लो, तो तुम्हें छोड़ देंगे', मालेगांव ब्लास्ट मामले में शामिल गवाह का बड़ा खुलासा

एजेंसी

मुंबई । मालेगांव ब्लास्ट मामले के गवाह मिलिंद जोशीराव ने खुलासा किया है कि एटीएस के अधिकारी उन पर दबाव बना रहे थे कि योगी आदित्यनाथ का भी नाम लें, ताकि उन्हें गिरफ्तार किया जा सके। जोशीराव ने बताया कि एटीएस उन पर मुख्य रूप से राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के कुछ नेताओं के नाम लेने की बात कह रहा था, जिसमें योगी आदित्यनाथ का भी नाम शामिल था। गवाह मिलिंद जोशीराव के मुताबिक, उन पर योगी आदित्यनाथ, इंद्रेश कुमार, साध्वी, काका जी, असीमानंद और प्रोफेसर देवधर का नाम लेने का दबाव बनाया गया था। उनसे कहा गया था कि अगर इन सभी लोगों का नाम मालेगांव ब्लास्ट मामले में लिया, तो हम उन्हें

निश्चित तौर पर छोड़ दिया जाएगा। जोशीराव ने बताया कि एटीएस अधिकारी लगातार उन पर राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के नेताओं का नाम लेने के लिए मानसिक दबाव बना रहे थे। वो सात दिनों तक एटीएस की हिरासत में रहे, जहां उन्हें अलग-अलग तरह से प्रताड़ित किया गया, ताकि वो उनके मुताबिक अपना बयान दें। वहीं, 'रायगढ़ मीटिंग' को लेकर जोशीराव ने कहा कि उन्हें ऐसी किसी मीटिंग के बारे में जानकारी नहीं है, जहां हिंदुत्ववादी राष्ट्र बनाने की शपथ ली गई हो। इसके अलावा, जोशीराव ने दावा किया कि डीसीपी श्रीराव और एसीपी परमबीर सिंह ने उन्हें धमकी दी, डराया, ताकि वो राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के नेताओं का नाम ले। एटीएस ने अपने बयान में जो बातें कही हैं, उसमें बिल्कुल भी सच्चाई नहीं है। ये एटीएस ने अपनी तरफ से लिखी है।

शिकोहपुर लैंड डील मामलाः रॉबर्ट वाड्रा की बढ़ीं मुश्किलें, ईडी की चार्जशीट पर संज्ञान से पहले कोर्ट का नोटिस

एजेंसी

नई दिल्ली । शिकोहपुर भूमि सौदे से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी के दामाद और व्यवसायी रॉबर्ट वाड्रा की मुश्किलें एक बार फिर बढ़ गई हैं। दिल्ली स्थित राऊज एवेन्यू कोर्ट ने प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की ओर से दाखिल चार्जशीट पर संज्ञान लेने से पहले वाड्रा समेत 11 लोगों को नोटिस जारी किया है। कोर्ट ने कहा है कि चार्जशीट पर विचार करने से पहले संबंधित पक्षों की दलीलें सुनी जाएंगी। अगली सुनवाई 28 अगस्त को तय की गई है। इस दिन वाड्रा की ओर से अपना पक्ष अदालत के समक्ष रखा जाएगा। ईडी ने इस मामले में रॉबर्ट वाड्रा और उनकी कंपनियों के खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग की जांच के बाद 37.64 करोड़ रुपए की 43 संपत्तियों को अटैच किया है। आरोप है कि गुरुग्राम के शिकोहपुर क्षेत्र में साल 2008 में 3.53 एकड़ जमीन

की अवैध तरीके से खरीद की गई। ईडी की चार्जशीट में कहा गया है कि यह अवैध लेन-देन वाड्रा द्वारा नियंत्रित कई कंपनियों के नेटवर्क के माध्यम से किया गया। प्रवर्तन निदेशालय ने अपनी जांच के आधार पर दावा किया है कि वाड्रा की कंपनियों ने शिकोहपुर की जमीन के सौदे में काले धन का प्रयोग किया और उसे वैध बनाने के लिए कंपनियों की श्रृंखला के माध्यम से धन का लेन-देन किया गया। इसी को आधार बनाकर ईडी ने वाड्रा के खिलाफ धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत चार्जशीट दाखिल की है। इससे पहले 18 जुलाई को राऊज एवेन्यू कोर्ट ने ईडी के आरोपपत्र पर संज्ञान लिया था और मामले को सुनवाई के लिए सूचीबद्ध किया था। पीठासीन विशेष न्यायाधीश सुशांत चंगोत्रा ने अदालत के रिकॉर्ड कीपर को सभी संलग्न दस्तावेजों की जांच करने और एक विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत करने का निर्देश दिया था।

यह मामला गुरुग्राम पुलिस द्वारा 2008 में दर्ज की गई एक प्राथमिकी से जुड़ा है, जिसमें आरोप लगाया गया था कि वाड्रा की कंपनी ने गलत घोषणापत्र का इस्तेमाल करके मेसर्स ओंकारेश्वर प्रॉपर्टीज़ प्राइवेट लिमिटेड से 7.5 करोड़ रुपए में जमीन खरीदी थी। कुछ ही साल बाद, सितंबर 2012 में स्काई लाइट हॉस्पिटैलिटी ने वही जमीन रियल एस्टेट की दिग्गज कंपनी डीएलएफ लिमिटेड को 58 करोड़ रुपए में बेच दी, जिससे इस लेन-देन की प्रकृति और वैधता पर गंभीर सवाल उठे।

नेशनल हेराल्ड मामलाः राऊज एवेन्यू कोर्ट में 18 अक्टूबर को अगली सुनवाई

एजेंसी

नई दिल्ली। नेशनल हेराल्ड भ्रष्टाचार मामले में शनिवार को राऊज एवेन्यू कोर्ट में होने वाली सुनवाई टाल दी गई है। इस मामले की अगली सुनवाई अब 18 अक्टूबर को निर्धारित की गई है। यह मामला भाजपा नेता सुब्रमण्यम स्वामी की ओर से दायर एक शिकायत पर आधारित है, जिसमें उन्होंने कांग्रेस नेताओं पर गंभीर आरोप लगाए हैं। स्वामी का आरोप है कि 2 हजार करोड़ रुपए की नेशनल हेराल्ड कंपनी को मात्र

50 लाख रुपए में हासिल किया गया। उन्होंने इसे अवैध और धोखाधड़ी करार दिया है। सुब्रमण्यम स्वामी ने अपनी याचिका में कांग्रेस नेता सोनिया गांधी, राहुल गांधी समेत अन्य वरिष्ठ कांग्रेस नेताओं के खिलाफ आपराधिक मुकदमा चलाने की मांग की है। उन्होंने आरोप लगाया कि इस सौदे के जरिए कांग्रेस पार्टी की सहयोगी कंपनी यंग इंडियन ने नेशनल हेराल्ड की संपत्तियों पर अवैध कब्जा किया। इस मामले में सोनिया गांधी और राहुल गांधी को अदालत से जमानत मिल चुकी है।

कुलगाम के अखल के जंगलों में मुठभेड़ में मारा गया एक आतंकी

कुलगाम। दक्षिण कश्मीर के कुलगाम जिले के अखल के जंगलों में आतंकवादियों के साथ जारी मुठभेड़ में सुरक्षाबलों ने एक आतंकवादी को मार गिराया है। सेना के एक अधिकारी ने कहा कि रात भर रुक-रुक कर और तीव्र गोलीबारी जारी रही। सैनिकों ने जवाबी कार्रवाई में एक आतंकी को मार गिराया। एक्स पर एक पोस्ट में सेना की चिनार कॉर्प्स ने शनिवार सुबह लिखा कि रात भर रुक-रुक कर और तीव्र गोलीबारी जारी रही। सतर्क सैनिकों ने संतुलित गोलीबारी से जवाब दिया और संपर्क बनाए रखते हुए घेराबंदी कड़ी कर दी। पोस्ट में पुष्टि की गई कि सुरक्षा बलों ने अब तक एक आतंकवादी को मार गिराया है।

संत प्रेमानंद महाराज का गला काटने की धमकी

एजेंसी

सतना। वृंदावन के प्रसिद्ध संत प्रेमानंद महाराज को जान से मारने की धमकी देने का मामला सामने आया है। मध्य प्रदेश के सतना जिले के एक युवक ने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर जान से मारने की धमकी दी है। युवक ने फेसबुक पर एक कमेंट के जवाब में टिप्पणी करते हुए संत का गला काटने की बात कही, जो तेजी से वायरल हो गई। रीवा-सतना के श्रद्धालु और सामाजिक संगठनों ने आरोपित युवक पर सख्त कार्रवाई की मांग की है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। दरअसल, संत प्रेमानंद महाराज का एक वीडियो वायरल हुआ है, जिसमें वे युवाओं को मर्यादित आचरण और नैतिक जीवन जीने की सलाह दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि आजकल बायफ्रेंड-गर्लफ्रेंड, ब्रेकअप और पैचअप का चलन बढ़ गया है, जिससे युवा भटक रहे हैं। प्रेमानंद महाराज की नसीहत पर सतना निवासी शत्रुघ्न सिंह ने गुरुवार को पोस्ट कर लिखा कि पूरे समाज की बात है। मेरे घर के बारे में बोलता तो प्रेमानंद होता या कोई और, मैं उसका गला काट देता। यह पोस्ट सोशल मीडिया पर वायरल हो गई। शुक्रवार को इस पर तीखी प्रतिक्रियाएं सामने आने आई।शिवसेना के प्रदेश उपाध्यक्ष विवेक पांडेय ने भी इस पर विरोध जताया। उन्होंने वीडियो जारी

कर कहा कि संत प्रेमानंद महाराज करोड़ों लोगों की आस्था के केंद्र हैं। वर्तमान समय में वे सत्य, आस्था और विश्वास के प्रतीक हैं। लाखों श्रद्धालु उनके दर्शन के लिए लालायित रहते हैं। उन्होंने पुलिस से इस मामले में त्वरित कानूनी कार्रवाई की मांग की है। विश्व हिंदू परिषद के बालकृष्ण द्विवेदी ने कहा कि हमारा संविधान हमें किसी भी वक्तव्य पर असहमति जताने का अधिकार देता है, परंतु किसी संत को जान से मारने की धमकी देना या उनका गला काटने की बात करना पूर्णतः अनुचित और निंदनीय है। उन्होंने कहा कि संतों का अपमान किसी भी परिस्थिति में स्वीकार्य नहीं है, क्योंकि इससे समाज में तनाव का माहौल बनता है और ऐसी घटनाओं पर उचित कार्यवाही की जानी चाहिए।

अकेले सिपाही ने मुठभेड़ के बाद तीन बदमाशों को दबोचा

एजेंसी

नई दिल्ली। दक्षिणी दिल्ली के हौज खास इलाके में बीती रात पुलिस और चोरों के बीच मुठभेड़ हुई। अकेले सिपाही ने मुठभेड़ के बाद तीन कुख्यात चोरों को गिरफ्तार किया। इनमें से एक आरोपित को पुलिस की आत्मरक्षा में चलाई गई गोली लगी है। मुठभेड़ उस समय हुई जब तड़के करीब 4 बजे मालवीय नगर थाने में कार्यरत सिपाही करतार ने संदिग्ध बाइक सवारों को रुकने का इशारा किया, लेकिन वे फरार हो गए। दक्षिणी जिले के डीसीपी अंकित चौहान ने पुलिस मुख्यालय में प्रेस वार्ता कर बताया कि सिपाही करतार सिंह ने संदिग्धों का पीछा करते हुए खेल गांव के पास उन्हें घेर लिया। तभी तीनों आरोपितों ने उस पर लोहे की रॉड से जानलेवा हमला कर दिया। हेलमेट पहनने की वजह से सिपाही की जान बची। इसके बाद उन्होंने पहले चेतावनी दी और जब हमला नहीं रुका तो आत्मरक्षा में गोली चलाई। जिससे एक आरोपित सिकंदर के पैर में गोली लगी। इस बीच खेल गांव के निजी सुरक्षा गार्ड अजय, जीवन, अरुण, विनय और सुब्रतो की मदद से सिपाही ने तीनों आरोपितों को दबोच लिया। मौके से एक चोरी की बाइक और कई घर तोड़ने के औजार बरामद हुए हैं। गिरफ्तार आरोपितों की पहचान सिकंदर (30),दर्शन सिंह और विजेंदर सिंह के रूप में हुई है। जांच में पता चला है कि सिकंदर के ऊपर 14 से अधिक मुकदमे दर्ज हैं और दर्शन पर तीन मुकदमे दर्ज हैं। पुलिस आरोपितों से पूछताछ कर रही है।

चुनाव आयोग ने राहुल गांधी के बयान को बताया बेबुनियाद

नई दिल्ली। चुनाव आयोग ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी के कथित तौर पर धमकी भरे बयान कहा है कि ऐसे बेबुनियाद आरोप रोज-रोज लगाए जा रहे हैं और आयोग इनको नजर अंदाज करता है। उल्लेखनीय है कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने चुनाव आयोग पर वोट चोरी का आरोप लगाया और कहा कि यह संस्था देश के खिलाफ काम कर रही है । उन्होंने यह भी कहा, 'हम आपको (आयोग) छोड़ेंगे नहीं।' राहुल के इस बयान पर चुनाव आयोग के प्रवक्ता ने कहा, चुनाव आयोग रोज़ रोज़ लगाये जा रहे ऐसे बेबुनियाद आरोपों को नज़रअंदाज़ करता है और रोज़ रोज़ दी जा रही धमकियों के बावजूद निष्पक्ष और पारदर्शी तरीक़े से कार्य कर रहे सभी चुनावकर्मियों को ऐसे ग़ैरज़िम्मेदाराना बयानों पर ध्यान न देने के लिये कहता है।

दो ननों की रिहाई को लेकर पी विल्सन ने केंद्रीय मंत्री रिजिजू को सौंपा ज्ञापन

नई दिल्ली। छत्तीसगढ़ में दो कैथोलिक ननों की रिहाई की मांग को लेकर द्रविड़ मुनेत्र कषगम (डीएमके) के सांसद पी विल्सन ने केंद्रीय अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री किरेन रिजिजू को ज्ञापन सौंपा। इसके साथ उन्होंने संसद भवन में केंद्रीय मंत्री अमित शाह से भी मुलाकात की। मुलाकात के बाद मीडिया से बातचीत में विल्सन ने बताया कि कैथोलिक नन की रिहाई की मांग को लेकर केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह और केंद्रीय अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री रिजिजू से मिलकर जनता का विश्वास और संवैधानिक संतुलन बहाल करने को लेकर तत्काल कार्रवाई करने के लिए ज्ञापन सौंपा। विल्सन ने बताया कि उन्होंने अपने ज्ञापन में छत्तीसगढ़ पुलिस द्वारा गिरफ्तार की गयी दो कैथोलिक ननों- सिस्टर प्रीति मैरी और सिस्टर वंदना फ्रांसिस की तत्काल रिहाई सुनिश्चित करने के लिए छत्तीसगढ़ सरकार से हस्तक्षेप करने की मांग की है। इसके साथ भारत के संविधान में प्रासंगिक संशोधन लाकर राष्ट्रीय अल्पसंख्यक आयोग को संवैधानिक दर्जा प्रदान करने की भी मांग की गई है। विल्सन ने बताया कि राष्ट्रीय अल्पसंख्यक आयोग अधिनियम, 1992 में संशोधन, अल्पसंख्यकों पर अत्याचार को एक दंडनीय अपराध घोषित करने और धार्मिक अल्पसंख्यकों की रक्षा करने की भी मांग की गयी है। इसके अलावा राष्ट्रीय अल्पसंख्यक आयोग में अध्यक्ष सहित सभी मौजूदा रिक्तियों को अविलंब भरने की भी मांग की है। उन्होंने बताया कि सरकार की तरफ से उचित कार्रवाई का भरोसा मिला है।

आईपी विश्वविद्यालय के बीएससी (एमआईटी) प्रोग्राम की काउंसलिंग 4 अगस्त को

नई दिल्ली। गुरु गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय के बीएससी (मेडिकल इमेजिंग टेक्नोलॉजी) प्रोग्राम की पहली काउंसलिंग आगामी 4 अगस्त को आयोजित की जाएगी। यह काउंसलिंग ऑफलाइन मोड में विश्वविद्यालय के द्वारका स्थित मुख्य परिसर में संपन्न होगी। विश्वविद्यालय प्रशासन ने बताया कि इस कार्यक्रम (प्रोग्राम कोड 134) में भाग लेने वाले सभी आवेदकों को कुलसचिव के नाम 60 हजार रुपये का बैंक ड्राफ्ट एवं सभी आवश्यक शैक्षणिक और पहचान संबंधी अन्य आवश्यक दस्तावेज साथ लाने होंगे। यह प्रोग्राम उन छात्रों के लिए है, जिन्होंने विश्वविद्यालय की प्रवेश परीक्षा पास की है और इस कोर्स के लिए ऑनलाइन आवेदन किया है। यह पाठ्यक्रम विश्वविद्यालय से संबद्ध दो प्रमुख चिकित्सा संस्थानों होली फैमिली अस्पताल एवं वर्धमान महावीर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में संचालित होता है। इनमें क्रमशः 15 और 12 सीटें उपलब्ध हैं। विश्वविद्यालय ने जानकारी दी है कि यह पाठ्यक्रम पूरी तरह रोजगारोन्मुखी है और इसके सफल समापन के बाद सरकारी एवं निजी स्वास्थ्य क्षेत्रों में छात्रों के लिए अनेक नौकरी के अवसर उपलब्ध हैं।

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने सरकारी विभागों को झुग्गियों को न हटाने का दिया निर्देश

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने रेलवे, दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) सहित सभी सरकारी विभागों को दिल्ली में झुग्गियों को न हटाने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि अगर विकास कार्य आदि को लेकर झुग्गी हटाई भी जाती है, तो उन्हें पहले वैकल्पिक आवास दिया जाएगा।मुख्यमंत्री ने कहा कि राजधानी के बाहरी इलाकों में सालों पहले बने करीब 50 हजार मकानों को संवारकर उन्हें झुग्गी वालों को देने का निर्णय कर लिया गया है। उन्होंने कहा कि जरूरत पड़ी तो दिल्ली सरकार झुग्गी बस्तियों पर बनी नीति में बदलाव करेगी और झुग्गी वालों का आवास बचाने के लिए न्यायालय भी जाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्ली में बसी झुग्गियां देश की राजधानी का एक अनिवार्य अंग हैं। विपक्षी पार्टी ने हमेशा से ही झुग्गी वालों को वोट बैंक की राजनीति में फंसाए रखा है, लेकिन

हमारी सरकार उनको सही मायनों में दिल्ली का निवासी बनाने के लिए लगातार गंभीर प्रयास कर रही है। इसे मुद्दे को लेकर विभिन्न विभागों के साथ लगातार बैठकें आयोजित की जा रही हैं और झुग्गी वालों को स्थायीत्व देने के लिए ठोस निर्णय लिए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि अब राजधानी में कोई भी झुग्गी हटाई नहीं जाएगी। इसके लिए रेलवे, डीडीए सहित सभी संबंधित विभागों को निर्देश जारी कर लिए गए हैं कि दिल्ली में कोई भी झुग्गी हटाई नहीं जाएगी। हमारी सरकार का स्पष्ट मत है कि अगर विकास कार्य या अन्य किसी मसले को लेकर झुग्गी हटेगी तो उसे पहले वैकल्पिक आवास मिलेगा। उन्होंने कहा कि झुग्गी वालों को बचाने के लिए अगर नियमों में बदलाव भी करना पड़ा तो सरकार उससे पीछे नहीं हटेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्ली के बाहरी इलाकों में सालों पहले बने करीब 50 हजार फ्लैट्स को अब गरीबों को दिया जाएगा। इन जर्जर व खाली फ्लैट्स को कुछ साल पहले जवाहरलाल नेहरू राष्ट्रीय शहरी नवीकरण मिशन (जेएनएनयूआरएम) के तहत बनाया गया, लेकिन पूर्व सरकारों ने इनका आवंटन नहीं किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि अब इन फ्लैट्स को पीएमएवाई-यू (प्रधानमंत्री आवास योजना- शहरी) के अंतर्गत झुग्गी वालों का देने का निर्णय ले लिया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि विशेष बात यह है कि जेएनएनयूआरएम के तहत दिल्ली सरकार के दो विभाग (दिल्ली शहरी आश्रय सुधार बोर्ड व दिल्ली राज्य औद्योगिक और बुनियादी ढांचा विकास निगम) को करोड़ों रुपये दिए गए। पिछली सरकारों ने इनका उपयोग ही नहीं किया, जिस कारण यह धनराशि (करीब 732 करोड़ रुपये) वापस केंद्रीय आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय को वापस की जानी थी, लेकिन केंद्र सरकार ने इस राशि को जर्जर फ्लैट्स को संवारने पर रजामंदी दे दी है।

सीवर में गिरा बच्चा खुद निकला बाहर

एजेंसी

नई दिल्ली। दक्षिण पश्चिमी जिले के रजोकरी इलाके में उस वक्त अफरा-तफरी मच गई जब स्थानीय लड़कों ने पुलिस को सूचना दी कि एक बच्चा सीवर में गिर गया है। यह घटना करीब 1:15 बजे की है। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची। स्थानीय पुलिस, दमकल विभाग और अन्य संबंधित एजेंसियों की संयुक्त टीमों ने इलाके में तलाशी अभियान चलाया। देर रात तक चले सर्च ऑपरेशन में सीवर के अंदर बच्चे की तलाश की गई, लेकिन बच्चा नहीं मिला।दक्षिण पश्चिम जिले के डीसीपी अमित गोयल के अनुसार इसके बाद पुलिस ने घटना स्थल और नाले के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज को खंगाला। एक फुटेज में दो बच्चे सीवर के किनारे दौड़ते नजर आए। जिसमें से एक बच्चा अचानक नाले में गिरता दिखाई दिया। कुछ दूरी पर दोनों बच्चों को फिर से दौड़ते और वापस जाते हुए देखा गया, लेकिन यह स्पष्ट नहीं हुआ कि गिरा बच्चा सीवर से कैसे बाहर निकला। आगे जांच में पता चला कुछ दूरी पर सीवर का एक हिस्सा खुला है। जिससे यह संभावना बनी कि बच्चा वहीं से बाहर निकल गया होगा। स्थानीय लोगों से पूछताछ की गई, लेकिन कोई भी उस बच्चे को पहचान नहीं पाई। डीसीपी के अनुसार सुबह बच्चे की पहचान के लिए सीसीटीवी वीडियो को रजोकरी के निवासियों, पास के स्कूलों और आस-पास के थानों को भेजा गया। इसका सकारात्मक असर देखने को मिला। सुबह रजोकरी स्थित एमसीडी के स्कूल की एक शिक्षिका ने फुटेज में दिख रहे बच्चे को पहचाना। शिक्षिका ने बताया कि बच्चा शेरा कॉलोनी, रजोकरी गांव का निवासी है और इसी स्कूल की तीसरी कक्षा का छात्र है।

दिल्ली के सभी जिलों के 55 स्थानों पर 'अभ्यास सुरक्षा चक्र' का आयोजन

नई दिल्ली। दिल्ली आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (डीडीएमए) ने राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीएमए) और अन्य संबंधित विभागों के सहयोग से दिल्ली में भूकंप और रासायनिक खतरों से निपटने के लिए मॉक ड्रिल 'अभ्यास सुरक्षा चक्र' आयोजित किया गया। यह 'अभ्यास सुरक्षा चक्र' दिल्ली के सभी 11 जिलों के 55 स्थानों पर किया गया। दिल्ली में 'अभ्यास सुरक्षा चक्र' सुबह 9:03 बजे एक कृत्रिम भूकंप के साथ शुरू हुआ, जिसके बाद स्कूलों, अस्पतालों, औद्योगिक क्षेत्रों, बाजारों, सरकारी कार्यालयों, मेट्रो बुनियादी ढांचे और संवेदनशील शहरी बस्तियों सहित 55 चिन्हित स्थानों पर प्रतिक्रिया कार्रवाई शुरू हुई। यह मॉक ड्रिल राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीएमए) के नेतृत्व में एक राष्ट्रव्यापी पहल का हिस्सा रहा, जिसका उद्देश्य जटिल, बहु-खतरनाक परिदृश्यों के खिलाफ दिल्ली एनसीआर जैसे शहरी समूहों की तैयारियों का मूल्यांकन करना

रहा। इस 'अभ्यास सुरक्षा चक्र' का उद्देश्य उच्च तीव्रता वाले भूकंप और उसके बाद रासायनिक आपदा की स्थिति में प्रतिक्रिया तंत्र, संचार प्रणालियों और विभिन्न स्थानीय अधिकारियों और आपातकालीन सेवाओं के बीच समन्वय की तैयारी का परीक्षण और सुधार करना था। इस मॉक अभ्यास में दिल्ली पुलिस, अग्निशमन सेवा, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, राजस्व, शिक्षा, दिल्ली जल बोर्ड, दिल्ली नगर निगम, परिवहन, लोक निर्माण विभाग, नागरिक सुरक्षा, होमगार्ड, निजी अस्पताल, आवासीय कल्याण संघ, स्कूल प्राधिकरण, मेट्रो कर्मचारी और बाजार संघों सहित 20 से अधिक विभागों ने भाग लिया। पश्चिम, उत्तर-पूर्व और दक्षिण-पश्चिम दिल्ली में चयनित स्थानों पर औद्योगिक समूहों और गोदामों में रासायनिक आपदा प्रतिक्रिया का अनुकरण किया गया। पांच शामनाथ मार्ग स्थित राज्य आपातकालीन संचालन केंद्र पूरे दिन कार्यरत रहा और लाइव अपडेट, मीडिया रिपोर्ट प्राप्त करता रहा और सभी 11 जिला आपातकालीन संचालन केंद्र के साथ समन्वय किया। वेबकास्टिंग, मोबाइल टीमों और नियंत्रण कक्ष समन्वय के माध्यम से वास्तविक समय में फील्ड रिपोर्ट और स्थिति का आकलन प्राप्त किया गया।

दिल्ली पुलिस ने 142 बिछड़ों को परिवार से मिलाया

एजेंसी

नई दिल्ली । नई दिल्ली। दक्षिण-पश्चिम जिला पुलिस ने ऑपरेशन मिलाप के तहत 61 गुमशुदा/अपहृत बच्चों एवं 81 वयस्कों को सकुशल ढूंढ़ कर उनके परिजनों से मिलाया। दिल्ली पुलिस ने कहा कि प्रत्येक गुमशुदगी की सूचना पर तत्परता से कार्रवाई की गयी। दक्षिण-पश्चिम जिले के पुलिस उपायुक्त अमित गोयल के अनुसार जांच के दौरान सीसीटीवी फुटेज खंगाले गए। ऑटो-रिक्शा स्टैंड, बस अड्डों, रेलवे स्टेशनों पर तस्वीरें दिखाकर पूछताछ की गई। इसके अलावा स्थानीय मुखबिरों व लोगों की मदद ली गई। एक से 31 जुलाई 2025 के बीच पुलिस ने कुल 142 गुमशुदा/अपहृत बच्चों और व्यक्तियों को सकुशल बरामद कर परिवारों से मिलाया है। इस वर्ष जनवरी से जुलाई तक कुल 801 गुमशुदा बच्चे और व्यक्ति (258 नाबालिग व 543 वयस्क) मिलाए जा चुके हैं। गोयल के अनुसार कापसहेड़ा थाना पुलिस ने 8 बच्चे (1 लड़का, 7 लड़कियां) और 15 व्यक्ति (9 पुरुष, 6 महिलाएं) को खोजा। इसके एंटी ह्यूमन ट्रैफिकिंग यूनिट ने 22 बच्चे (4 लड़के, 18 लड़कियां) व 1 महिला को खोजा, इसी क्रम में सागरपुर थाना पुलिस 9

बच्चे (6 लड़के, 3 लड़कियां) और 9 व्यक्ति (5 पुरुष, 4 महिलाएं), पालम गांव थाना पुलिस ने 3 बच्चे (1 लड़का, 2 लड़कियां) और 15 व्यक्ति (6 पुरुष, 9 महिलाएं), वसंत कुंज साउथ थाना पुलिस ने 7 बच्चे (2 लड़के, 5 लड़कियां) व 10 व्यक्ति (2 पुरुष, 8 महिलाएं), दिल्ली कैंट थाना पुलिस ने 1 नाबालिग लड़की और 9 व्यक्ति (4 पुरुष, 5 महिलाएं), किशनगढ़ थाना पुलिस ने 6 बच्चे (5 लड़के, 1 लड़की) व 3 व्यक्ति (2 पुरुष, 1 महिला), वसंत कुंज नॉर्थ थाना पुलिस ने 1 नाबालिग लड़का व 5 व्यक्ति (3 पुरुष, 2 महिलाएं), आरके पुरम थाना पुलिस ने 5 व्यक्ति (4 पुरुष, 1 महिला), सफदरजंग एन्क्लेव थाना पुलिस ने 4 व्यक्ति (3 पुरुष, 1 महिला), वसंत विहार थाना पुलिस ने 3 व्यक्ति (1 पुरुष, 2 महिलाएं), सरोजनी नगर थाना पुलिस ने 2 बच्चे (1 लड़का, 1 लड़की) व 2 पुरुष व्यक्ति और साउथ कैंपस थाना पुलिस ने 1 नाबालिग लड़का व 1 महिला सकुशल परिजनों से मिलाया है।

दिल्ली के सभी विभागों के लिए नया एकीकृत सचिवालय बनाया जाएगा : रेखा गुप्ता

एजेंसी

नई दिल्ली। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कश्मीरी गेट स्थित महिला एवं बाल विकास विभाग परिसर से 'दिल्ली को कूड़े से आजादी' अभियान की शुरुआत करते हुए कार्यालय की जर्जर स्थिति पर गहरी नाराजगी जताई और कहा कि यहां की हालत देखकर वह बेहद व्यथित हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि अब समय आ गया है जब दिल्ली के सभी विभागों के लिए एक नया, सुव्यवस्थित और एकीकृत सचिवालय बनाया जाए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि यह सोचकर आश्चर्य होता है कि जिन अधिकारियों पर दिल्ली की सुशासन व्यवस्था की जिम्मेदारी है, वे खुद इतनी बदहाल स्थिति में कैसे प्रभावी ढंग से काम कर सकते हैं ? उन्होंने कहा कि कार्यालय की छतों से पानी

टपक रहा है, फर्नीचर जर्जर है, अलमारियां टूटी हुई हैं और पंखे किसी भी समय गिर सकते हैं। मुख्यमंत्री ने इस बात पर चिंता जताई कि जिस बिल्डिंग में 2021 में आग लग चुकी है, वहां आज तक पूरी तरह मरम्मत तक नहीं हुई। उन्होंने कहा कि क्या हम अपने अधिकारियों को जान जोखिम में डालकर काम करने को मजबूर कर रहे हैं? मुख्यमंत्री ने पूर्ववर्ती सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि जो खुद को 'पढ़ी-लिखी सरकार' कहते थे, वे अपने लिए आलीशान भवन बनाने में लगे रहे। लेकिन अधिकारियों के कामकाज के लिए जरूरी बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध नहीं करा सके।मुख्यमंत्री ने तंज कसते हुए कहा कि अपने कार्यालय पर 70 करोड़ रुपये खर्च करने वालों ने इन विभागों पर दो-चार करोड़ रुपये भी नहीं लगाए। उन्होंने कहा कि अब समय आ गया है जब दिल्ली के सभी विभागों के लिए एक नया, सुव्यवस्थित और एकीकृत सचिवालय बनाया जाए। हम आज से ही इस दिशा में कदम उठाएंगे, उपयुक्त स्थान की पहचान की जाएगी जहां नया दिल्ली सचिवालय स्थापित हो सके और सभी विभाग एक ही छत के नीचे कार्य कर सकें। मुख्यमंत्री के अनुसार हम अपने अधिकारियों को अब इस तरह की दयनीय परिस्थितियों में काम करने के लिए नहीं छोड़ सकते।

मां-शिशु के बीच जीवनदायी संबंध को सशक्त बनाने का संकल्प है स्तनपान सप्ताहः अन्नपूर्णा

नई दिल्ली। केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्रालय विश्व स्तनपान सप्ताह के अवसर पर आज से 07 अगस्त तक स्तनपान सप्ताह मना रहा है।महिला एवं बाल विकास मंत्री अन्नपूर्णा देवी ने अपने संदेश में कहा कि विश्व स्तनपान सप्ताह केवल एक स्वास्थ्य अभियान नहीं, बल्कि मां और शिशु के बीच जीवनदायी संबंध को सशक्त बनाने का संकल्प है। स्तनपान सप्ताह का उद्देश्य बाल पोषण में सुधार एवं शिशु के विकास को बढाने तथा मां के दूध के महत्व के प्रति जागरूक करना है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में मातृ वंदना योजना, जननी सुरक्षा योजना और पोषण अभियान जैसी पहलें मातृत्व को सुरक्षा, सम्मान और शक्ति प्रदान कर रही हैं। आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं और आशा बहनों के सतत प्रयासों के साथ-साथ पोषण ट्रैकर जैसे डिजिटल टूल्स माताओं को अधिक जागरूक, समर्थ और स्वास्थ्य-साक्षर बना रहे हैं।विश्व स्तनपान सप्ताह हर साल अगस्त के पहले सप्ताह में मनाया जाता है। विश्व स्तनपान सप्ताह 2025 की थीम- 'स्तनपान को प्राथमिकता दें- स्थायी सहायता प्रणालियों का निर्माण करें' है।

अमेरिका की टैरिफ धमकियों को भारत ने किया नजरअंदाज, कहा- हमारा ध्यान ठोस एजेंडे पर

एजेंसी

नई दिल्ली । भारत ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की टैरिफ बढ़ोतरी की धमकियों के संदर्भ में कहा कि दोनों देशों के बीच साझा हितों पर आधारित वैश्विक रणनीतिक साझेदारी है। हमारा ध्यान द्विपक्षीय संबंधों के ठोस एजेंडे पर केन्द्रित है। हमें विश्वास है कि यह रिश्ते आगे बढ़ते रहेंगे। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने अमेरिकी राष्ट्रपति के बदलते हुए तेवर को ज्यादा तूल नहीं देते हुए साप्ताहिक पत्रकार वार्ता में उक्त बयान दिया। उन्होंने कहा कि भारत-अमेरिका संबंध साझा हितों, लोकतांत्रिक मूल्यों और दोनों देशों की जनता के मेल-मिलाप पर आधारित हैं। यह एक वैश्विक रणनीतिक साझेदारी है, जिसने विगत वर्षों में अनेक बदलाव और चुनौतियों का सामना किया है।

उन्होंने कहा कि भारत-अमेरिका द्विपक्षीय संबंध ठोस एजेंडे पर केन्द्रित हैं तथा हमारा विश्वास है कि इन संबंधों में आगे विकास होता रहेगा। भारत-रूस संबंधों के बारे में राष्ट्रपति ट्रम्प की आपत्तियों को दरकिनार करते हुए प्रवक्ता ने कहा कि किसी भी देश के साथ हमारे संबंध आपसी हितों पर आधारित हैं तथा इन्हें किसी तीसरे देश (रूस)

के नजरिए से नहीं देखा जाना चाहिए। उल्लेखनीय है कि अमेरिकी राष्ट्रपति ने भारत के रूस से कच्चा तेल खरीदे जाने पर ऐतराज जताया था तथा आयात शुल्क वृद्धि और अतिरिक्त पेनल्टी लगाने की चेतावनी दी थी। भारत-रूस संबंधों पर प्रवक्ता ने कहा कि दोनों देशों की साझेदारी स्थिर है तथा समय की कसौटी पर खरी उतरी है। अमेरिका की चेतावनी का सीधे रूप से उल्लेख न करते हुए प्रवक्ता ने कहा कि भारत की ऊर्जा आवश्यकताओं के संबंध में हमारा दृष्टिकोण जग जाहिर है। हम बाजार में उपलब्ध संसाधन और अंतरराष्ट्रीय स्थिति पर नजर रखते हैं। भारत की सरकारी तेल कंपनियों ने रूस से तेल खरीदे जाने पर फिलहाल विराम लगाने संबंधी मीडिया रिपोर्टों पर टिप्पणी करते हुए प्रवक्ता ने कहा कि हमें इस मामले में कोई विशेष जानकारी नहीं है। वहीं अमेरिका की ओर से ईरान से तेल खरीदने वाली कुछ भारतीय कंपनियों पर प्रतिबंध लगाए जाने के बारे में पूछे जाने पर प्रवक्ता ने कहा कि इन रिपोर्टों पर हमने गौर किया है। अमेरिका के साथ मजबूत रक्षा संबंधों की बात करते हुए प्रवक्ता ने रूस के साथ रक्षा संबंधों के महत्व को रेखांकित किया। उन्होंने कहा, हमारी रक्षा आवश्यकताओं का स्रोत पूरी तरह से हमारी राष्ट्रीय सुरक्षा अनिवार्यताओं और रणनीतिक आकलन द्वारा निर्धारित होता है।

केंद्रीय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल तीन को दिल्ली विस में सौर ऊर्जा संयंत्र और ई-विधान एप्लिकेशन का करेंगे उद्घाटन

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल तीन अगस्त को दिल्ली विधानसभा परिसर में 500 किलोवाट क्षमता वाले सौर ऊर्जा संयंत्र और ई-विधान एप्लिकेशन (पेपरलेस विधानसभा प्रणाली) का उद्घाटन विधानसभा परिसर में करेंगे। इस कार्यक्रम के अंतर्गत नेशनल ई-विधान एप्लिकेशन (नेवा) का एक ट्रायल रन भी आयोजित किया जाएगा, जिसमें सभी विधायक डिजिटल प्लेटफॉर्म की कार्यप्रणाली का प्रत्यक्ष अनुभव प्राप्त करेंगे। यह जानकारी एक विज्ञप्ति जारी करके दी गई। उद्घाटन के समय दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता, विधानसभा के उपाध्यक्ष मोहन सिंह बिष्ट, लोक निर्माण विभाग के मंत्री प्रवेश साहिब सिंह और ऊर्जा मंत्री आशीष सूद मौजूद रहेंगे। विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने बताया कि औपचारिक उद्घाटन से पूर्व विधानसभा कक्ष में नेवा प्लेटफॉर्म का ट्रायल रन आयोजित किया जाएगा। सभी सदस्य इस डिजिटल अभ्यास में भाग लेंगे और इस प्लेटफॉर्म की विशेषताओं और इंटरफेस का प्रत्यक्ष अनुभव प्राप्त करेंगे। उन्होंने कहा कि यह व्यावहारिक सहभागिता इस तरह से योजनाबद्ध की गई है। अध्यक्ष ने विधानसभा कक्ष का दौरा कर अधिकारियों से बातचीत की और सत्र की तैयारियों की समीक्षा की। उन्होंने बताया कि दिल्ली विधानसभा आगामी मानसून सत्र 4 अगस्त से पूरी तरह नेवा प्लेटफॉर्म पर कार्य करेगी। यह बदलाव पारदर्शी, पर्यावरण-अनुकूल और समय की बचत करने वाली विधायी कार्यप्रणाली की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम होगा, जो कागज-आधारित प्रक्रियाओं पर निर्भरता को समाप्त करेगा। गुप्ता ने कहा कि स्वच्छ ऊर्जा और डिजिटल शासन के एकीकरण के माध्यम से विधानसभा न केवल अपने कार्य को आधुनिक बना रही है, बल्कि अन्य विधायी संस्थाओं के लिए एक राष्ट्रीय मानक भी स्थापित कर रही है।

लेफ्टिनेंट जनरल पुष्पेंद्र सिंह ने उप सेना प्रमुख का कार्यभार संभाला

एजेंसी

नई दिल्ली। लेफ्टिनेंट जनरल पुष्पेंद्र सिंह ने उप सेना प्रमुख (वीसीओएएस) का कार्यभार संभाल लिया। उन्हें यह नियुक्ति निवर्तमान उप सेना प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल एनएस राजा सुब्रमणि की 39 वर्षों की सेवा के बाद सेवानिवृत्त होने पर मिली है। नए वीसीओएएस ने आज राष्ट्रीय युद्ध स्मारक पर पुष्पांजलि अर्पित करके राष्ट्र की सेवा में सर्वोच्च बलिदान देने वाले वीरों को श्रद्धांजलि दी। इसके बाद साउथ ब्लॉक लॉन में उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। लेफ्टिनेंट जनरल पुष्पेंद्र सिंह ने आज भारतीय सेना के उप सेना प्रमुख का पदभार ग्रहण किया। इसके बाद उन्होंने वीर नारियों और उन बहादुरों के परिवार के सदस्यों के साथ नई दिल्ली स्थित राष्ट्रीय युद्ध स्मारक पर पुष्पांजलि अर्पित करके श्रद्धांजलि अर्पित की, जिन्होंने 22 जुलाई, 1989 को श्रीलंका में ऑपरेशन पवन में एक साहसिक आतंकवाद-रोधी अभियान के दौरान उनकी कमान में लड़ाई लड़ी थी। उस समय युवा द्वितीय लेफ्टिनेंट के रूप में उप-सेना प्रमुख ने 13 सदस्यीय त्वरित प्रतिक्रिया दल का नेतृत्व किया था। उस समय उन्होंने एक जवाबी हमले का नेतृत्व किया, जिसमें चार लिट्टे आतंकवादियों को मार गिराया

गया और कई अन्य घायल हो गए।इस हमले में पांच बहादुर सैनिकों ने सर्वोच्च बलिदान दिया था। एक स्मारक कार्यक्रम में उप-सेना प्रमुख ने साउथ ब्लॉक में सलामी गारद का निरीक्षण किया। नए उप सेना प्रमुख को लेबनान और श्रीलंका में संयुक्त राष्ट्र शांति मिशनों में विदेशी युद्ध का अनुभव है। जनरल ऑफिसर सेना मुख्यालय में महानिदेशक, ऑपरेशनल लॉजिस्टिक्स एवं स्ट्रैटेजिक मूवमेंट के पद पर कार्यरत थे। जनरल ऑफिसर को दिसंबर, 1987 में पैराशूट रेजिमेंट (विशेष बल) की चौथी बटालियन में कमीशन मिला था। वे ला मार्टिनियर कॉलेज, लखनऊ, लखनऊ विश्वविद्यालय और प्रतिष्ठित भारतीय सैन्य अकादमी, देहरादून के पूर्व छात्र हैं। जनरल ऑफिसर ने तीन दशकों से भी अधिक के शानदार करियर के साथ 'ऑपरेशन पवन', 'ऑपरेशन मेघदूत', 'ऑपरेशन ऑर्किड' और 'ऑपरेशन रक्षक' में कई बार सेवा की है।

कांग्रेस संवैधानिक चुनौतियों पर कल करेगी राष्ट्रीय कानूनी सम्मेलन का आयोजन

एजेंसी

नई दिल्ली। कांग्रेस कल दिल्ली के विज्ञान भवन में राष्ट्रीय कानूनी सम्मेलन का आयोजन करेगी। सम्मेलन का विषय 'संवैधानिक चुनौतियां :परिप्रेक्ष्य और मार्ग' है। अखिल भारतीय कांग्रेस समिति के कानून, मानवाधिकार और आरटीआई विभाग के अध्यक्ष डॉ अभिषेक मनु सिंघवी ने शुक्रवार को पत्रकार वार्ता में इसकी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इसमें पांच सेशन होंगे। सम्मेलन का कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे उद्घाटन करेंगे और इस दौरान कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी भी मौजूद रहेंगे और अपना वक्तव्य देंगे। उन्होंने बताया कि सम्मेलन में पांच सत्र होंगे। इन सत्रों के विषय इस प्रकार हैं- संवैधानिक चुनौतियांः दृष्टिकोण और रास्ते, सामाजिक न्याय और संविधान- समानता और बंधुत्व के विचार, धर्म और संविधान- सुरक्षा और दिशानिर्देश, शक्तियों का पृथक्करण और

लोकतांत्रिक जवाबदेही, संवैधानिक दिशा- कांग्रेस की लोकतांत्रिक भारत के प्रति स्थायी प्रतिबद्धता। उन्होंने कि कार्यक्रम के उद्घाटन के बाद हमारे मुख्यमंत्री भी अलग-अलग सत्रों में अपनी बात रखेंगे। इसके अलावा सांसद (लोकसभा, राज्यसभा), पार्टी से जुड़े पदाधिकारी भी अपनी बात रखेंगे। सिंघवी ने कहा, भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का विधि विभाग हमारे संविधान में निहित मूल्यों को अक्षुण्ण रखने और उनकी रक्षा करने की अपनी प्रतिबद्धता पर अडिग है। हमारा मानना है कि यह सम्मेलन उन सभी लोगों के संकल्प को मजबूत करने में एक सार्थक कदम होगा जो भारत की एक लोकतांत्रिक, बहुलवादी, समावेशी और संवैधानिक गणराज्य की अवधारणा में विश्वास करते हैं। उन्होंने बताया कि देश के प्रत्येक राज्य और केंद्रशासित प्रदेश का प्रतिनिधित्व करने वाले वकीलों के प्रतिनिधिमंडलों की इसमें भागीदारी होगी।

संपादकीय

मित्रताः रिश्तों की आत्मा और संवेदना की जीवंत सरिता

मित्रता वह रिश्ता है, जो न रक्त से बंधा होता है, न किसी सामाजिक अनुबंध से, फिर भी यह जीवन का सबसे आत्मीय और मजबूत संबंध होता है। दोस्ती वह भूमि है जहां प्रेम, विश्वास, अपनत्व, समर्पण और संवेदना एक साथ अंकुरित होते हैं। इसी दुर्लभ और विशुद्ध भाव को सम्मान देने के लिए हर वर्ष अगस्त माह के प्रथम रविवार को अंतरराष्ट्रीय मित्रता दिवस मनाया जाता है। मित्रता दिवस का यह दिन केवल औपचारिकता नहीं है, बल्कि वह अवसर है जो रिश्तों की आत्मा को पुनः जागृत करने, टूटते संबंधों को जोड़ने और नफरत की दीवारों के बीच मैत्री के पुल बनाने का निमित्त बनता है। यह दिन एक सार्थक प्रयास है, अपने जीवन की भागदौड़ में उस रिश्ते को याद करने का, जिसने हर मोड़ पर हमें संबल दिया, हौसला दिया और मुस्कुराने की वजह दी।

दुनिया के अधिकांश रिश्ते सामाजिक, पारिवारिक या व्यावसायिक जरूरतों से बने होते हैं, लेकिन मित्रता केवल मानवीयता, करुणा और स्नेह की भावना से जन्म लेती है। इसमें न कोई स्वार्थ होता है, न औपचारिकता, न ही प्रदर्शन। यही कारण है कि श्रीकृष्ण-सुदामा, श्रीराम-विभीषण, गांधी-नेहरू जैसे रिश्ते युगों तक मिसाल बनते हैं। जोसेफ फोर्ट न्यूटन ने कहा है-ह्ललोग इसलिए अकेले होते हैं क्योंकि वे मित्रता के पुल बनाने की बजाय दुश्मनी की दीवारें खड़ी कर लेते हैं।ह्व आज यही सबसे बड़ा संकट है-मनुष्यता की गिरती दीवारें, रिश्तों की सूखती जमीन, और आत्मीयता की मरती हुई पुकार। एक बड़ा सवाल है कि क्यों सूख रही है रिश्तों की मिट्टी? आज हम तकनीकी रूप से जितने जुड़ चुके हैं, भावनात्मक रूप से उतने ही दूर हो गए हैं। मोबाइल, सोशल मीडिया, आभासी दुनिया ने संवाद को बढ़ाया है पर संपर्क को नहीं, क्योंकि आत्मा से जुड़ाव संवाद से नहीं, संवेदना से होता है।

नयी सभ्यता और उपभोक्तावाद के इस दौर में हर रिश्ता लाभ और हानि की तुला पर तौला जाता है। यही कारण है कि वैचारिक मतभेदों से मनभेद, प्रतिस्पर्धा से विरक्ति, और स्वार्थ से संवेदनहीनता जन्म ले रही है। ऐसे समय में दोस्ती ही एकमात्र ऐसा रिश्ता है जो इन सभी दीवारों को गिरा सकता है। यह केवल रिश्ता नहीं बल्कि एक मनःस्थिति, एक दृष्टिकोण, एक आध्यात्मिक अनुभव है। जहां यह पर्व दक्षिण अमेरिकी देशों में 20 और 30 जुलाई को मनाया जाता है, वहीं भारत, मलेशिया, बांग्लादेश जैसे देशों में यह अगस्त के पहले रविवार को धूमधाम से मनाया जाता है। युवाओं के लिए यह केवल गिफ्ट, सेल्फी और चॉकलेट तक सीमित रह गया है, जबकि इसकी मूल आत्मा है, एक-दूसरे की भावनाओं को समझना, स्वीकार करना और निभाना।

विश्व मित्रता दिवस मनाते हुए एक प्रश्न उभरता है कि दोस्ती एवं मित्रता की इतनी आदर्श स्थिति एवं महत्ता होते हुए भी आज मनुष्य-मनुष्य के बीच मैत्री भाव का इतना अभाव क्यों है? क्यों है इतना पारस्परिक दुराव? क्यों है वैचारिक वैमनस्य? क्यों मतभेद के साथ जनमता मनभेद? ज्ञानी, विवेकी, समझदार होने के बाद भी आए दिन मनुष्य क्यों लड़ता झगड़ता है। विवादों के बीच उलझा हुआ तनावग्रस्त क्यों खड़ा रहता है। न वह विवेक की आंख से देखता है, न तटस्थता और संतुलन के साथ सुनता है, न सापेक्षता से सोचता और निर्णय लेता है। यही वजह है कि वैयक्तिक रचनात्मकता समाप्त हो रही है। पारिवारिक सहयोगिता और सहभागिता की भावनाएं टूट रही हैं। सामाजिक बिखराव सामने आ रहा है। धार्मिक आस्थाएं कमजोर पड़ने लगी हैं। आदमी स्वकृत धारणाओं को पकड़े हुए शब्दों की कैद में स्वार्थों की जंजीरों की कड़ियां गिनता रह गया है। ऐसे समय में दोस्ती का बंधन रिश्तों में नयी ऊर्जा का संचार करता है।

दुनिया बदल गई, तौर-तरीके बदल गए, पर दोस्ती की आत्मा आज भी वैसी ही है, शुद्ध, निस्वार्थ और जीवनदायिनी। श्रीकृष्ण और सुदामा की पवित्र मित्रता आज भी यह सिखाती है कि सच्चे दोस्त का मूल्य धन से नहीं, हृदय की आत्मीयता से आंका जाता है। श्रीराम और विभीषण की दोस्ती यह प्रमाण है कि विचारों की भिन्नता के बावजूद दिलों का मेल मित्रता को अमर बना देता है। आज जब रिश्ते स्वार्थों की चौखट पर सिर झुका रहे हैं, तब भी दोस्ती वह रिश्ता है जो बिना किसी अपेक्षा के जीवन को अर्थ देता है। आज की क्षणिक, स्वार्थ पर टिकी दोस्तियां जब टूटती हैं तो व्यक्ति भीतर से बिखर जाता है। तभी किसी विचारक ने कहा था-पहले प्रार्थना करते थे- हे प्रभु! दुश्मनों से बचाना, अब कहना पड़ता है, हे ईश्वर! दोस्तों से बचाना। क्योंकि अब दोस्ती भी छल-कपट का आवरण ओढ़ चुकी है। जबकि आधुनिक समय में सच्चे मित्र सचमुच जीवन की बांसुरी में बसी आत्माओं के समान अनमोल है। मित्र वही जो जीवन के हर रंग में साथ दे, अंधेरे में दीपक की तरह और उजाले में छांव की तरह। ऐसे मित्र दुर्लभ होते हैं, लेकिन यदि जीवन में एक भी सच्चा मित्र हो तो वह संपत्ति, शक्ति और सुखों से बढ़कर होता है। आचार्य तुलसी ने मित्रता के लिए जो सात सूत्र दिए, वे आज पहले से अधिक प्रासंगिक हैं-विश्वास, स्वार्थ-त्याग, अनासक्ति, सहिष्णुता, क्षमा, अभय और समन्वय। ये सात सूत्र दोस्ती को सतही नहीं बल्कि आध्यात्मिक ऊंचाई प्रदान करते हैं। ये न केवल मित्रता को टिकाऊ बनाते हैं, बल्कि जीवन को भी सकारात्मक दिशा में मोड़ते हैं। दोस्ती के पांच मूलमंत्र हैं-एक-दूसरे की कमियों और अच्छाइयों को बिना शर्त स्वीकार करें। भावनाओं का सम्मान करें और समय दें। रिश्ता हल्का, सहज और मुस्कराहटों से भरपूर हो। पारदर्शिता, ईमानदारी और भरोसे को केंद्र में रखें। दोस्ती को निभाना सीखें, सिर्फ जताना नहीं। इन सूत्रों को अपनाकर हम मित्रता को सिर्फ एक दिवस की औपचारिकता नहीं, बल्कि जीवन की जीवन्तता बना सकते हैं। इसीलिये यदि आज भी कोई रिश्ता है जो समय, दूरी और मतभेद की सीमाएं लांघ सकता है, तो वह सिर्फ दोस्ती है-नवीन युग की पुरातन धरोहर। विचार-भेद तो स्वस्थ समाज की निशानी हैं, लेकिन मन-भेद समाज को भीतर से खोखला कर देते हैं। क्रांति विचार-भेद से आती है, जबकि विद्रोह मन-भेद से। इसलिए मित्रता केवल भावनाओं की साझा जमीन नहीं, सामाजिक क्रांति की प्रयोगशाला भी बन सकती है। इसीलिये चलो एक बार फिर दोस्त बनें अभियान का सूत्रपात करते हुए जीवन को मुस्कान से भरे। इसके लिये मित्रता दिवस केवल एक संदेश नहीं देता, बल्कि एक पुकार है, जीवन को फिर से रंगीन, मधुर और अर्थपूर्ण बनाने की। दोस्ती का यह दिवस आमंत्रित कर रहा है अपनी ओर, बांहें फैलाये हुए, हमें बिना कुछ सोचे, ठिठके बगैर, भागकर दोस्ती की पगडंडी को पकड़ लेने के लिये। जीवन रंग-बिरंगा है, यह श्वेत है और श्याम भी। दोस्ती की यही सरगम कभी कानों में जीवनराग बनकर घुलती है तो कहीं उठता है संशय का शोर। दोस्ती को मजबूत बनाता है हमारा संकल्प, हमारी जिजीविषा, हमारी संवेदना लेकिन उसके लिये चाहिए समर्पण एवं अपनत्व की गर्माहट। यह जीना सिखाता है, जीवन को रंग-बिरंगी शक्ल देता है। प्रेरणा देता है कि ऐसे जिओ कि खुद के पार चले जाओ। ऐसा कर सके तो हर अहसास, हर कदम और हर लम्हा खूबसूरत होगा और साथ-साथ सुन्दर हो जायेगी जिन्दगी। हेलेन केलर ने ठीक ही कहा था-ह्लमैं उजाले में अकेले चलने के बजाय अंधेरे में एक सच्चे दोस्त के साथ चलना पसंद करूंगी।ह्व इसलिए आइए, इस दिन एक संकल्प लें-कि हम दोस्ती को केवल सोशल मीडिया की पोस्ट नहीं, बल्कि दिल की सच्ची अनुभूति बनाएंगे। हम मित्रता को उपहारों से नहीं, समर्पण, सहयोग और संवेदना से सजायेंगे। क्योंकि दोस्ती ही वह जादुई संवेदना है जो जीवन को भीतर से रोशन करती है, और हमारे अस्तित्व को एक नई परिभाषा देती है। पुरातन काल में जहाँ मित्र धर्म निभाना जीवन-मूल्य था, आज वह धर्म हमारी संवेदनाओं की अंतिम आशा बन गया है। मित्रता अब एक दिन का उत्सव नहीं, जीवन की जरूरत है.

मालेगांव विस्फोट एवं भगवा पर कलंक की साजिश

29 सितंबर 2008 को मालेगांव में हुए बम विस्फोट की न्यायिक परिणति ने एक बार फिर यह सिद्ध किया है कि कैसे सत्ता, वोटबैंक और वैचारिक पूर्वाग्रहों ने भारतीय न्याय और निष्पक्षता की नींव को झकझोर दिया। मुंबई की एनआईए कोर्ट द्वारा सातों आरोपियों-प्रज्ञा सिंह ठाकुर, लेफ्टिनेंट कर्नल प्रसाद पुरोहित सहित को सबूतों के अभाव में बरी कर देना न केवल कानूनी दृष्टि से एक महत्वपूर्ण फैसला है, बल्कि यह उस ह्लभगवा आतंकवादह्व की मिथ्या कथा पर भी करारा प्रहार है जिसे वर्षों तक कांग्रेस ने राजनीतिक मंचों और मीडिया के जरिए प्रचारित किया गया। यह कांग्रेस की फर्जी कहानी का अंत एवं सत्य की जीत का एक अमूल्य आलेख है। अदालत का यह वक्तव्य कि आतंकवाद का कोई धर्म नहीं होता, कोई भी धर्म हिंसा का समर्थन नहीं कर सकता, भारतीय संस्कृति और न्यायशास्त्र की मूल आत्मा को पुनः जीवित करता है। यह वही भारत है जहां सर्वे भवन्तु सुखिनः और अहिंसा परमो धर्मः की गूंज होती रही है, लेकिन दुर्भाग्यवश 2008 के बाद हिंदू धर्म, हिंदुत्व और भगवा पर ऐसा कलंक मढ़ा गया मानो वे आतंकवाद के स्त्रोत हों। मालेगांव विस्फोट मामले में एनआइए की विशेष अदालत उस नतीजे पर पहुंची, जिस पर बांबे हाई कोर्ट ट्रेन विस्फोट कांड की सुनवाई करते हुए पहुंचा था। ऐसा कई आतंकी घटनाओं के मामलों में हो चुका है। इससे यही पता चलता है कि कभी जांच एजेंसियां, कभी अदालतें और कभी दोनों अपना काम सही तरह और समय पर नहीं करतीं। जांच और फिर अदालती कार्यवाही में देरी तथा ढिलाई एक बड़ा रोग है। आतंक के मामलों की जांच में यह भी कोई दबी-छिपी बात नहीं कि संकीर्ण राजनीतिक स्वार्थ, मुस्लिम तुष्टिकरण एवं वोट बैंक बाधा बनते हैं। आतंकी घटनाओं को राजनीतिक रंग दिया जाता है। मालेगांव विस्फोट कांड में प्रज्ञा ठाकुर, सुधाकर द्विवेदी आदि की गिरफ्तारी के आधार पर हिंदू और भगवा आतंक का जुमला उछाला गया। इसका मकसद कथित भगवा आतंक को जिहादी आतंक जैसा बताना था। यह हिंदू ही नहीं, देश विरोधी साजिश थी। इसका लाभ पाकिस्तान को मिला, क्योंकि कांग्रेस के कई नेताओं ने समझौता एक्सप्रेस कांड पर भी एजेंसियों के सहारे भगवा आतंक की फर्जी कहानी गढ़ी।

भगवा आतंकवाद शब्द का पहली बार प्रयोग उस समय के कुछ कांग्रेसी नेताओं ने किया, जिनका उद्देश्य स्पष्ट था, वोटबैंक की तुष्टिकरण नीति, मुस्लिम समाज को डराकर एकतरफा ध्रूवीकरण और हिंदू संगठन व सनातन मूल्यों को कलंकित करना। इसका परिणाम हुआ कि वर्षों तक निर्दोष लोग जेल में सड़ते रहे। साध्वी प्रज्ञासिंह ठाकुर को एक संन्यासी जीवन से घसीट कर हिरासत में लिया गया, प्रताड़ित किया गया और उनके आध्यात्मिक जीवन को ध्वस्त कर दिया गया। सवाल यह है कि जब सबूत नहीं थे, तब उन्हें जेल में रखने की जरूरत क्यों पड़ी? क्यों जांच एजेंसियों ने बेसिर-पैर की कहानियों को सच मान लिया? क्यों मीडिया ने बिना परीक्षण के हिंदू आतंकवाद की ब्रेकिंग न्यूज चला दी? यह वही मानसिकता थी जो आतंकवाद को धर्म से जोड़कर एक खास समुदाय को डराने और एक संप्रदाय को बदनाम करने में लगी थी। यह कांग्रेस का एक षडयंत्र एवं साजिश थी जो अब पदार्पाश हो गयी है। कांग्रेस शासित प्रांत में सत्ता का जमकर दुरुपयोग किया गया।

मुंबई से लगभग 200 किलोमीटर दूर मालेगांव शहर में एक मस्जिद के पास एक मोटरसाइकिल पर बंधे विस्फोटक उपकरण में विस्फोट होने से छह लोगों की मौत हो गई थी। धमाके में 100 से अधिक घायल हुए थे। न्यायाधीश ने फैसला पढ़ते हुए कहा कि मामले को संदेह से परे साबित करने के लिए कोई विश्वसनीय और ठोस सबूत नहीं है। मामले में गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम (यूएपीए) के प्रावधान लागू नहीं होते। कोर्ट ने यह भी कहा कि यह साबित नहीं हुआ है कि विस्फोट में इस्तेमाल की गई मोटरसाइकिल प्रज्ञा ठाकुर के नाम पर पंजीकृत थी, जैसा कि अभियोजन पक्ष ने दावा किया है। यह भी साबित नहीं हुआ है कि विस्फोट कथित तौर पर बाइक पर लगाए गए बम से हुआ था। कोर्ट ने कहा, श्रीकांत प्रसाद पुरोहित के आवास में विस्फोटकों के भंडारण या संयोजन का कोई सबूत नहीं मिला। अभियोजन पक्ष यह साबित नहीं कर सका कि विस्फोट से ठीक पहले वह साध्वी प्रज्ञा के पास थी।

इससे पहले सुबह सातों आरोपी दक्षिण मुंबई स्थित सत्र न्यायालय पहुंचे, जहां कड़ी सुरक्षा व्यवस्था की गई थी। आरोपी जमानत पर बाहर थे। मामले के आरोपियों में प्रज्ञा ठाकुर, पुरोहित, मेजर (सेवानिवृत्त) रमेश उपाध्याय, अजय राहिरकर, सुधाकर द्विवेदी, सुधाकर चतुर्वेदी और समीर कुलकर्णी शामिल थे। उन सभी पर यूएपीए और भारतीय दंड संहिता तथा शस्त्र अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत आतंकवादी कृत्य करने का आरोप लगाया गया था। इस पूरे प्रकरण में न्यायपालिका की देरी और जांच एजेंसियों की लापरवाही स्वयं अदालत द्वारा उजागर की गई। अदालत ने कहा कि ना तो घटनास्थल का स्केच बनाया गया, ना फिंगरप्रिंट लिए गए, ना बम के सटीक स्त्रोत की पुष्टि हुई और ना ही आरोपियों के खिलाफ कोई प्रत्यक्ष प्रमाण था।

अभियोजन पक्ष ने जिस मोटरसाइकिल को बम के लिए इस्तेमाल होने की बात कही थी, वह भी प्रज्ञा ठाकुर से जुड़ी नहीं पाई गई। यह सब कुछ बताता है कि पूरा केस पूर्वग्रहों, दुर्भावना और राजनीतिक साजिश से प्रेरित था। यदि न्याय के नाम पर निर्दोष लोगों को प्रताड़ित किया जाए, तो वह केवल व्यक्ति नहीं, बल्कि समस्त समाज और संस्कृति को दंडित करने जैसा होता है। प्रश्न यह उठता है-तो क्या अब तक इन आरोपियों को गलत तरीके से आतंकवादी घोषित कर वर्षों तक सलाखों के पीछे रखा गया?

हिंदू धर्म और आतंकवाद-ये दो शब्द आपस में मेल नहीं खाते।

सनातन संस्कृति का मूल आधार ही शांति, सहिष्णुता और करुणा है। विश्व में यदि कोई धर्म ऐसा है जिसने युद्ध नहीं, यज्ञ, हिंसा नहीं, अहिंसा का मार्ग दिखाया है, तो वह हिंदू धर्म है।

राम, कृष्ण, महावीर, बुद्ध, विवेकानंद और गांधी-इन सभी की परंपरा में हिंसा के लिए कोई स्थान नहीं। भगवा आतंकवाद एक गढ़ा गया मिथक था, जो ना केवल हिंदू समाज को कलंकित करता है, बल्कि भारत की आत्मा को भी चोट पहुंचाता है। भगवा वस्त्र तो त्याग, तपस्या और आत्मशुद्धि का प्रतीक है। उसे बम और खून से जोड़ना स्वयं भारतीयता के खिलाफ साजिश है।

इस फैसले ने जहां एक ओर निदोर्षों को न्याय दिया, वहीं दूसरी ओर यह देश के जनमानस को आत्मंथन का अवसर भी देता है, क्या हम इतनी आसानी से किसी को भी आतंकवादी घोषित कर देंगे?

क्या हम किसी राजनीतिक विचारधारा के विरोध के कारण पूरे धर्म को कटघरे में खड़ा कर देंगे? क्या धर्म का दुरुपयोग कर वोटबैंक की राजनीति करते रहेंगे? साध्वी प्रज्ञा ठाकुर की प्रतिक्रिया-ह्लआज भगवा की जीत हुई है, हिंदुत्व की जीत हुई हैह्व इस बयान में उनके दर्द एवं यथार्थ को समझने की आवश्यकता है। यह केवल एक साध्वी की व्यक्तिगत मुक्ति की खुशी नहीं, बल्कि उन करोड़ों लोगों की आवाज है जिनके लिए भगवा आस्था और अस्मिता का प्रतीक है।

वर्षों तक मीडिया ने इस मामले को सनसनीखेज बनाकर हिंदू आतंकवाद को ग्लैमराइज किया। प्राइम टाइम पर भगवा को हिंसा से जोड़ना, साध्वी प्रज्ञा ठाकुर को संदिग्ध आतंकी की तरह चित्रित करना और बिना न्यायिक पुष्टि के चरित्रहनन करना, पत्रकारिता के मूलभूत सिद्धांतों के खिलाफ था। वहीं, तथाकथित बुद्धिजीवियों एवं देश की सबसे पुरानी कांग्रेस पार्टी ने भी इस मामले में एकतरफा विचारधारा के चलते भगवा को खतरा घोषित करने में कोई कसर नहीं छोड़ी। ऐसे लोगों से अब यह सवाल पूछा जाना चाहिए कि क्या आप सार्वजनिक रूप से माफी मांगेंगे?

मालेगांव विस्फोट मामले में आया फैसला केवल न्यायिक विजय नहीं, बल्कि सांस्कृतिक पुनर्जागरण का प्रतीक है। यह भारत की न्याय प्रणाली, समाज की सहिष्णुता और धर्म की शुद्धता का प्रमाण है। आज समय है, जब राष्ट्र को यह समझना चाहिए कि धर्म को आतंक से जोड़ना स्वयं एक मानसिक आतंक है। सत्य को स्वीकारने का साहस कीजिए, क्योंकि न्याय तभी पूर्ण होता है जब उसमें निष्पक्षता, संवेदना और सत्य का साथ हो। यह मामला दशार्ता है कि सत्य परेशान हो सकता है, लेकिन पस्त या पराजित नहीं। सत्यमेय जयते- यह सत्य की जीत है, सनातन की जीत है।

विश्व का सबसे महंगा और अत्याधुनिक उपग्रह निसार-अंतरिक्ष के क्षेत्र में नासा-इसरो की बड़ी छलांग!

सुनील कुमार महला

हाल ही में बुधवार 30 जुलाई 2025 को नासा(अमेरिका)और भारतीय अंतरिक्ष एजेंसी इसरो(भारत) के संयुक्त तत्वावधान में विश्व का सबसे महंगा और अत्याधुनिक उपग्रह निसार, जो कि एक लो अर्थ ऑर्बिट (एलईओ) सैटेलाइट है, को श्रीहरिकोटा के सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र से शाम 5:40 बजे प्रक्षेपित करके, जो कि 2,392-2800 किलो वजनी(एसयूवी के आकार का) है, को नासा-इसरो द्वारा सफलतापूर्वक अंतरिक्ष में स्थापित किया गया है। वास्तव में, यह अंतरिक्ष के क्षेत्र में भारत और अमेरिका की एक बड़ी और संयुक्त सफलता मानी जा रही है। पाठकों को बताता चलूं कि नासा-इसरो सिंथेटिक एपर्चर राडार या निसार मिशन दोहरी आवृत्ति(डबल फ्रीक्वेंसी) वाले सिंथेटिक एपर्चर रडार उपग्रह को विकसित करने और लॉन्च करने के लिए नासा और इसरो के बीच एक संयुक्त परियोजना(ज्वाइंट प्रोजेक्ट) है। निसार का पूरा नाम-नासा-इसरो सिंथेटिक अपर्चर रडार है।13,000 करोड़ रुपये (1.5 बिलियन डॉलर) की लागत वाले इस मिशन में इसरो का योगदान 788 करोड़ रुपये है। गौरतलब है कि निसार मिशन एक्सिअम-4 मिशन के तुरंत बाद लॉन्च किया गया है, जिसमें पहली बार कोई भारतीय अंतरिक्ष यात्री अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन गया था। इसे जीएसएलवी-एस16 रॉकेट के जरिए लॉन्च किया गया है। इस मिशन की अवधि की यदि हम यहां बात करें तो इसकी अवधि 3 साल है, लेकिन ईंधन और स्थिरता के आधार पर यह 5 साल तक भी चल सकता है। उपलब्ध जानकारी के अनुसार यदि हम यहां निसार की डेटा मात्रा की बात करें तो, हर दिन 80 टेराबाइट डेटा, यानी 150 हार्ड ड्राइव (512 जीबी) जितनी इसकी डेटा क्षमता है। इसमें जो एंटीना लगा है वह 12 मीटर का तारों का मेश एंटीना है, जिसे नासा के जेट प्रोपल्शन लेबोरेटरी (जेपीएल) ने बनाया है। उल्लेखनीय है कि यह नासा द्वारा किसी उपग्रह के लिए बनाया गया, अब तक का सबसे बड़ा/विशालकाय एंटीना है। जानकारी के अनुसार यह लॉन्च के बाद खुलता है और रडार सिग्नल भेजने-प्राप्त करने में मदद करता है।और यदि हम इसकी(निसार) पावर की बात करें तो इसमें पावर 6,500 वाट बिजली है, जो कि इसे बड़े सोलर पैनल से मिलेगी। निसार उपग्रह में इस्तेमाल होने वाली स्वीप-एसएआर तकनीक, इसे एक साथ बड़े क्षेत्र को हाई-रिजॉल्यूशन में स्कैन करने की ताकत देती है।यह रडार सिग्नल भेजता है और उनके वापस आने पर तस्वीरें बनाता है।उपलब्ध जानकारी के अनुसार निसार उपग्रह नीले ग्रह धरती की हर हलचल पर बाज जैसी तीक्ष्ण और पैनी नजर रखेगा और इसका फायदा समस्त मानवजाति को मिलेगा। गौरतलब है कि निसार मिशन पृथ्वी का एमआरआई स्कैनर है, जो भूकंप, सुनामी, भूस्खलन और बाढ़ जैसी विभिन्न प्राकृतिक आपदाओं की पहले से ही चेतावनी दे देगा। यह सैटेलाइट(उपग्रह) दोहरे रडार सिस्टम, हर मौसम में काम करने की क्षमता, और सेंटीमीटर स्तर की सटीकता के साथ पृथ्वी की सतह को स्कैन करेगा। यह धरती की सतह की इतनी बारीक तस्वीरें ले सकता है कि सेंटीमीटर तक के छोटे से छोटे बदलाव भी आसानी के साथ पकड़ लेता है। दूसरे शब्दों में कहें तो निसार एक सेंटीमीटर के दायरे की सटीक फोटो खींचने और उसे धरती पर भेजने में सक्षम है। वास्तव में, यह पृथ्वी पर भूमि और बर्फ का 3डी व्यू मुहैया कराएगा। उपलब्ध जानकारी के अनुसार यह दुनिया का पहला ऐसा सैटेलाइट है जो दोहरी रडार फ्रीक्वेंसी (नासा का एल-बैंड और इसरो का एस-बैंड) का इस्तेमाल करके पृथ्वी की सतह(धरातल) को स्कैन करेगा।नासा का एल-बैंड (24 सेमी तरंगदैर्ध्य) घने जंगल, बर्फ और मिट्टी के नीचे की गतिविधियों जैसे भूकंप और ज्वालामुखी का आसानी से पता लगा सकता है।

वहीं दूसरी ओर, इसरो का एस-बैंड सतह की छोटी-छोटी चीजों, जैसे फसलों की संरचना, बर्फ की परतें और मिट्टी की नमी आदि को मापने में माहिर है। वास्तव में, ये दोनों रडार(एल और एस बैंड) मिलकर 5-10 मीटर की सटीकता के साथ तस्वीरें लेते हैं और 242 किमी चौड़े क्षेत्र को कवर करते हैं। पाठकों को बताता चलूं कि जहां पर एक आम सैटेलाइट ऑप्टिकल कैमरों से लैस होता है, तथा वह घने बादलों और रात के समय में तस्वीरें लेने या यूं कहें कि काम करने में सक्षम नहीं होता है, वहीं निसार के रडार किसी भी मौसम में, प्रतिकूल परिस्थितियों में भी बादलों, धुएं और जंगलों आदि को भेदकर दिन-रात कभी भी काम कर सकने की अभूतपूर्व क्षमताएं रखतें हैं। जानकारी के अनुसार निसार सैटेलाइट हर 12 दिन में पृथ्वी और बर्फीली सतह को स्कैन करेगा, और औसतन हर 6 दिन में डेटा उपलब्ध कराएगा। यह सूर्य-समकालिक कक्षा (747 किमी ऊंचाई, 98.4ह्र झुकाव) में रहेगा, जिससे इसे लगातार रोशनी मिलेगी और यह ठीक से काम करता रहेगा। दूसरे शब्दों में कहें तो, इस लो अर्थ ऑर्बिट सैटेलाइट(निसार) को पृथ्वी से 747 किलोमीटर की ऊंचाई पर स्थापित किया जाएगा। यह सैटेलाइट सन-सिंक्रोनस पोलर ऑर्बिट में भेजा गया है, यानी यह पृथ्वी के एक ही हिस्से से नियमित अंतराल पर गुजरेगा, जिससे वह सतह पर होने वाले बदलावों को देख सकेगा और उसकी मैपिंग कर सकेगा। यहां यह कहना गलत नहीं होगा कि इसके(निसार सैटेलाइट) दोहरे रडार, इसके हर मौसम में काम करने की क्षमता और मुफ्त डेटा नीति इसे अनोखा बनाती है।सच तो यह है कि भारत के लिए यह आपदा प्रबंधन, कृषि और जल प्रबंधन में गेम-चेंजर साबित होगा। दरअसल,यह सैटेलाइट(निसार) सटीकता से धरती की सतह पर जमी बर्फ.से लेकर उसके जमीनी हिस्से, ईकोसिस्टम में बदलाव, समंदर के जलस्तर में बदलाव और ग्राउंड वाटर लेवल से जुड़े आंकड़े जमा करेगा। यह बाढ़ नदियों के जलस्तर को मापकर बाढ़ का समय पर अलर्ट देगा और धरती पर आने वाले तूफानों की भी मानिटरिंग करेगा। इतना ही नहीं,यह जलवायु परिवर्तन, कृषि और जंगल के साथ ही साथ तटीय निगरानी, और बुनियादी इंफ्रास्ट्रक्चर जैसे कि बांधों, पुलों, और अन्य ढांचों पर भी अपनी पैनी नजर रखेगा और जानकारी उपलब्ध कराएगा। पाठक जानते होंगे कि हाल ही में 30 जुलाई 2025 को ही रूस के कामचटका प्रायद्वीप के पास ओखोट्स्क सागर में 8.8 तीव्रता का भूकंप आया था, जिसने 12 देशों–रूस, जापान, हवाई, कैलिफोर्निया, अलास्का, सोलोमन द्वीप, चिली, इक्वाडोर, पेरू, फिलीपींस, गुआम और न्यूजीलैंड में सुनामी का खतरा पैदा किया। इस भूकंप की ताकत हिरोशिमा जैसे 9,000-14,000 परमाणु बमों के बराबर थी। कुरील द्वीपों में 5 मीटर ऊंची लहरें आईं। फुकुशिमा, जापान में लोग 2011 की सुनामी की याद से आज भी खौफ खाते हैं। वास्तव में, मनुष्य को ऐसी आपदाओं की पहले से खबर मिलना बहुत जरूरी है, ताकि आपदाओं का पहले से ही प्रबंधन किया जा सके और जान-माल की सुरक्षा की जा सके। य

ऋतुचक्र में गड़बड़ी, संकट का संकेत

विजय गर्ग

ज्ब से ऋतु चक्र बिगड़ा है, तब से बारिश भी अनिश्चित हो चुकी है। वर्षा ऋतु से पहले होने वाली अतिवृष्टि कई तरह के संकट पैदा करती रही है। बाढ़ इनमें से प्रमुख है। इस दौरान जनजीवन खतरे में पड़ जाता है। तब भयावह तबाही के दृश्य दिखते हैं। मानसून आने के बाद कहीं कम, तो कई ज्यादा बारिश शुरू हो रही है। मगर अत्यधिक वर्षा के कारण देश के कुछ राज्यों में ही नहीं, बल्कि अन्य देशों के कई प्रांतों में भी बाढ़ की स्थितियां देखने में आई हैं। मई के अंत से लेकर पूरे जून तक राजधानी दिल्ली सहित उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, कर्नाटक, महाराष्ट्र, राजस्थान, गुजरात, उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, बिहार और असम में अनिश्चित, अनियंत्रित तथा उथल-पुथल मचाने वाली वर्षा ने जनजीवन को संकट में डाल दिया था। वहीं जुलाई के पहले पखवाड़े में भी राजस्थान, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, झारखंड, बिहार, उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश और पूर्वोत्तर राज्यों में अधिक वर्षा के कारण बाढ़ से ग्रस्त क्षेत्रों के लोगों का जीवन कष्टपूर्ण हो गया।

अप्रैल के बाद से अब तक देश में बादल फटने, बिजली गिरने तथा अतिवृष्टि के कारण आई बाढ़ से कई लोगों की मौत हो चुकी है। लाखों- करोड़ों रुपए की व्यक्तिगत तथा सार्वजनिक संपत्तियां परिसंपत्तियां नष्ट हो चुकी हैं। मृतकों के के परिवार वालों के सामने अन्न-जल संकट के साथ- साथ आवास, आजीविका और समाजिक-आर्थिक असुरक्षा की समस्याएं भी पैदा हो गई हैं। वर्षा ऋतु बीतने तक उनका दैनिक जीवन बहुत कष्टकारी बना

रहेगा। यह परिस्थिति प्राकृतिक प्रतिकूलता तथा जलवायु असंतुलन की पुनरावृत्ति के कारण गत तीस-चालीस वर्षों से हर वर्ष अधिक भयावह रूप से दिख रही है।

बाढ़ के बहते हुए पानी और विशाल क्षेत्र में ठहरे हुए कीचड़ गाद से युक्त पानी के कारण अकल्पनीय समस्याएं पैदा होती हैं। कई प्रकार के रोग उत्पन्न होते हैं। रहन-सहन, भोजन, पानी और बिजली आपूर्ति, आजीविका, शिक्षा, काम-धंधे, नौकरी-व्यवसाय सब कुछ अस्त-व्यस्त हो जाता है। अतिवृष्टि तथा बाढ़ के बाद जल जनित समस्याओं का निदान कई महीनों बाद भी नहीं हो पाता। ऐसी समस्याएं बरसों बनी रहती हैं। तथा समस्याग्रस्त लोगों के जीवन को असुरक्षित कर देती हैं। भारत जैसे देश में जहां भू-क्षेत्र एवं जनसंख्या के । के आधार पर यूरोपीय देशों के बराबर अथवा उनसे भी विशाल 28 राज्य और आठ केंद्रशासित प्रदेश हैं तथा पूरे विश्व में जिस देश की जनसंख्या सबसे अधिक है, वहां अतिवृष्टि के कारण बाढ़ से सामान्य लोगों का जीवन किस सीमा तक प्रभावित होता होगा, इसका आभास बाढ़ से घिरे लोगों के साथ रह कर ही हो सकता है।

ऐसी परिस्थितियों से घिरे लोगों का जीवन असुरक्षित होता है। उत्तराखंड के एक जनपद मुख्यालय से कुछ दूर एक लघु उपनगर में निरंतर दो वर्षों तक अतिवृष्टि से उत्पन्न बाढ़ में फंसे असहाय लोगों को देश ने सुरक्षित होने की प्रार्थना करते उन्हें देखा है। ऐसी अतिवृष्टि ऐसी बाढ़ और ऐसी आपदा से प्रत्यक्ष रूप से प्रभावित लोग अपने जीवट और हौसले के बूते ही जीवित रह पाते हैं जिनका आत्मविश्वास निर्बल होता है, वे घबरा जाते हैं। असुरक्षित पयार्वास के उजड़ने बहने के कारण कई लोग मृत्यु के मुख में समा जाते हैं। जीवित लोग भी केवल अपने शरीर के साथ बचे होते हैं। उनका आवास, जीवनचर्या के लिए आवश्यक भौतिक वस्तुएं, सभी कुछ आपदा में नष्ट हो जाती । उनके लिए जीवन में प्रत्येक आवश्यकता, सुविधा तथा वस्तु को पुनः क्रय कर संग्रहीत करना अत्यंत कठिन हो जाता है। शासन, समाज और सहायता प्रदान करने वाले स्वयंसेवी संगठनों तथा संबंधियों द्वारा सहायता झ धनराशि एवं अन्य सुविधाएं तत्काल नहीं मिल पातीं। इन्हें प्राप्त करने के लिए भी पीड़ित व्यक्तियों को काफी संघर्ष करना पड़ता है। इन परिस्थितियों में जब पीड़ितों का जीवन चारों ओर से असुरक्षित महसूस होता है, तो वे कई बार अवसादग्रस्त हो जाते हैं। वे निर्बल हो जाते हैं। प्राकृतिक आपदाओं के देखे भोगे गए संकट का प्रतिघात तथा आपदा से निकलने के बाद जीवन जीने की असुरक्षा और संघर्ष में खपे दिनों का दुख इतना गहन होता है कि पीड़ित व्यक्ति जीवनभर आत्मविश्वास अर्जित नहीं कर पाता। वास्तव में जलजनित आपदाओं का भौतिक तथा मानसिक आघात वही अनुभव कर सकता है, जिसने इन्हें प्रत्यक्ष देखा और भोगा हो ।अतिवृष्टि से उपजे गहरे संकट का प्रभाव इतना अधिक होता है मनुष्य प्रकृति के आगे लाचार हो जाता है। जलजले में हर कोना और हर जगह डूब जाती है। आपदा राहत दलों के सामने भी एक बड़ी चुनौती होती है। ऐसा कई बार होता है कि राहत दल संकट से घिरे लोगों तक पहुंच ही नहीं पाता। कई बार तो पहुंच पाना भी नामुमकिन होता है। आपदा से घिरे लोगों के अनुभव बताते हैं कि किसी भी राहत प्रदान करने वाले दल के लिए अतिवृष्टि के समय बाढ़ग्रस्त क्षेत्रों में बड़ी चुनौतियां होती हैं। राहत कर्मी अपने सभी संभव उपायों एवं राहत प्रदान करने वाले कार्य संकट से पूर्व या संकट समाप्त होने के बाद ही संपन्न कर सकते हैं। सावन माह से पहले देश के विभिन्न राज्यों में एक ही स्थान पर अत्यधिक बारिश होने से जो गंभीर परिस्थितियां बनीं, उसने प्राकृतिक असंतुलन को विकृत ढंग से प्रकट किया। कुछ दशकों से ऋतु विकृतियों में वृद्धि हुई है। ऐसी पुनरावृत्ति के कारण में विगत चालीस-पचास वर्षों में हजारों लोगों की मौत हुई है। लोगों की संपत्तियां परिसंपत्तियां नष्ट हुई हैं। जीवन के हर पक्ष पर नकारात्मक प्रभाव पड़ा। देश और समाज की प्राकृतिक तथा सामाजिक, सभी प्रकार की समस्याओं के निराकरण का दायित्व प्रायः शासन का होता है। वह इसलिए उत्तरदायी होता है, क्योंकि उसके पास व्यक्ति अथवा व्यक्तियों अधिक साधन होते हैं और समस्याओं के समाधान के लिए उन्हें नियोजित किया जा सकता है आवश्यकता होने पर शासन व्यक्तियों तथा नागरिकों के जीवन की रक्षा के लिए अपने हर संभव साधन का उपयोग करता है, लेकिन शासन, समाज और नागरिकों को यह विचार करना होगा कि प्राकृतिक आपदाओं के सामने शासकीय साधन-संसाधन भी निरुपाय सिद्ध हुए हैं।ऐसी । आपदाओं से सुरक्षित रहने के लिए विश्व स्तर पर प्राकृतिक संरक्षण, जलवायु संतुलन तथा ऋतु अनुकूलन की दिशा में अपेक्षित कार्य किए जाने की आवश्यकता है। इसके लिए विज्ञान, प्रगति, आधुनिकता तथा इन तीनों में सामंजस्य तो होना ही चाहिए, वहीं विलासी गतिविधियों पर विराम लगाने के उपाय करने होंगे। ऐसा किए बिना किसी भी देश में प्राकृतिक संतुलन स्थापित नहीं हो सकता। दुनिया के सभी देशों को प्राकृतिक संतुलन के लिए निर्धारित उपाय करने होंगे। यह कार्य निष्ठा से संपन्न करना होगा।

न्यूयार्क और न्यूजर्सी में भारी बारिश के कारण आपात स्थिति की घोषणा

एजेंसी

न्यूयॉर्क। अमेरिका के न्यूयॉर्क और न्यू जर्सी प्रांत में भारी बारिश से सड़क परिवहन और हवाई यात्रा के बाधित होने के बाद बाढ़ की चेतावनी वाले क्षेत्रों में 'आपातकाल' की स्थिति घोषित कर दी गयी है। राष्ट्रीय मौसम विभाग के मुताबिक वाशिंगटन-फिलाडेल्फिया-न्यूयॉर्क सिटी कॉरिडोर पर भारी बारिश और भीषण तूफान आने के आसार है। क्षेत्र के दक्षिणी हिस्से के कुछ इलाकों में 5.08 सेमी प्रति घंटे से बारिश हो सकती है। न्यूयॉर्क की गवर्नर कैथी होचुल ने एक बयान में कहा, 'मैं सभी न्यूयॉर्कवासियों से सतर्क रहने, जानकारी रखने और सावधानी बरतने का आग्रह करती हूँ क्योंकि हमें अत्यधिक बारिश के कारण अचानक आने वाली बाढ़ आने की आशंका है।' न्यूयॉर्क शहर के मेयर एरिक एडम्स और अन्य स्थानीय अधिकारियों ने भी लोगों से सड़कों से दूर रहने और बेसमेंट अपार्टमेंट में रहने वालों से ऊँचे स्थानों पर जाने का आग्रह किया। संघीय उड्डयन प्रशासन के अनुसार गुरुवार शाम आए भारी तूफ़ान के कारण हवाई यात्रा बाधित रही और न्यूयॉर्क, न्यू जर्सी, फिलाडेल्फिया और वाशिंगटन डी.सी. क्षेत्र के कई प्रमुख हवाई अड्डों पर उड़ानें रोक दी गईं।

इजरायल ने यूएई से राजनयिकों की आंशिक निकासी का दिया आदेश

तेल अवीव। इजरायल के विदेश मंत्रालय ने संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) से अधिकांश राजनयिक कर्मचारियों और उनके परिवारों को निकालने का आदेश दिया है। यह फैसला राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद (एनएससी) के खाड़ी में रहने वाले इजरायलियों के लिए यात्रा चेतावनी के बाद लिया गया है। समचार पोर्टल 'वाईनेट' ने यह जानकारी दी। रिपोर्ट में कहा गया है कि इजरायली एनएससी द्वारा यूएई की यात्रा के खिलाफ प्रकाशित एक चेतावनी के बाद आंशिक निकासी का यह आदेश सामने आया है। एनएससी ने खुफिया जानकारी का हवाले से कहा कि ईरान, हमास, हिजबुल्लाह और वैश्विक जेहादी गुटों समेत आतंकवादी समूहों ने यूएई में इजरायली और यहूदी लोगों को निशाना बनाने की कोशिशें तेज कर दी हैं। इसके अलावा इजरायली राजदूत की एक 'हरकत' को लेकर दोनों देशों के बीच तनाव बढ़ गया है। यूएई ने राजदूत को लेकर तेल अवीव से नाराजगी जताते हुए वापस बुलाने की मांग की थी। इजरायल की एनएससी ने एक बयान में कहा, हम इस यात्रा चेतावनी पर ज़ोर दे रहे हैं क्योंकि हमें पता है कि आतंकवादी संगठन (ईरानी, हमास, हिज़्बुल्लाह और ग्लोबल जिहाद) इज़रायल को नुकसान पहुँचाने की अपनी कोशिशें बढ़ा रहे हैं।

इंडोनेशिया ने आपराधिक संहिता में संशोधन किए तेज

जकार्ता। इंडोनेशिया में नागरिक अधिकारों के विरोध के बीच आपराधिक प्रक्रिया संहिता में संशोधन तेज कर दिए गए हैं। इंटरनेशनल फेडरेशन ऑफ जर्नलिज्म (आइएफजे) की ओर जारी विज्ञप्ति के मुताबिक इंडोनेशियाई प्रतिनिधि सभा ने जुलाई 2025 में दो दिनों में देश के आपराधिक प्रक्रिया संहिता (कुहेप) विधेयक में 1,676 प्रस्तावित संशोधनों पर बहस की। इसका मसौदा कानून प्रवर्तन को व्यापक नई शक्तियां प्रदान करता है जबकि गिरफ्तारी और जांच की निगरानी को कम करता है।आईएफजे से संबद्ध अलियांसी जुर्नलिस इंडिपेंडेंस (एजेआई), एमनेस्टी इंटरनेशनल इंडोनेशिया, इंडोनेशियाई लीगल एड फाउंडेशन (वाईएलबीएचआई), विक्टिम्स ऑफ वायलेंस (कोंट्राएस) और इंस्टीट्यूट फॉर क्रिमिनल जस्टिस रिफॉर्म (आईसीजेआर) सहित नागरिक समाज समूहों ने चेतावनी दी है कि यह बिल पीड़ितों के अधिकारों को कमजोर करता है कानूनी सलाहकार तक पहुंच को प्रतिबंधित करता है तथा उचित प्रक्रिया सुरक्षा को खत्म करता है। बिल के तहत सबसे चिंताजनक प्रावधानों में कहा गया है कि यह कुछ परिस्थितियों में अनिश्चितकालीन हिरासत की अनुमति देता है। प्रस्तावित विधेयक राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांटो के प्रशासन में नागरिक स्वतंत्रता के व्यापक हनन के बीच आया है।

कोलंबिया के पूर्व राष्ट्रपति उरीबे को 12 साल की नज़रबंदी की सजा

बोगोटा। कोलंबिया के पूर्व राष्ट्रपति अल्वारो उरीबे (73) को प्रक्रियात्मक धोखाधड़ी और गवाहों को रिश्वत देने का दोषी पाए जाने के बाद 12 साल की नज़रबंदी की सजा सुनाई गई है।सीएनएन की रिपोर्ट के अनुसार बचाव पक्ष के वकील ने पहले घोषणा की थी कि वे अपील दायर करेंगे। पूर्व राष्ट्रपति ने खुद को निर्दोष बताया था। बोगोटा के 44वें आपराधिक न्यायालय की न्यायाधीश सैंड्रा हेरेडिया ने पूर्व राष्ट्रपति को इन अपराधों का दोषी पाए जाने के चार दिन बाद सज़ा की घोषणा की। न्यायाधीश हेरेडिया ने एक अभियोजक को कथित तौर पर रिश्वत देने के एक अन्य आरोप से उरीबे को बरी कर दिया था। उरीबे 2002 से 2010 तक कोलंबिया के राष्ट्रपति रहे थे। उरीबे देश के पहले पूर्व राष्ट्रपति हैं जिन्हें आपराधिक रूप से दोषी ठहराया गया है।मामले में पूर्व राष्ट्रपति ने 2012 में सत्तारूढ़ हिस्टोरिक पैक्ट के सीनेटर इवान सेपेडा के उन पर एक अर्धसैनिक समूह से संबंध रखने का आरोप लगाया था। सेपेडा ने इन आरोपों से इनकार किया है। कोलंबियाई सर्वोच्च न्यायालय ने 2018 में कथित गवाहों से छेड़छाड़ के लिए उरीबे के खिलाफ जाँच शुरू करने का फैसला किया। कोलंबियाई अभियोजक कार्यालय ने मई 2024 में औपचारिक रूप से उरीबे पर तीन अपराधों प्रक्रियात्मक धोखाधड़ी, आपराधिक कार्यवाही में रिश्वतखोरी और रिश्वतखोरी का आरोप लगाया।

ट्रेड डील के बाद अमेरिका और दक्षिण कोरिया के बीच अच्छे संबंध : राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप

एजेंसी

वाशिंगटन । अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि अमेरिका और दक्षिण कोरिया के बीच रिश्ते बेहद अच्छे हो गए हैं। अमेरिका और दक्षिण कोरिया के बीच हुए नए व्यापार समझौते के बीच ट्रंप का ये बयान सामने आया है। यह समझौता कई महीनों से चल रही टैरिफ वार्ताओं के बाद हुआ है। राष्ट्रपति ट्रंप ने यह टिप्पणी एक पत्रकार के सवाल के जवाब में की। पत्रकार ने उनसे दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति ली जे म्युंग के साथ होने वाली बैठक के बारे में पूछा था। ट्रंप ने कहा कि यह बैठक दो हफ्तों के भीतर व्हाइट हाउस में होगी। न्यूज एजेंसी के मुताबिक, ट्रंप ने कहा, हमारा दक्षिण कोरिया के साथ बहुत अच्छा रिश्ता है। ट्रंप ने इस व्यापार समझौते की घोषणा की। इसके तहत अमेरिका ने कोरिया पर लगाए जाने वाले रेसिप्रोकल टैरिफ को 25 प्रतिशत से

घटाकर 15 प्रतिशत कर दिया है। इसके बदले में दक्षिण कोरिया ने अमेरिका में निवेश करने और कुछ अन्य वादे किए हैं।ट्रंप ने यह भी दोहराया कि दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति दो हफ्तों के अंदर व्हाइट हाउस आएंगे। दक्षिण कोरिया के विदेश मंत्री चो ह्यून ने भी कहा कि इस बैठक के लिए तारीख तय करने पर बातचीत चल रही है। इस बीच, दक्षिण कोरियाई सरकार ने साफ किया है कि इस व्यापार समझौते में राइस मार्केट को लेकर कोई नया प्रावधान नहीं है। वित्त, उद्योग और कृषि मंत्रालयों ने प्रेस रिलीज में कहा, कोरिया-अमेरिका व्यापार समझौता चावल से जुड़ा नहीं है। हुए इस समझौते के अनुसार, अमेरिका ने दक्षिण कोरिया के लिए शुल्क दर 25 प्रतिशत से घटाकर 15 प्रतिशत कर दी है। इसके बदले में दक्षिण कोरिया ने वादा किया है कि वह आने वाले चार वर्षों में अमेरिका में 350 अरब डॉलर का निवेश करेगा और 100 अरब डॉलर के अमेरिकी ऊर्जा उत्पाद (जैसे एलएनजी) खरीदेगा। सूत्रों के अनुसार, अमेरिका ने दक्षिण कोरिया पर यह दबाव डाला था कि वह अपने चावल और बीफ बाजार के द्वार उनके लिए खोले, खासकर 30 महीने से अधिक उम्र की गायों से बने अमेरिकी बीफ उत्पादों पर लगे प्रतिबंध को हटाने की बात की गई थी।

पुतिन ने खारिज की जेलेंस्की की रूस में सत्ता परिवर्तन की अपील, कहा- उनकी कुर्सी खतरे में

एजेंसी

मास्को। रूस और यूक्रेन के बीच छिड़ी जंग थम नहीं रही है। इस बीच रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की की मॉस्को में सत्ता परिवर्तन की अपील को खारिज कर दिया। पुतिन ने कहा कि जेलेंस्की की खुद की कुर्सी खतरे में है। उनके पास सांविधानिक वैधता का अभाव है। इससे पहले जेलेंस्की ने कहा था कि अंतरराष्ट्रीय समर्थक रूसी सरकार को हटाने में मदद करें। उन्होंने चेतावनी दी थी कि मौजूदा संघर्ष में युद्धविराम होने पर भी मॉस्को पड़ोसी देशों को अस्थिर करने की कोशिश करेगा। बेलारूस के राष्ट्रपति अलेक्जेंडर लुकाशेंको के साथ लेक लाडोगा क्षेत्र में वालम मठ का दौरा किया। इस दौरन जेलेंस्की की अपील पर पलटवार करते हुए हुए पुतिन ने कहा कि हमारी राजनीतिक व्यवस्था रूसी संघ के संविधान पर आधारित है और हमारी सरकार मूल कानून के पूर्ण अनुपालन में बनी है। हालांकि यूक्रेन के बारे में ऐसा नहीं कहा जा सकता। 2019 में निर्वाचित यूक्रेनी राष्टपति जेलेंस्की का कार्यकाल पिछले साल समाप्त हो चुका है। इसके बाद भी वे पद पर बने हुए हैं। युद्ध के दौरान चुनावों को स्थगित करने के लिए उन्होंने मार्शल लॉ प्रावधान का इस्तेमाल कर रहे हैं। इससे पहले पुतिन ने कहा था कि यूक्रेनी संविधान के अनुसार अगर कोई उत्तराधिकारी नहीं चुना जाता है, तो राष्ट्रपति की शक्ति संसद के अध्यक्ष को हस्तांतरित की जानी चाहिए। हालांकि यह यूक्रेन का आंतरिक मामला बताया है, लेकिन रूस के साथ संभावित शांति समझौते सहित उनके द्वारा किए जाने वाले किसी भी अंतरराष्ट्रीय समझौते की कानूनी वैधता नहीं है।

जापान में लगातार तीसरे साल जुलाई रहा सबसे गर्म महीना

एजेंसी

टोक्यो । जापान में लगातार तीसरे साल जुलाई का महीना सबसे गर्म रहा। मौसम एजेंसी के अनुसार, इस बार तापमान सामान्य से 2.89 डिग्री सेल्सियस अधिक दर्ज किया गया। जापान मौसम विज्ञान एजेंसी (जेएमए) ने बताया कि जुलाई में देश भर का औसत तापमान 1898 से अब तक का सबसे अधिक रहा, जो 2024 के पिछले रिकॉर्ड से 2.16 डिग्री सेल्सियस अधिक था। मौसम अधिकारियों ने बताया कि इस साल का तापमान सामान्य से बहुत ज्यादा था और देश में असामान्य रूप से उच्च तापमान का सामना करना पड़ा। 30 जुलाई को जापान के ह्योगो प्रान्त के ताम्बा शहर में तापमान 41.2 डिग्री दर्ज किया गया, जो देश में अब तक का सबसे अधिक तापमान है। शिन्हुआ समाचार एजेंसी के अनुसार, 24 जुलाई को उत्तरी प्रान्त होक्काइडो के कुछ हिस्सों में तापमान लगभग 40 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया।

इस बीच, जेएमए ने कहा कि

जुलाई में तोहोकू क्षेत्र के जापान सागर की ओर और मध्य होकुरिकु क्षेत्र में बारिश की मात्रा 1946 से रिकॉर्ड शुरू होने के बाद सबसे कम रही। इससे पहले, 25 जुलाई को जेएमए ने कहा था कि जापान में भीषण गर्मी जारी रहेगी और देश के कई हिस्सों में हीटस्ट्रोक की चेतावनी जारी की गई थी। गर्मी इतनी खतरनाक थी कि यह जानलेवा हो सकती थी। यह गर्मी जापान को कवर करने वाले उच्च दबाव के सिस्टम के कारण थी। हीटस्ट्रोक की चेतावनी होक्काइडो, तोचिगी, गुनमा, सैतामा, हिरोशिमा, नागासाकी और टोक्यो सहित देश के कई हिस्सों में जारी की गई थी। होक्काइडो में रिकॉर्ड उच्च तापमान दर्ज किया गया था। मौसम अधिकारियों ने लोगों से हीटस्ट्रोक से बचने के लिए पर्याप्त उपाय करने की सलाह दी थी।

नेपाल ने अपने दो नए अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के लिए भारत से नए एयर रूट देने की मांग की

एजेंसी

काठमांडू। नेपाल ने भारत से अपने दो नए अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे के लिए नए एयर रूट की मांग को फिर से आगे बढ़ाया है। पोखरा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा तथा भैरहवा स्थित गौतम बुद्ध अंतरराष्ट्रीय हवाई से उड़ान संचालन के लिए एयर रूट देने की मांग की है। जापान में नागरिक उड्डयन महानिदेशकों (डी.जी.सी.ए.) के 60वें सम्मेलन के दौरान नेपाल के डी.जी.सी.ए. प्रदीप अधिकारी और भारत के डी.जी.सी. ए. फैज अहमद किदवई के बीच एक द्विपक्षीय बैठक हुई। इस वार्ता में दोनों देशों के प्रतिनिधि उपस्थित थे। बैठक में नेपाल के दो अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के लिए हवाई मार्ग समन्वय और संचालन के लिए भारत से सहयोग का आग्रह किया गया है। नेपाल के डीजीसीए प्रदीप अधिकारी ने बताया कि अपने भारतीय समकक्ष के साथ नए एयर रूट के अलावा भारत के विभिन्न शहरों से पोखरा और लुंबिनी के लिए सीधी उड़ान शुरू करने का प्रस्ताव दिया है। नेपाल के तमाम सरकारी प्रयास के बावजूद निर्माण के पांच वर्षों के बाद भी इनका नियमित संचालन शुरू नहीं हो पाया है। इन दोनों विमान स्थलों का निर्माण चीन ने किया है। पोखरा हवाई अड्डे का निर्माण चीन के बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव के तहत ऋण लेकर हुआ है, जबकि भैरहवा हवाई अड्डे का निर्माण एशियाई विकास बैंक के ऋण पर चीनी कंपनी ने किया है। नेपाल को उम्मीद थी कि ये उपाय नव निर्मित अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डों की ओर वाहकों को आकर्षित करेंगे और काठमांडू के त्रिभुवन अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर भीड़भाड़ को कम करेंगे। हालांकि, विमानन अधिकारी स्वीकार करते हैं कि चल रहे ऑफ-सीजन और सीमित प्रत्यक्ष हवाई मार्गों ने विदेशी एयरलाइनों को नियमित सेवाएं शुरू करने से हतोत्साहित किया है। भैरहवा और पोखरा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे दोनों का निर्माण अंतरराष्ट्रीय हवाई यातायात को विकेंद्रीकृत करने और क्षेत्रीय विकास को बढ़ावा देने के उद्देश्य से किया गया था, लेकिन अपने उद्घाटन के बाद से उन्होंने निरंतर अंतरराष्ट्रीय संचालन को बनाए रखने के लिए संघर्ष करना पड़ रहा है। अभूतपूर्व उपयोग करते हुए अमेरिका के व्यापारिक साझेदार देशों पर व्यापक टैरिफ लगाने के अधिकार पर तीखे सवाल उठाए। कई न्यायाधीशों ने तो बार-बार इस बात पर आश्चर्य व्यक्त किया कि ट्रंप 1977 के अंतरराष्ट्रीय आपातकालीन आर्थिक शक्ति अधिनियम (आईपा) कानून का उपयोग करके टैरिफ को कैसे उचित ठहरा सकते हैं? अमेरिका ऑनलाइन अखबार पॉलिटिको की खबर के अनुसार, न्यायाधीश जिम्मी रेयना ने कहा, मेरी एक बड़ी चिंता यह है कि आईपी में टैरिफ शब्द का कहीं भी जिक्र तक नहीं है।

7 साल के बच्चे पर आतंकवादी गतिविधियों में शामिल होने का केस दर्ज, मानवाधिकार संगठन ने की निंदा

एजेंसी

इस्लामाबाद । पाकिस्तान मानवाधिकार आयोग (एचआरसीपी) ने बलूचिस्तान में सात साल के बच्चे पर आतंकवाद का केस दर्ज किए जाने की निंदा की है। उसने इस कदम को 'मानवाधिकारों का गंभीर उल्लंघन' और देश में आतंकवाद विरोधी कानूनों का दुरुपयोग बताया है। 'एचआरसीपी' की ओर से जारी एक बयान में कहा गया, 'बलूचिस्तान के तुर्बत में एक 7 साल के नाबालिग बच्चे पर आतंकवाद की धाराओं के तहत एफआईआर दर्ज करना बेहद निंदनीय और मानवाधिकारों का गंभीर उल्लंघन है। यह कदम न केवल कानून की भावना के विपरीत है, बल्कि बच्चों की सुरक्षा से संबंधित राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय दायित्वों का भी घोर उल्लंघन है।'बयान में आगे कहा गया, 'यह घटना तब हुई जब एक मासूम बच्चे

ने यूट्यूब पर एक वीडियो अपलोड किया, जिसमें मानवाधिकार कार्यकर्ता गुलजार दोस्त का एक भाषण शामिल था। महज एक वीडियो शेयर करने को आतंकवाद करार देना, राज्य की शक्ति के असंतुलित इस्तेमाल का एक उदाहरण है।' मानवाधिकार संस्था ने इस एफआईआर को तत्काल रद्द करने, बच्चे और उसके परिवार को उत्पीड़न से बचाने और कानून प्रवर्तन एजेंसियों को बाल अधिकारों पर प्रशिक्षण देने की मांग की। इसके साथ ही बच्चों से जुड़े मामलों में बाल संरक्षण कानूनों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने को कहा। एचआरसीपी ने बलूचिस्तान सरकार, मानवाधिकार मंत्रालय, पाकिस्तान के मुख्य न्यायाधीश और पाकिस्तान मानवाधिकार आयोग से तत्काल संज्ञान लेने की अपील की। एचआरसीपी ने देश के एंटी-टेररिज्म कोर्ट (एटीसी) में पिछले एक साल से आतंकवाद-रोधी कानूनों के तहत चल रहे नाबालिग बच्चों के खिलाफ चल रहे मुकदमे पर गहरी चिंता व्यक्त की। मानवाधिकार संस्था ने बच्चों की सूची जारी करते हुए अपील की है कि नाबालिग आरोपियों पर एंटी-टेररिज्म कोर्ट में चल रही सुनवाई को तुरंत रोका जाए और मामला जुवेनाइल कोर्ट में स्थानांतरित किया जाए।

अमेरिका से ट्रेड डील पर मैक्रों का सख्त रुख

एजेंसी

न्यूयॉर्क/गाजा। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने अमेरिका के साथ हुई हालिया व्यापार वार्ता पर चिंता जताई है। उन्होंने कहा कि यूरोपीय संघ को इन चर्चाओं में उतना डर नहीं लगा जितना लगना चाहिए था। उन्होंने यह भी साफ किया कि आगे की बातचीत में यूरोप को अधिक सख्ती दिखानी होगी और फ्रांस इस दिशा में मजबूती से खड़ा रहेगा। कैबिनेट बैठक में मैक्रों ने कहा कि यह मुद्दा अभी खत्म नहीं हुआ है। फ्रांस 24 की रिपोर्ट के अनुसार, मैक्रों ने बैठक में दो टूक कहा कि स्वतंत्र होने के लिए पहले शक्तिशाली और भयभीत करने वाला होना पड़ता है। उन्होंने स्वीकार किया कि अमेरिका के साथ हुई व्यापारिक बातचीत के दौरान ईयू को पर्याप्त गंभीरता और ताकत के साथ पेश नहीं किया गया। रिपोर्ट्स के अनुसार, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन के बीच हुई वार्ता के बाद यह करार हुआ। समझौते के अनुसार, अब यूरोपीय संघ के अधिकांश निर्यात पर अमेरिका में 15 प्रतिशत टैरिफ लगेगा। यह दर ट्रंप-पूर्व स्तर से अधिक है, लेकिन प्रस्तावित 30 प्रतिशत से कम है। इस डील के तहत यूरोपीय संघ ने अमेरिका से तीन वर्षों में 750 अरब डॉलर मूल्य की तरलीकृत प्राकृतिक गैस , तेल और परमाणु ईंधन खरीदने की प्रतिबद्धता जताई है। इसके अलावा, अमेरिका में 600 अरब डॉलर के निवेश की भी योजना है। मैक्रों ने इसे संभावनाओं वाला समझौता बताया, जो निकट भविष्य के लिए स्थिरता देगा और फ्रांसीसी-यूरोपीय निर्यात हितों को संरक्षित करेगा।

भारत के सहयोग से नेपाल में पेट्रोलियम पाइपलाइन विस्तार का काम शुरू

एजेंसी

काठमांडू। नेपाल और भारत के बीच हुए समझौते के तहत भारत सरकार के आर्थिक सहयोग से पेट्रोलियम पाइपलाइन विस्तार के दूसरे चरण का निर्माण कार्य शुरू हो गया है। भारत के बिहार राज्य के मोतिहारी से नेपाल के अमलेखगंज तक पहले बनाए जा चुके पेट्रोलियम पाइपलाइन के काम को अब चितवन जिला के लोथर तक विस्तार किया जा रहा है। ईंधन की सहज आपूर्ति और ट्रांसपोर्टेशन के खर्चे में भारी कटौती लाने के लिए भारत सरकार की तरफ से नेपाल में अंतर्देशीय पाइपलाइन का निर्माण किया गया है। पाइपलाइन के विस्तार के साथ-साथ तीन महीने की भंडारण वाले एक पेट्रोलियम भंडारण सुविधा का निर्माण भी किया जा रहा है। यह पेट्रोलियम डिपो लोथर में बनाने की

प्रक्रिया भी शुरू कर दी गई है।

नेपाल ऑयल कॉर्पोरेशन (एनओसी) ने पाइपलाइन विस्तार की औपचारिक शुरुआत को चिह्नित करते हुए लोथर में परियोजना के क्षेत्रीय कार्यालय का उद्घाटन किया। लोथर के राप्ती नगरपालिका-1 में लगभग 23 बीघा और 12 कट्ठा पर अत्याधुनिक ग्रीनफील्ड टर्मिनल का निर्माण किया जाएगा। एनओसी के अनुसार, पेट्रोलियम उत्पादों को सीधे इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन (आईओसी) के मोतिहारी डिपो से लोथर तक ईंधन भेजा जाएगा। इस समय भारत की तरफ से बिहार के मोतिहारी से नेपाल के अमलेखगंज तक पेट्रोल और डीजल भेजा जा रहा है। इस पाइपलाइन के विस्तार के लिए अमलेखगंज और लोथर के बीच 62 किलोमीटर के खंड पर 10.75 इंच की पाइपलाइन बिछाए जाने का कार्य शनिवार से शुरू किया गया है। इस परियोजना के प्रमुख इंजीनियर प्रदीप कुमार यादव ने कहा कि पाइपलाइन के विस्तार के लिए सभी आवश्यक प्रक्रिया को पूरा कर आज से इसके निर्माण का काम शुरू किया गया है। उन्होंने बताया कि इस परियोजना को तीन साल के भीतर पूरा कर संचालित करने की योजना है।

प्रधानमंत्री ओली 3 से 8 अगस्त तक तुर्कमेनिस्तान की यात्रा पर

एजेंसी

काठमांडू। प्रधानमंत्री केपी. शर्मा ओली तीन अगस्त को तुर्कमेनिस्तान की यात्रा पर जाएंगे और लैंडलॉक्ड विकासशील देशों (एलएलडीसी3) पर तीसरे संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन में नेपाली प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करेंगे। यह सम्मेलन तुर्कमेनिस्तान के अवाजा में 5 से 8 अगस्त तक आयोजित किया जा रहा है। प्रधानमंत्री ओली तुर्कमेनिस्तान के राष्ट्रपति सर्दार बर्दिमुहामेदोव और संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस के निमंत्रण पर सम्मेलन में सहभागी होने के लिए तुर्कमेनिस्तान का दौरा कर रहे हैं।

विदेश मंत्रालय के अनुसार, पीएम ओली को सम्मेलन को अल्प विकसित देशों के वैश्विक समन्वय ब्यूरो (एलडीसी) के अध्यक्ष के रूप में संबोधित करने का कार्यक्रम है। इसी तरह प्रधानमंत्री ओली सम्मेलन की एक उच्च स्तरीय गोलमेज बैठक की सह-अध्यक्षता भी करेंगे और

अन्य कार्यक्रमों को संबोधित करेंगे।

विदेश मंत्रालय के मुताबिक प्रधानमंत्री सम्मेलन के दौरान विभिन्न देशों के प्रतिनिधिमंडलों के प्रमुखों, संयुक्त राष्ट्र के अन्य उच्च स्तरीय अधिकारियों और अन्य अंतर्राष्ट्रीय संगठनों के प्रमुखों से मिलेंगे। प्रधानमंत्री ओली के साथ उनकी पत्नी राधिका शाक्य, प्रधानमंत्री के प्रमुख सलाहकार बिष्णु रिमाल, सांसद सूर्य बहादुर थापा सहित अन्य उच्च पदस्थ सरकारी अधिकारी भी यात्रा के दौरान होंगे। विदेश मंत्रालय के बयान में प्रधानमंत्री ओली के आठ अगस्त को नेपाल लौटने की बात कही गई।

चार अंतरिक्ष यात्रियों को लेकर आईएसएस पर पहुंचा स्पेसएक्स, 15 घंटे में पूरा किया सफर; छह महीने बिताएंग

एजेंसी

वॉशिंगटन। स्पेसएक्स कैप्सूल चार अंतरिक्ष यात्रियों को लेकर अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (इ्स्स) पर पहुंचा। नासा के कैनेडी स्पेस सेंटर से लॉन्च होने के बाद से लेकर स्टेशन तक पहुंचने में कैप्सूल ने 15 घंटे का समय लिया। अंतरिक्ष स्टेशन पर गए चार अमेरिकी, रूसी और जापानी अंतरिक्ष यात्री स्टेशन पर छह महीने बिताएंगे और परिक्रमा करेंगे। इसके अलावा स्पेसएक्स आईएसएस में पहले से मौजूद अंतरिक्ष यात्रियों को लेकर बुधवार तक वापस आएगा। अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पर नासा के जेना कार्डमैन और माइक फिन्के, जापान के किमिया युई और रूस के ओलेग प्लाटोनोव गए हैं। जैसे ही कैप्सूल ने दक्षिण प्रशांत महासागर के ऊपर डॉक किया तो फिन्के ने रेडियो पर कहा कि हैलो, अंतरिक्ष स्टेशन। अब अंतरिक्ष स्टेशन पर यात्रियों की कुल संख्या अस्थायी रूप से 11 हो गई। उनका स्वागत करने वाले अंतरिक्ष यात्रियों ने उनके लिए ठंडे पेय और गर्म भोजन की व्यवस्था की थी। बता दें कि जेना कार्डमैन और एक अन्य अंतरिक्ष यात्री को पिछले साल स्पेसएक्स की एक उड़ान से नासा ने भेजा था। जब बोइंग स्टारलाइनर परीक्षण के लिए पायलट बुच विल्मोर और सुनीता विलियम्स को भेजा गया तो कार्डमैन को वापस बुला लिया गया था।

गाजा में कुछ लोगों को मिली नकद सहायता, लेकिन खाना-पीने का सामान मिलना मुश्किल: यूएन

एजेंसी

संयुक्त राष्ट्र । गाजा में राहतकर्मियों ने भुखमरी से पीड़ित 10,000 से ज्यादा परिवारों को नकद सहायता दी है, हालांकि बाजार में खाने-पीने का सामान मिलना बेहद मुश्किल है। संयुक्त राष्ट्र की मानवीय मामलों के समन्वय कार्यालय (ओसीएचए) ने कहा, बाजार में वस्तुओं के दाम अभी भी बेहद अस्थिर हैं। यह अधिकांश लोगों की पहुंच से बाहर हैं। ओसीएचए के मुताबिक इजरायलियों की ओर से सहायता बढ़ाने और राहत काफिलों के सुरक्षित मार्ग की अनुमति देने के लगभग एक हफ्ते बाद भी, गाजा में पहुंची सहायता अपर्याप्त है। समाचार एजेंसी के अनुसार, इजरायली अधिकारियों की ओर से निर्धारित रास्तों पर राहत काफिलों को अब भी बाधाओं और खतरों का सामना करना पड़ रहा है। कार्यालय ने कहा कि कई महीनों से जीवन रक्षक बुनियादी जरूरतों से वंचित रहने के चलते संकट और गहरा गया है। बड़ी संख्या में लोग भोजन की तलाश में

मारे जा रहे हैं या घायल हो रहे हैं। बीते दो दिनों में 100 से ज्यादा लोगों की मौत खाद्य राहत काफिलों के रास्तों पर या इजरायली सैन्यीकृत वितरण केंद्रों के पास हुई है।

संयुक्त राष्ट्र बाल कोष (यूनिसेफ) के उप कार्यकारी निदेशक टेड चैबान हाल ही में इजरायल और गाजा से लौटे हैं। उन्होंने न्यूयॉर्क स्थित संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय में पत्रकारों के साथ अपने मिशन के कुछ अनुभव साझा किए। उन्होंने कहा, हमने स्थिति को स्थिर करने और लोगों की हताशा कम करने के लिए, रोजाना लगभग 500 ट्रकों की संख्या में मानवीय सहायता और कमर्शियल ट्रैफिक की आवाजाही बढ़ाने को कहा है। हमें सभी चैनल्स और सभी गेट्स का उपयोग करके गाजा पट्टी पर आपूर्ति पहुंचानी होगी। ओसीएचए ने कहा कि यहां ईंधन की आपूर्ति अभी भी कम है। हालांकि, हाल के दिनों में सीमित मात्रा में ईंधन को गाजा में प्रवेश करने की अनुमति दी गई है। कार्यालय ने कहा, संयुक्त राष्ट्र और हमारे सहयोगियों को स्वास्थ्य, जल और स्वच्छता, साथ ही आपातकालीन दूरसंचार सेवाओं सहित महत्वपूर्ण सुविधाओं को चलाने के लिए प्रतिदिन लाखों लीटर ईंधन की जरूरत होती है। ओसीएचए ने कहा कि हालांकि कम मानवीय गतिविधियों को सीधे तौर पर नकार दिया जाता है, लेकिन स्वीकृत मिशनों को पूरा होने में अभी भी घंटों लग जाते हैं, क्योंकि उन्हें स्वीकृत मार्गों पर विभिन्न स्थानों पर रुकने के लिए मजबूर किया जा रहा है।

हत्या की घटना में वांछित अभियुक्त गिरफ्तार

बुलंदशहर। 19 जुलाई को वासूदेव पुत्र सुम्मेरा सिंह निवासी ग्राम पिपेरा थाना जहांगीराबाद ने थाना जहांगीराबाद पर अपने पुत्र संजय उर्फ बिल्लू की गुमशुदगी पंजीकृत करायी थी। थाना जहांगीराबाद पुलिस द्वारा संजय उर्फ बिल्लू की तलाश के दौरान उसका मोबाइल फोन ग्राम पिरपेरा के जंगल में एख खेत में मिला तथा दिनांक 20-07-2025 को संजय उपरोक्त शव गांव पिपेरा में एक मकान में गढ्ढें में दबा हुआ मिला था। इस सम्बन्ध में थाना जांहगीराबाद पर मुअसं-385/25 धारा 191(2), 103(1),238 बीएनएस व 3(2)5 एससी/एसटी एक्ट पंजीकृत किया गया था।

उक्त घटना के क्रम में शनिवार को थाना जहांगीराबाद पुलिस द्वारा घटना में संलिप्त वांछित अभियुक्त रोहित राघव उर्फ भूरा ठाकुर को खरबा रोड के पास से गिरफ्तार कर अभियुक्त की निशादेही पर आलाकत्ल चाकू के बैंटा बरामद किया गया है।

'सुंदर नगर की सुंदरी' से सहस पुरस्वानी की धमाकेदार एंट्री, भव्य स्क्रीनिंग में छाया रोमांच और तारीफों का ताज"

दिव्य दिल्ली : कनॉट प्लेस स्थित फिल्म डिवीजन ऑडिटोरियम में युवा अभिनेता सहस पुरस्वानी की पहली फिल्म 'सुंदर नगर की सुंदरी' की भव्य स्क्रीनिंग का आयोजन किया गया। चिलसाग पिक्चर्स के प्रतिष्ठित बैनर तले निर्मित इस फिल्म से सहस पुरस्वानी ने हिंदी सिनेमा में अपने अभिनय सफर की शानदार शुरूआत की है।.. फिल्म के लेखक और निर्देशक हैं नाट्य भूषण पुरस्कार विजेता सचिन गुप्ता जो संवेदनशील और सामाजिक मुद्दों से जुड़ी कहानियों के लिए जाने जाते हैं.. आपको बता दे ह्यसुंदर नगर की सुंदरीह्न में सहस पुरस्वानी के साथ संस्कृति वर्मा भी प्रमुख भूमिका में नजर आईं,.. और दोनों की केमिस्ट्री को दर्शकों ने खूब सराहा।..इस खास मौके पर सहस पुरस्वानी के परिवार, दोस्तों और फिल्म प्रेमियों की बड़ी संख्या में मौजूदगी रही। सभी ने उन्हें ढेरों शुभकामनाएं दीं और उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। स्क्रीनिंग के बाद थिएटर में उत्साह और जोश का माहौल देखने को मिला। दर्शकों ने सहस के अभिनय की दिल खोलकर तारीफ की और उन्हें एक संभावनाओं से भरे सितारे के रूप में देखा।.. फिल्म के दमदार प्रदर्शन और कहानी की गहराई ने यह साबित कर दिया कि सहस पुरस्वानी का यह डेब्यू न केवल यादगार है, बल्कि आने वाले समय में वह इंडस्ट्री का एक मजबूत नाम बन सकते हैं।

हमीरपुर के पांच पुलिस कर्मियों को मिला उत्कृष्ट सेवा पदक, जिले के लिए गर्व का क्षण

दिव्य दिल्ली : हमीरपुर

जिला हमीरपुर के मानक मुख्य आरक्षी रीता देवी, निर्मल सिंह, राजकुमारी, रवि कुमार और हिमानी चौहान को केंद्रीय गृह मंत्रालय द्वारा उत्कृष्ट सेवा पदक से अलंकृत किया गया। शनिवार को पुलिस लाइन परिसर में आयोजित समारोह में उपायुक्त अमरजीत सिंह, एसपी भगत सिंह ठाकुर और वरिष्ठ अधिकारियों ने पदक वितरित किए। उपायुक्त ने इसे जिले के लिए गर्व का विषय बताते हुए कहा कि इससे पुलिस कर्मियों का मनोबल बढ़ेगा। एसपी भगत सिंह ठाकुर ने बताया कि यह पदक पारदर्शी प्रणाली से कर्तव्यनिष्ठ पुलिस कर्मियों को प्रेरित करने के लिए 2019-20 से शुरू हुआ है। समारोह में एडीसी अभिषेक गर्ग, एएसपी रेणु शर्मा, एसडीएम संजीत सिंह सहित कई अधिकारी उपस्थित रहे।

नोहराधार मंडल भाजपा ने मंडी आपदा पीड़ितों के लिए जताया सहयोग, 1.05 लाख की धनराशि भेंट

दिव्य दिल्ली : सिरमौर

भारतीय जनता पार्टी नोहराधार मंडल के अध्यक्ष भरत भूषण के नेतृत्व में भाजपा प्रतिनिधिमंडल ने पूर्व मुख्यमंत्री एवं नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर से शिष्टाचार मुलाकात की। इस दौरान प्रतिनिधिमंडल ने हाल ही में जिला मंडी में आई भयंकर आपदा में जान-माल के नुकसान पर गहरा शोक प्रकट किया। इस दुखद घड़ी में राहत और सहानुभूति के रूप में नोहराधार मंडल के भाजपा पदाधिकारियों और कार्यकताओं ने ?1,05,000 की सहायता राशि एकत्रित कर चेक के माध्यम से जयराम ठाकुर को भेंट की, ताकि पीड़ित परिवारों की मदद की जा सके।इस अवसर पर पूर्व मुख्यमंत्री श्री जयराम ठाकुर ने मंडल के पदाधिकारियों और कार्यकताओं को संकट की इस घड़ी में संवेदनशीलता और सामाजिक उत्तरदायित्व का परिचय देनेके लिए धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि मंडी की जनता इस सहयोग को सच्ची मानवता की मिसाल मानते हुए गहराई से सराहती है। मंडल अध्यक्ष भरत भूषण ने बताया कि भारतीय जनता पार्टी का प्रत्येक कार्यकर्ता संकट की हर घड़ी में समाज के साथ खड़ा है। उन्होंने कहाः

राष्ट्रीय राजमार्ग बने जानलेवा गड्ढों का जाल, न शासन की नजर, न तंत्र की सुध

दिव्य दिल्ली : विनय महाजन (नूरपुर)

नूरपुर राष्ट्रीय राजमार्ग की हालत इस सप्ताह हुई भारी वर्षा के बाद खड्ड मार्ग के रूप में बदल चुकी है। इतना ही नही कंडवाल से जसूर तथा आगे भाली तक का करीब 40 किलोमीटर भाग इस सड़क से यात्रा करने वालों को खून के आंसू रुला रहा है। सड़क की खराब हालत तथा इसमें व्याप्त गड्ढों को भरने के लिए कोई भी विभाग या निर्माण कंपनी इस समय मौके पर कार्यरत नहीं है।इस राजमार्ग को कंपनियों की आपसी लड़ाई मार गई ।गत करीब दो सप्ताह से इस फोरलेन सड़क को बना रही स्थानीय कंपनी तथा मुख्य कंपनी में आर्थिक मतभेदों के चलते न सिर्फ. प्रोजेक्ट का निर्माण कार्य बल्कि रिपेयर का काम भी रुक चुका है। मामला करोड़ों का है अतः विवाद कब खत्म होगा अभी कुछ नहीं कहा जा सकता।

अब बहुरेंगे सब्जी मंडी बाबरपुर के दिन, दुकानदारों को मिलेगी राहत

औरैया। जनपद के कस्बा बाबरपुर स्थित सब्जी मंडी में जल्द ही टिन सेट लगाए जाएंगे, जिससे फुटकर सब्जी विक्रेताओं को तेज धूप और बरसात की परेशानी से राहत मिलेगी। दुकानदारों की मांग पर नगर पंचायत अध्यक्ष ने शीघ्र कार्य शुरू कराने का भरोसा दिलाया है। मोहल्ला पटेल नगर स्थित सब्जी मंडी में बने चबूतरे पिछले वर्ष आंधी में क्षतिग्रस्त हो गए थे, जिसके बाद नगर पंचायत द्वारा सुरक्षा की दृष्टि से टिन सेट हटवा दिए गए थे। इसके बाद से दुकानदार धूप और बारिश में खुले आसमान के नीचे कारोबार करने को मजबूर हैं।

दुकानदारों ने नगर पंचायत अध्यक्ष आशा चक से मिलकर टिन सेट डलवाने, सब्जी मंडी की मरम्मत तथा खुली नालियों पर पटिया डालने की मांग की, ताकि बरसात के समय जलभराव से राहत मिल सके।

अध्यक्ष आशा चक ने बताया कि सब्जी मंडी के चबूतरे पर तीन टिन सेट डलवाने का ठेका हो चुका है। हालांकि ठेकेदार द्वारा कार्य में देरी की जा रही है, जिसे लेकर नोटिस भेजा गया है। शीघ्र ही काम शुरू कराया जाएगा। इसके साथ ही मंडी की अन्य समस्याओं का भी समाधान किया जाएगा।

तमंचा कारतूस के साथ युवक गिरफ्तार

प्रयागराज। थाना करैली पुलिस द्वारा चोरी से सम्बन्धित वांछित अभियुक्त इसरार शेख उर्फ इसराइल शेख उर्फ मलिंगा पुत्र जाहिर शेख निवासी झुग्गी झोपडी अबूबकर मस्जिद के पीछे करैलाबाग थाना करैली जनपद प्रयागराज को शनिवार को मुखबिर की सूचना पर ससुर खदेरी नदी पुल के पास बनी टपरी (लकड़ी से बनी हुयी दुकान) थाना क्षेत्र करैली से गिरफ्तार किया गया व उसके कब्जे से 01 अवैध देशी तमंचा देशी .315 बोर व 02 अवैध जिन्दा कारतूस .315 बोर बरामद किया गया ।

गिरफ्तारी/बरामदगी करने वाली पुलिस टीम

थानाध्यक्ष करैली आशीष सिंह,उ0नि0 शिवम. उ0नि0 प्रिंस चौधरी, थाना करैली कमिश्नरेट प्रयागराज ।

यूपीः इटावा में हत्या के मामले में दोषी को हुई आजीवन कारावास, पचास हजार जुमार्ना

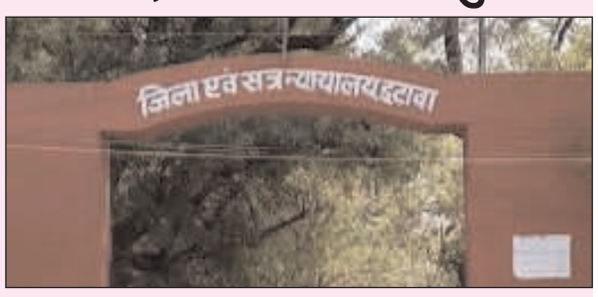

इटावा। जनपद में ग्यारह माह पूर्व रेलवे स्टेशन के पास दिनदहाड़े हुए सनसनीखेज हत्याकांड मामले में न्यायालय ने हत्यारोपी को आजीवन कारावास और पचास हजार रुपए जुमार्ने की सजा सुनाई है। इस हत्याकांड से रेलवे स्टेशन के पास दहशत फैल गई थी। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक बृजेश कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि बीते 31 अगस्त 2024 को थाना सिविल लाइन क्षेत्र के अंतर्गत रेलवे स्टेशन बाजार वमें दिनदहाड़े एक रामाकांती देवी के पुत्र की चाकू से गला रेतकर हत्या कर दी गई थी। दिनदहाड़े हुई इस हत्या से इलाके में सनसनी फैल गई थी। पुलिस ने मृतक के शव को कब्जे में लेकर हत्यारोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था। उन्होंने बताया कि उक्त प्रकरण के संबंध में विवेचना अधिकारी द्वारा साक्ष्य संकलन के आधार पर हत्यारोपी जितेंद्र कुमार मौर्य के खिलाफ आरोप पत्र न्यायालय में प्रस्तुत किया था और इस प्रकरण में सतत निगरानी रखी जा रही थी। न्यायालय में गवाहों को थाना सिविल लाइन पुलिस टीम और डीजीसी शिवकुमार शुक्ला द्वारा पेश किया कर सख्त पैरवी की गई जिसके परिणामस्वरूप हत्यारोपी जितेंद्र कुमार मौर्य को न्यायालय ने दोषी करार देते हुए आजीवन कारावास और पचास हजार रुपए के अर्थदंड की सजा सुनाई है।

इंदौरा में बारिश से कच्चा मकान ढहा, जरनैल सिंह ने प्रशासन से मकान सहायता की लगाई गुहार

दिव्य दिल्ली : इंदौरा

विकास खंड इंदौरा की पंचायत मंगलवाल में लगातार बारिश के चलते एक कच्चे मकान का बड़ा हिस्सा गिर गया, जिससे हजारों रुपये का नुकसान हुआ है। जानकारी देते हुए प्रभावित मकान मालिक जरनैल सिंह ने बताया कि वह दिहाड़ी मजदूरी कर अपने परिवार का पालन-पोषण करता है। उसका मकान काफी पुराना और जर्जर हो चुका था, जो बारिश के कारण ढह गया। उन्होंने बताया कि वह कई बार पंचायत और खंड कार्यालय में मकान की सुविधा के लिए गुहार लगा चुके हैं, लेकिन अब तक कोई मदद नहीं मिली। जरनैल सिंह ने प्रशासन और सरकार से मकान निर्माण में सहायता की मांग की है। इस विषय पर पंचायत सचिव रंजीत सिंह से रविवार दोपहर फोन पर बात की गई, तो उन्होंने बताया कि प्रभावित परिवार का नाम प्रधानमंत्री आवास योजना और अन्य वेलफेयर स्कीमों में डाला गया है। अब जब मकान का बड़ा हिस्सा क्षतिग्रस्त हो चुका है, तो आपदा राहत योजना के अंतर्गत भी इसका नाम भेज दिया गया है। जैसे ही संबंधित योजना के तहत फंड मिलेगा, मकान की सुविधा उपलब्ध करवा दी जाएगी। सचिव ने बताया कि रविवार सुबह पंचायत टीम ने मौके पर जाकर हालात का जायजा भी लिया है।

कांगड़ा घाटी रेल ट्रैक की बहाली के लिए 10 अगस्त को जंतर मंतर पर धरना, पीसी विश्वकर्मा ने की रेलवे से जवाबदेही की मांग

दिव्य दिल्ली : विनय महाजन (नूरपुर)

नूरपुर भारत जोड़ो अभियान और लोकतांत्रिक राष्ट्र निर्माण अभियान की राष्ट्रीय कोर कमेटी के सदस्य पीसी विश्वकर्मा ने प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से जानकारी दी है कि कांगड़ा घाटी रेलवे ट्रैक पर गाड़ियों की बहाली को लेकर उनकी कमेटी 10 अगस्त 2025 को दिल्ली के जंतर मंतर पर धरना प्रदर्शन करेगी। इस दौरान रेल मंत्रालय और प्रधानमंत्री कार्यालय को ज्ञापन भी सौंपा जाएगा। पीसी विश्वकर्मा ने बताया कि सितंबर 2014 से अब तक यह उनका इस मुद्दे पर पांचवां धरना प्रदर्शन होगा। उन्होंने नाराजगी जताते हुए कहा कि 1988 में नूरपुर और तलवाड़ा के बीच एक बार मलवा गिरा था, तब भी ट्रेनें सिर्फ पखवाड़े भर रुकी थीं, जबकि आज हालात यह हैं कि ट्रेनों को स्कूलों की तरह ह्यछुट्टियांह्न दे दी गई हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि 2014 के बाद से ट्रेनों के नियमित संचालन में अनावश्यक बाधाएं उत्पन्न की जा रही हैं। चक्की रेलवे ब्रिज का निर्माण पिछले चार वर्षों से अधूरा पड़ा है, जबकि अंग्रेजों ने पूरा कांगड़ा ट्रैक मात्र साढ़े तीन वर्षों में बनाकर चालू कर दिया था। विश्वकर्मा ने रेलवे प्रशासन से सवाल किया कि हर महीने पुल निर्माण की नई समयसीमा क्यों दी जा रही है झ पहले मार्च, फिर अप्रैल, मई, जून और अब जुलाई, लेकिन कार्य अभी भी अधूरा है। क्या विभाग जानबूझकर बरसात और बाढ़ का इंतजार कर रहा है? उन्होंने यह भी मांग की कि रेलवे ट्रैक को मजबूत और पक्का किया जाए, ताकि मलवा गिरने की आशंका न रहे और ट्रेनें पूरे साल चल सकें। साथ ही उन्होंने सुझाव दिया कि ज्वालामुखी रोड और नगरोटा सूरियां जैसे प्रमुख स्टेशनों को मॉडल रेलवे स्टेशन के रूप में विकसित किया जाए, क्योंकि इन स्थानों पर पर्यटकों की संख्या अधिक रहती है।

पानी के बहाव में बही कुआं-बारी मार्ग की सड़क, कई गांवों का आवागमन प्रभावित

महोबा। जनपद में लगातार हो रही बारिश लोगों के लिए मुसीबत बन रही है। चंद्रावल नदी से निकले सीहो नाला उफनाने से कुआं-बारी मार्ग की सड़क कट गई। जिससे चार गांवों का संपर्क टूट गया जबकि खरेला-गहरौली मार्ग की सड़क में जलभराव होने से 12 गांवों का आवागमन प्रभावित है। ग्रामीण और स्कूली बच्चे दस किमी का अतिरिक्त चक्कर लगाने को मजबूर हैं।

जनपद के चरखारी ब्लॉक के गांव कुआं से बारी गांव तक पक्का संपर्क मार्ग बना है। जिले में और आस पास के जिलों में रुकरुक कर हो रही लगातार बारिश से सीहो नाला उफना गया। जिससे पानी के तेज बहाव में दस मीटर सड़क भी बह गई। इससे कुआं, बारी समेत चार गांवों का संपर्क कट गया। बरायं गांव में बारिश का पानी भरने और प्राथमिक विद्यालय में जलभराव व कीचड़ से ग्रामीणों का पैदल निकलना मुश्किल है। ऐसे ही जनपद के खरेला-गहरौली मार्ग में जलनिकासी की व्यवस्था न होने से सड़क पर पानी भरा है। जिससे पुन्नियां, खरेला, गहरौली, मौदहा, हमीरपुर का आवागमन प्रभावित है। बाइक सवार जान जोखिम में डालकर जलभराव से निकल रहे हैं। जबकि बारिश व जलभराव के कारण कई स्थानों पर बड़े-बड़े गड्ढे हो गए हैं। राजू, पप्पू , रामप्रताप, दिनेश, दीपक, प्रमोद आदि ने जलभराव की समस्या दूर कराते हुए सड़क की मरम्मत कराए जाने की मांग की है।

तमंचा कारतूस के साथ युवक गिरफ्तार

प्रयागराज। थाना करैली पुलिस द्वारा चोरी से सम्बन्धित वांछित अभियुक्त इसरार शेख उर्फ इसराइल शेख उर्फ मलिंगा पुत्र जाहिर शेख निवासी झुग्गी झोपडी अबूबकर मस्जिद के पीछे करैलाबाग थाना करैली जनपद प्रयागराज को शनिवार को मुखबिर की सूचना पर ससुर खदेरी नदी पुल के पास बनी टपरी (लकड़ी से बनी हुयी दुकान) थाना क्षेत्र करैली से गिरफ्तार किया गया व उसके कब्जे से 01 अवैध देशी तमंचा देशी .315 बोर व 02 अवैध जिन्दा कारतूस .315 बोर बरामद किया गया ।

गिरफ्तारी/बरामदगी करने वाली पुलिस टीम

थानाध्यक्ष करैली आशीष सिंह,उ0नि0 शिवम. उ0नि0 प्रिंस चौधरी, थाना करैली कमिश्नरेट प्रयागराज ।

यमुना-चंबल की भीषण बाढ़ से किसानों की हजारों बीघा फसल बर्बाद, मुआवजे की मांग तेज

औरैया। जिले में यमुना और चंबल नदियों में आई भीषण बाढ़ ने जनपद के किसानों की मेहनत पर पानी फेर दिया है। औरैया जिले की अजीतमल और औरैया तहसील क्षेत्र के कई गांवों में हजारों बीघा फसल पूरी तरह नष्ट हो गई है। बाढ़ से सबसे अधिक नुकसान बाजरे की फसल का हुआ है। किसानों की सालभर की कमाई बर्बाद हो गई है, जिससे वे भारी आर्थिक संकट में हैं। अजीतमल तहसील क्षेत्र के गांव असेवा निवासी किसान राजवीर शर्मा ने बताया कि उन्होंने अपनी 18 बीघा जमीन में बाजरे की फसल बोई थी लेकिन नदी का पानी खेतों में घुस गया और पूरी फसल डूबकर सड़ गई। राजवीर के अनुसार, ह्यइस फसल पर मैंने हजारों रुपये का बीज, खाद और कीटनाशक खर्च किया था। ट्रैक्टर से जुताई का भी खर्च उठाया था, लेकिन अब सब खत्म हो गया।ह्न ऐसे ही दर्जनों किसानों की फसलें बर्बाद हो गई हैं। प्रभावित किसान प्रशासन से राहत और उचित मुआवजे की मांग कर रहे हैं। किसानों का कहना है कि जब तक नुकसान का मुआबजा नहीं मिलेगा, तब तक अगली फसल की बुवाई कर पाना संभव नहीं होगा।

औरैयाः सड़क हादसे में दो की मौत

औरैया। उत्तर प्रदेश में औरैया जिले के अछल्दा थाना क्षेत्र स्थित बघईपुर गांव के चार लोगों की कार को टीकमपुर के पास रविवार देर शाम को एक ट्रक ने टक्कर मार दी थी। टक्कर के बाद से कार और उसमें सवार सभी लोग तालाब में जा गिरे। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायलों को बाहर निकाल कर इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया, जहां देररात दो युवकों की मौत हो गई।

थाना प्रभारी रमेश सिंह ने सोमवार को बताया कि ग्राम खुर्मानपुर निवासी सर्वेश कुमार (30), ग्राम बघईपुर निवासी गोलू कुमार (28) उसकी पत्नी संतोषी और बहनोई रामपाल कार से कानपुर देहात के रूरा थाना क्षेत्र के लक्ष्मणपुर गांव में अपनी रिश्तेदारी में गए थे। रविवार शाम को सभी वापस लौट रहे थे। अभी वे टीकमपुर के पास पहुंचे थे, तभी पीछे से एक ट्रक ने कार में टक्कर मार दी।हादसे में कार सड़क से तालाब कार में फंसे सभी घायलों को बाहर निकालकर इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया।

अमिताभ-आमिर की फिल्म में मिल रहा था काम

मृणाल ठाकुर

ने इस लालच में छोड़ा, बाद में ली होगी राहत की सांस

बॉलीवुड एक्ट्रेस मृणाल ठाकुर ने काफी कम वक्त में इंडस्ट्री में अपनी जगह बना ली है. मृणाल ने फैंस को ना सिर्फ अपनी एक्टिंग से हैरान किया है, बल्कि अपनी खूबसूरती से भी उनका दिल जीता है. मृणाल ने अपनी स्क्रिप्ट च्वाइस से हर बार ये बात साबित की है कि उनके अंदर कितनी पोटेंशियल है और अभी उनको काफी आगे जाना है. मृणाल ने कई ऐसी फिल्मों में काम किया है, जिसमें उनके काम को खूब सराहा गया है.मृणाल ने अपने करियर में एक से बढ़कर एक फिल्में की हैं. वहीं उन्होंने कई बड़े प्रोजेक्ट्स को मना भी किया है. एक ऐसी फिल्म के लिए मृणाल के मना कर दिया था, जो सबसे बड़े सितारों से जड़ी थी. इसमें आमिर खान, अमिताभ बच्चन और कटरीना कैफ जैसे बड़े सितारे थे, लेकिन मृणाल को इस फिल्म को छोड़ने का गम नहीं होगा.

मृणाल ठाकुर का जन्मदिन

आज मृणाल ठाकुर का जन्मदिन है. कम लोग ये बात जानते हैं कि मृणाल को ठग्स ऑफ हिंदुस्तान ऑफर हुई थी. फातिमा सना शेख की जगह मृणाल इसकी लीड के लिए पहली पसंद थीं. हालांकि, एक्ट्रेस ने इस बड़े कारण से मूवी को करने से मना कर दिया था. मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो, 'लव सोनिया' में मृणाल ठाकुर की एक्टिंग से प्रभावित होकर आमिर खान ने उन्हें 'ठग्स ऑफ हिंदुस्तान' फिल्म का ऑफर दिया था, लेकिन मृणाल ने इस मूवी को करने से इनकार कर दिया था.

'ठग्स ऑफ हिंदुस्तान' की कमाई

एक्ट्रेस के ऐसा करने के पीछे की वजह उनकी यशराज फिल्म्स के साथ डील थी. मृणाल उस समय YRF के साथ तीन फिल्मों के कॉन्ट्रैक्ट साइन कर चुकी थीं. मृणाल के ना कहने के बाद मूवी में फातिमा सना शेख को कास्ट किया गया था. हालांकि, इस फिल्म का क्या हाल हुआ था, ये तो हम सभी जानते ही हैं. 2018 में आई आमिर खान की फिल्म 'ठग्स ऑफ हिंदोस्तान' उस वक्त तक बॉलीवुड की सबसे महंगी फिल्म थी.इसका रिपोर्ट बजट करीब 300 करोड़ रुपये था. 'ठग्स ऑफ हिंदोस्तान' ने पहले दिन 50 करोड़ से ज्यादा ओपनिंग के साथ बॉलीवुड के लिए सबसे बड़ी ओपनिंग का रिकॉर्ड बनाया था, लेकिन बाद में ये फिल्म बुरी तरह से पिटी थी.

सदा सुहागन रहो... पती पत्नी और पंगा के लॉन्च इवेंट में गुरमीत चौधरी ने छुए पत्नी के पैर, वीडियो हुआ वायरल

टीवी के साथ ही साथ सोशल मीडिया पर इस वक्त पति पत्नी और पंगा को लेकर काफी बज बना हुआ है. ये शो प्यार के सच्चे रिश्ते को लोगों के साथ मिलकर सेलिब्रेट करेंगा और साथ ही कपल्स के जरिए लोगों को एक रिलेशनशिप के अनफिल्टर्ड वर्जन से रुबरु भी करवाएगा. इस शो में कई सारे जाने माने सितारे अपने पार्टनर के साथ इस शो में शामिल हो रहे हैं, जिसमें हाल ही में गुरमीत चौधरी और देबिना बनर्जी ने लाइमलाइट लूट ली है.

31 जुलाई को मुंबई में पति पत्नी और पंगा का लॉन्च शो था, जिसमें शो में शामिल सभी कपल मौजूद थे. इस दौरान उन्होंने मीडिया के साथ बातचीत की और साथ ही अपने रिश्ते के बारे में भी बताया. हालांकि, इन सभी के दौरान शो के लॉन्च इवेंट के दौरान एक वीडियो तेजी से सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है. इस वीडियो में गुरमीत अपनी पत्नी देबिना का पैर छुते नजर आ रहे हैं. इसके जरिए एक्टर अपनी पत्नी की रिस्पेक्ट को दिखाना चाह रहे थे.

देबिना ने दिया आशीर्वाद

लॉन्च इवेंट के दौरान गुरमीत और देबिना बंगाली अटायर में दिखे, जिसमें वो काफी अच्छे लग रहे थे. हालांकि, गुरमीत का पैर छूने का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, जिसमें रिएक्शन में देबिना उन्हें आशीर्वाद देते दिख रही हैं, जिसमें वो उन्हें कहती हैं कि 'सदा सुहागन रहो.' हालांकि, इवेंट के दौरान शो की होस्ट और बॉलीवुड एक्ट्रेस सोनाली बेंद्रे ने दोनों के रिश्ते के बारे में भी बात की. इस दौरान कपल ने इस-दूसरे के साथ मजाक मस्ती करने के साथ ही साथ एक-दूसरे की तारीफ करते नजर आए.

साल 2011 में की थी शादी

गुरमीत चौधरी और देबिना की लव स्टोरी की बात करें, तो दोनों साथ में रामायण शो में राम और सीता की जोड़ी के तौर पर नजर आए थे.

साल 2011 में कपल ने एक-दूसरे को डेट करने के बाद शादी के बंधन में बंध गए थे. शादी के 11 साल बाद कपल ने अपनी पहली बेटी का वेलकम किया और उसके 4 महीने बाद ही कपल ने दोबारा से प्रेग्नेंसी अनाउंस कर दी. शो की बात की जाए, तो ये 2 अगस्त से कलर्स पर ऑन एयर होगा, जिसमें और भी कई सारे कपल शामिल हैं.

दोनों जब एक हो जाते हैं तो मैं... बच्चों को लेकर ऐसा क्यों बोलीं श्वेता तिवारी? दो शादियों के बाद सिंगल मदर ने किया खुलासा

2001 में एकता कपूर ने एक ऐसी एक्ट्रेस को इंट्रोड्यूस कराया जो घर-घर में प्रेरणा बनकर छा गईं. इस यादगार किरदार को एक्ट्रेस श्वेता तिवारी ने निभाया था और आज भी ज्यादातर लोग उन्हें श्वेता कम और प्रेरणा कहकर ज्यादा बुलाते हैं. श्वेता तिवारी को इंडस्ट्री में आए लगभग 25 साल हो चुके हैं और इन सालों में उन्होंने पैसे के साथ नाम कमाया है. श्वेता तिवारी ने इन सालों में पर्सनल लाइफ में भी काफी कुछ देख लिया लेकिन अब अपने दोनों बच्चों के साथ वो एक हैप्पी लाइफ जी रही हैं और अब सिंगल हैं.44 साल की श्वेता ने इन्हीं 25 सालों में दो बार शादी की और दोनों से उन्हें एक-एक बच्चा है लेकिन अब सिंगल मदर बनकर रह रही हैं. हालांकि, श्वेता इस लाइफ से बहुत खुश हैं और हाल ही में उन्होंने ढेर सारी बातें भारती सिंह के यूट्यूब चैनल भारती टीवी पर की. लगभग एक हफ्ते पहले हुए इस पॉडकास्ट में श्वेता ने बताया कि उनके बच्चों के बीच की बॉन्डिंग कैसी है?

श्वेता के बच्चों के बीच की बॉन्डिंग

इंटरव्यू के दौरान भारती सिंह ने श्वेता से पूछा, 'दोनों भाई-बहनों में प्यार है आपस में?' इसपर श्वेता ने कहा, 'भाई बहनों में प्यार है? मैं आउटसाइडर फील करती हूं उन दोनों के बीच में. एक तो छोटा भाई होना एक लड़की के लिए बड़ी बात होती है. छोटा भाई नहीं है उसका बल्कि वो उसे अपने बच्चे की तरह रखती है. मां के ना करने का उसको कोई फर्क ही नहीं पड़ता, वो बहन से हां करवा लेता है. उसको कहीं जाना है, मां ने मना कर दिया तो बहन उठा ले जाती है.'

'वो बार-बार पलक को दिखाता है रील में कि मेरे को यहां जाना वहां जाना है, तो वो मुझसे पूछती है कब इसकी छुट्टी है या कब इसे ले जा सकते हैं. वो खुद ही उसके स्कूल में मेल डालती है और छुट्टी लेकर उसे मॉरिशियस या जहां वो कहता है घुमाने ले जाती है. मैं हैरान रह जाती हूं कभी-कभी वो उसकी हर जिद पूरी करती है और मैं डांटती हूं तो वो मुझे समझाती है जाने दो मॉम छोटा है. रेयांश भी अपनी बहन की हर बात मानता है तो जब वो दोनों मिलते हैं तो मुझे अलग कर देते हैं (हंसते हुए).'

श्वेता तिवारी की दो शादियां

1999 में श्वेता तिवारी ने एक्टर राजा चौधरी के साथ शादी की थी जिनसे उन्हें 2000 में एक बेटी हुई जिनका नाम पलक है. 2007 में श्वेता ने राजा से तलाक ले लिया और उनके ऊपर घरेलू हिंसा का आरोप भी लगाया था. पलक अपनी मां के साथ ही रहती हैं, लेकिन पिता से मिलना-जुलना उनका रहा. वहीं 2013 में श्वेता तिवारी ने एक्टर अभिनव कोहली के साथ शादी कर ली थी, जिनसे उन्हें एक बेटा रेयांश है और 2019 में श्वेता ने अभिनव से भी तलाक ले लिया. तलाक के बाद पलक और रेयांश श्वेता तिवारी के पास ही रहे, वहीं श्वेता भी उनकी अच्छे से परवरिश कर रही हैं.

जीरो से शुरू करना पड़ा...

प्रियंका चोपड़ा

को हॉलीवुड में करना पड़ा स्ट्रगल, एक्ट्रेस ने याद किया बुरा दौर

प्रियंका चोपड़ाज्ये नाम आज दुनियाभर में काफी मशहूर है. झारखंड के जमशेदुर में जन्मीं प्रियंका आज ग्लोबल आइकॉन के तौर पर जानी जाती हैं. साउथ फिल्म इंडस्ट्री से अपने एक्टिंग करियर का आगाज करने वाली प्रियंका ने बाद में बॉलीवुड में बड़ा नाम कमाया और फिर हॉलीवुड की दुनिया में भी अपने हुनर का जलवा बिखेरा. आज वो बॉलीवुड के साथ-साथ हॉलीवुड का भी बड़ा नाम है.प्रियंका चोपड़ा ने बॉलीवुड में काफी स्ट्रगल करके खास पहचान बनाई थी. हिंदी सिनेमा में सुपरस्टार का दर्जा हासिल करने के बाद उन्होंने हॉलीवुड का रुख किया था. हालांकि बड़ी एक्ट्रेस होने के बावजूद उन्हें हॉलीवुड में जीरो से शुरुआत करनी पड़ी थी. हॉलीवुड का शुरुआती दौर उनके लिए काफी मुश्किल था. उन्होंने तब खुद को काफी तन्हा महसूस किया था और इसे अपनी लाइफ का काला दौर बताया था.

'मैं बहुत अकेली थी और...'

प्रियंका चोपड़ा ने एक इंटरव्यू में बताया था कि जब उन्होंने हॉलीवुड में शुरुआत की थी तब वो इसके बारे में कुछ भी नहीं जानती थी. उनके पास ऐसे दोस्त भी नहीं थे जो उन्हें रात के दो बजे कॉल कर सके और बात करें. एक्ट्रेस तब काफी अकेली पड़ गई थी. उन्होंने कहा था, मैं बहुत अकेली थी और ये मेरे लिए बहुत डरावना एक्सपीरियंस था. वो मेरी लाइफ का एक काला दौर था.

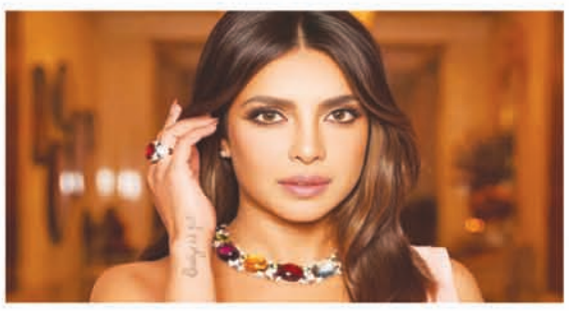

प्रियंका से मिलते तक नहीं थे लोग

प्रियंका ने आगे बताया था कि जहां भारत में वो काफी मशहू रहीं और उनका दबदबा था तो वहीं हॉलीवुड में उनकी इस इमेज की कोई वैल्यू नहीं थी. उन्हें वहां अपना करियर दोबारा शुरू करने के लिए मजबूर किया गया था. प्रियंका को उस समय और बड़ा झटका लगा था, जब हॉलीवुड में लोग उनसे मिलना तक पसंद नहीं करते थे और उन्हें मीटिंग के लिए मना कर देते थे. लेकिन, एक्ट्रेस ने हार नहीं मानी और अपने हुनर से हॉलीवुड वालों को भी अपना मुरीद बना लिया.

2017 में किया था हॉलीवुड डेब्यू

प्रियंका ने साल 2017 में फिल्म 'बेवॉच' से हॉलीवुड डेब्यू किया था. इसके बाद 'वी आर ओनली फैमिली', 'वी कैन बी हीरोज', 'हैप्पीनेस कंटिन्यू', 'द मैट्रिक्स रिसरेक्शन्स' और', 'लव अगेन' में काम किया. जबकि इन दिनों वो फिल्म हेड्स ऑफ स्टेट' में नजर आ रही हैं.

एवनलेघ यूनिवर्सिटी का भव्य सम्मान समारोह, दिल्ली में उभरती प्रतिभाओं को मिली अंतर्राष्ट्रीय पहचान

दिव्य दिल्ली : दिल्ली के शालीमार बाग स्थित रॉयल पेप्पर में एवनलेघ यूनिवर्सिटी द्वारा एक भव्य समारोह का आयोजन किया गया, जिसकी शुरूआत दीपप्रज्वलन के साथ हुई। इस गरिमामय कार्यक्रम का उद्देश्य विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट योगदान देने वाले प्रतिभाशाली व्यक्तियों को सम्मानित कर उन्हें अंतरराष्ट्रीय मंच पर पहचान दिलाना था। समारोह में उन विशिष्ट व्यक्तियों को डॉक्टरेट की उपाधि देकर सम्मानित किया गया, जिन्होंने समाज, शिक्षा, कला, प्रबंधन व अन्य क्षेत्रों में प्रभावशाली कार्य किया है। समारोह में कई प्रमुख हस्तियों की उपस्थिति ने इसकी शोभा बढ़ाई, जिनमें नेशनल अकाली दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष परमजीत सिंह पम्मा, निदेशक, इन्फ्लुएंसेज आईबीआर, यूएसए, मयंक मल्होत्रा, कानूनी सलाहकार, इन्फ्लुएंसेज आईबीआर, यूएसए कपिलेश चौधरी, उप सचिव एवं पूर्व प्रमुख सीओई, सीबीएसई दिल्ली), यश मक्कड़ और प्रो. सुभाष जी. चटर्जी शामिल रहे। फिल्म अभिनेत्री कोमल शर्मा, ने आयोजक की सरहाना की कार्यक्रम में कला और संस्कृति की झलक भी देखने को मिली, जहाँ कुछ कलाकारों को डांस और सिंगिंग के माध्यम से अपनी प्रतिभा दिखाने का मौका मिला और उन्होंने दर्शकों का दिल जीत लिया। इस अवसर पर परमजीत सिंह पम्मा ने कहा विभिन्न क्षेत्रों में समाज व देश के हित के लिए कार्य करने वालों को सम्मानित करने से उनकी और जिम्मेवारी सामाजिक कार्यों में बढ़ जाती है। जिस प्रकार विभिन्न क्षेत्रों में यह लोग कार्य कर रहे हैं, बड़ा सहारनीय है।

त्रिलोकनाथ में पोरी मेला 2025 का प्रचार अभियान प्रारंभ, सांस्कृतिक उत्सव के लिए बढ़ा उत्साह

दिव्य दिल्ली : केलांग

आगामी राज्य स्तरीय पोरी मेला 2025 को लेकर जन जागरूकता और उत्साह बढ़ाने के उद्देश्य से एसडीएम उदयपुर सुश्री अलीशा चौहान ने प्रचार बैनर और सोशल मीडिया विज्ञापन अभियान का विधिवत शुभारंभ किया। यह तीन दिवसीय सांस्कृतिक और आध्यात्मिक आयोजन 22 से 24 अगस्त तक त्रिलोकनाथ में होगा, जो हिंदू और बौद्ध श्रद्धालुओं के लिए एक पवित्र तीर्थस्थल है। इस पहल का उद्देश्य लाहौल-स्पीति की सांस्कृतिक धरोहर को बढ़ावा देना, पर्यटन को सशक्त करना और परंपराओं को जीवंत रखना है। लॉन्चिंग के दौरान एसडीएम ने डिजिटल प्रचार के महत्व को रेखांकित करते हुए अधिकतम जन सहभागिता की अपील की। बैनर और डिजिटल पोस्टर में धार्मिक जुलूस, पारंपरिक संगीत-नृत्य, स्थानीय हस्तशिल्प और क्षेत्रीय व्यंजनों जैसे प्रमुख आकर्षणों को दर्शाया गया है। आगामी हफ्तों में सोशल मीडिया के माध्यम से प्रचार अभियान तेज किया जाएगा। सुश्री चौहान ने स्थानीय युवाओं, समूहों और समुदायों से मेले को सफल बनाने के लिए सक्रिय भागीदारी की अपील की।

अरोड़ा वंश सभा पठानकोट का वार्षिक मेला सम्पन्न, कैबिनेट मंत्री कटारूचक ने टेका माथा

दिव्य दिल्ली : करुनीत रंधावा (पठानकोट)

पठानकोट के ओल्ड कोर्टहाउस स्थित ट्रस्ट कॉलोनी के सामने अरोड़ा वंश सभा द्वारा पारंपरिक वार्षिक मेले का आयोजन किया गया। इस धार्मिक आयोजन में पंजाब सरकार के कैबिनेट मंत्री श्री लाल चंद कटारूचक ने शिरकत की और बाबा जी के स्थान पर माथा टेक कर ह्यसरबत दे भलाह्न की अरदास की। मंत्री कटारूचक ने इसे सौभाग्यपूर्ण अवसर बताते हुए कहा कि गुरु महाराज सभी धर्मों को जोड़ने का संदेश देते हैं और हमें मिलजुलकर मानवता की सेवा करने की प्रेरणा देते हैं। उन्होंने बताया कि यह सावन माह का तीसरा मेला है जिसमें वे सम्मिलित हुए हैं और आयोजकों को इस पावन परंपरा को निभाने के लिए शुभकामनाएं दीं। इस मौके पर सभा के अध्यक्ष मनोहर लाल अरोड़ा ने मंत्री को सम्मानित किया और जानकारी दी कि यह मेला चार चरणों में आयोजित किया जाता है–20 जुलाई, 27 जुलाई, 3 अगस्त और आगामी 10 अगस्त को अंतिम आयोजन होगा। संगत के लिए लंगर व अन्य समुचित प्रबंध किए गए हैं। सभा ने अरोड़ा परिवार सहित सभी श्रद्धालुओं से मेले में भाग लेने और बाबा जी के दर्शन का लाभ लेने की अपील की। कार्यक्रम में महासचिव डॉ. विशाल अरोड़ा, चेयरमैन विजय ठुकराल, मदन छाबड़ा, संरक्षक डॉ. नवीन अरोड़ा, रवि अरोड़ा, दिनेश सचदेवा, कैशियर सोरभ अरोड़ा सहित कई गणमान्य सदस्य उपस्थित रहे।

लॉटरी बहाली पर भड़के भाजपा जिलाध्यक्ष, कांग्रेस सरकार को घेरा

दिव्य दिल्ली : विनय महाजन (नूरपुर)

नूरपुरः भाजपा के जिलाध्यक्ष राजेश काका ने हिमाचल प्रदेश की कांग्रेस सरकार द्वारा हाल ही में लिए गए मंत्रिमंडल निर्णय–प्रदेश में लॉटरी प्रणाली को पुनः आरंभ करने–की कड़ी आलोचना की है। उन्होंने इसे "राज्य को बबार्दी की ओर ले जाने वाला कदम" बताते हुए कहा कि भाजपा सरकार ने पूर्व में इस 'लॉटरी के धंधे' को बंद कर प्रदेश को एक सामाजिक अभिशाप से मुक्त किया था, जिसे अब कांग्रेस सरकार फिर से वापस ला रही है। राजेश काका ने कहा कि वर्ष 1996 में हिमाचल उच्च न्यायालय ने सिंगल डिजिट लॉटरी की बिक्री पर पूर्ण प्रतिबंध लगाया था और 1999 में मुख्यमंत्री प्रो. प्रेम कुमार धूमल के नेतृत्व में भाजपा सरकार ने प्रदेश से लॉटरी प्रथा को पूरी तरह समाप्त कर दिया था।

उनका कहना है कि यह केवल एक प्रशासनिक निर्णय नहीं, बल्कि सामाजिक कल्याण का प्रयास था। उन्होंने चेताया कि यह निर्णय युवाओं को फिर से लॉटरी की लत में धकेल देगा, जो उनके भविष्य के लिए बेहद नुकसानदेह होगा। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस सरकार अपनी सीमित आमदनी के स्रोतों को बढ़ाने के लिए युवाओं के भविष्य को दांव पर लगा रही है। राजेश काका ने यह भी याद दिलाया कि 2004 में कांग्रेस सरकार ने लॉटरी फिर शुरू की थी, लेकिन बाद में पूर्व मुख्यमंत्री वीरभद्र सिंह ने इस पर पूर्ण प्रतिबंध लगा दिया था–यह दशार्ता है कि लॉटरी को सरकार ने खुद 'अभिशाप' माना था।

उन्होंने कहा कि मामूली चारझपांच करोड़ रुपये की आमदनी के पीछे प्रदेश को फिर से लॉटरी, शराब, नशे और जुए की ओर धकेलना कांग्रेस की असंवेदनशीलता को दशार्ता है। वर्तमान में हिमाचल प्रदेश में 9झ्10 लाख बेरोजगार और 2.3 लाख कर्मचारी हैं, जिन पर इसका प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा।

नोएडा में हुआ एसके यूनिवर्स इंडिया इंटरनेशनल 2025 का भव्य आयोजन

दिव्य दिल्लीः नोएडा सेक्टर 70 स्थित दा व्हाइट हाउस पैलेस में एसके स्टार इवेंट्स द्वारा आयोजित एसके यूनिवर्स इंडिया इंटरनेशनल 2025 का आयोजन बेहद भव्य और आकर्षक अंदाज में किया गया। इस प्रतिष्ठित फैशन और टैलेंट शो का नेतृत्व सोनिया खटाना, संदीप गोस्वामी और प्रिया प्रजापति ने मिलकर किया, जिनकी कुशल प्रबंधन क्षमता और दूरदर्शिता ने इस इवेंट को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया। इस आयोजन में देशभर के विभिन्न हिस्सों से कई नामचीन हस्तियों ने शिरकत की और अपनी उपस्थिति से कार्यक्रम की गरिमा को और बढ़ाया। कार्यक्रम की विशेष बात यह रही कि इसमें आमंत्रित सभी विशिष्ट अतिथियों को उनके क्षेत्र में दिए गए योगदान और उपलब्धियों के लिए विशेष रूप से सम्मानित किया गया। इससे आयोजन का स्तर और भी अधिक गौरवमयी हो गया। वहीं, दिल्ली-ठउफ नोएडा सहित देश के विभिन्न राज्यों से आए प्रतिभाशाली मॉडल्स ने रैंप वॉक कर अपनी कला, आत्मविश्वास और स्टाइल से सभी दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। देशभर से आए इन मॉडल्स ने रैंप पर न केवल अपना सौंदर्य और कॉन्फिडेंस प्रदर्शित किया, बल्कि यह भी साबित कर दिया कि भारत में फैशन इंडस्ट्री का भविष्य बेहद उज्ज्वल है। स्टाइल, एलेगेंस और ग्लैमर से सजी इस शानदार शाम को दर्शकों और मेहमानों ने दिल खोलकर सराहा। आयोजन में शामिल हर व्यक्ति ने कार्यक्रम की भूरि-भूरि प्रशंसा की और इसे एक यादगार अनुभव बताया। एसके यूनिवर्स इंडिया इंटरनेशनल 2025 न केवल एक फैशन शो था, बल्कि यह युवा प्रतिभाओं को मंच देने वाला एक ऐसा प्लेटफॉर्म भी बन गया, जो आने वाले समय में नए आयाम स्थापित करेगा।

नई दिल्ली में 29 और 30 अगस्त को होगा नारेडको का 17वां राष्ट्रीय सम्मेलन

दिव्य दिल्ली : नई दिल्ली

भारत के शहरीकरण और आवास विकास को नई दिशा देने के उद्देश्य से राष्ट्रीय रियल एस्टेट विकास परिषद (नारेडको) ने अपने 17वें राष्ट्रीय सम्मेलन की घोषणा की है, जो 29 और 30 अगस्त 2025 को नई दिल्ली में आयोजित किया जाएगा। "लचीला भारतः समावेशी, टिकाऊ और भविष्य के लिए तैयार" थीम पर आधारित इस सम्मेलन का उद्देश्य रियल एस्टेट उद्योग, नीति निमार्ताओं, निवेशकों और तकनीकी विशेषज्ञों के बीच गंभीर संवाद स्थापित करना है। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कर्टेन रेजर कार्यक्रम के दौरान आधिकारिक लोगो का अनावरण करते हुए कहा कि सरकार अगले दो वर्षों में दिल्ली के कायाकल्प के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। उन्होंने उद्योग से पीपीपी मॉडल के माध्यम से अत्याधुनिक सुविधाओं के निर्माण में सहयोग का आह्वान किया और बताया कि झुग्गियों के स्थान पर स्थायी आवास और वायु गुणवत्ता सुधार के लिए भी ठोस योजनाएं बनाई जा रही हैं। सम्मेलन में मुख्य अतिथि के रूप में केंद्रीय आवास एवं शहरी कार्य मंत्री मनोहर लाल की भागीदारी तय है, जो केंद्र सरकार की मजबूत भागीदारी को दशार्ता है। नारेडको अध्यक्ष डॉ. निरंजन हीरानंदानी ने कहा कि निर्माण क्षेत्र को अब स्मार्ट और हरित तकनीकों की ओर बढ़ना होगा ताकि शहरी विकास टिकाऊ बन सके। वहीं उपाध्यक्ष राजन एन. बंदेलकर ने शहरी पुनर्कल्पना को समय की मांग बताते हुए वित्त, कार्बन और कनेक्टिविटी जैसे मुद्दों पर समन्वित दृष्टिकोण की आवश्यकता पर बल दिया। सम्मेलन में रेरा पारदर्शिता, शिकायत निवारण, किफायती आवास, ऋण-सब्सिडी, ढढढ मॉडल, विदेशी निवेश, प्रीफैब्रिकेशन, इक्ट, और उइऊ पुनर्विकास जैसे मुद्दों पर गहन चर्चा होगी। एकल-खिड़की मंजूरी, भूमि अभिलेखों का डिजिटलीकरण और व्यापार को सरल बनाने जैसे विषय भी एजेंडे में प्रमुख रहेंगे। 800 से अधिक प्रतिनिधियों की भागीदारी के साथ यह सम्मेलन भारत के शहरी और रियल एस्टेट भविष्य की दिशा तय करने वाला एक प्रभावशाली मंच बनकर उभरेगा।

हत्या की गुत्थी एक दिन में सुलझी; आरोपी अभी गिरफ्त से बाहर

दिव्य दिल्ली : पठानकोट (करुनीत रंधावा)

पठानकोट पुलिस ने एक दिन पहले सामने आए पोकलेन ऑपरेटर की संदिग्ध मौत के मामले को गंभीरता से लेते हुए जांच में तेजी दिखाई है। एसपी मनोज ठाकुर ने प्रेस वार्ता में बताया कि मृतक मनदीप सिंह के चाचा बावा सिंह के बयान पर थाना तारागढ़ में मुकदमा दर्ज किया गया है। मनदीप, जो पोकलेन मशीन ऑपरेटर था, की लाश रावी दरिया किनारे एक तालाब में पोकलेन मशीन के नीचे मिली। शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया है कि मनदीप को जागीर सिंह, उसका बेटा मनजिंदर सिंह उर्फ मन्नू और डंप का मुंशी मुकेश कुमार लंबे समय से परेशान कर रहे थे और इसी कारण उसे साजिश के तहत मार डाला गया।

शराब के नशे में कार सवार ने पुलिस से की धक्कामुक्की, पत्रकार से भी उलझा, गिरफ्तार

दिव्य दिल्ली : पठानकोट (करुनीत रंधावा)

पठानकोट से मुकेरियां की ओर जा रही एक ऑल्टो कार में सवार युवक को शराब के नशे में धुत्त होकर पुलिस के साथ धक्कामुक्की करना और सार्वजनिक जगह पर हुड़दंग मचाना भारी पड़ गया। पुलिस ने चक्की पुल पर नाका लगा रखा था और जब युवक को रुकने का इशारा किया गया, तो उसने कार नहीं रोकी। पीछा करने के बाद पुलिस ने कुछ दूरी पर वाहन को रोका। कार सवार सुरजीत सिंह पुत्र सुभाष, निवासी भंगाला, तहसील मुकेरियां, नशे में इस कदर था कि पुलिस के साथ आधे घंटे तक बहस करता रहा। इसी दौरान वहां एक पत्रकार भी पहुंचा और पूरी घटना को कैमरे में कैद करने लगा, जिस पर युवक ने पत्रकार से भी धक्का मुक्की कर दी। थाना डमटाल में आरोपी का मेडिकल करवाकर उसे हिरासत में ले लिया गया। डीएसपी इंदौरा संजीव यादव ने बताया कि आरोपी पर बीएनएसएस की धारा 126, 170 के तहत मामला दर्ज किया गया है।

Published, printed and owned by Rajesh.Chauhan, printed at B B Graphic printer Z--57 Okhla Industrial Area ph.2 New Delhi -110020 and published at BG 6 305 B Paschim Vihar New Delhi --110063 Editor Rajesh.Chauhan. E mail ID-rajeshchauhan4569@gmail.com, Contact No. - 9873104569, RNI No DELENG/2013/54397